ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY

ईश्वरप्पा सिर्फ कुरुबा समुदाय के नेता नहीं, वे पिछड़े वर्ग के भी नेता हैं @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 30 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-179

प्रधानमंत्री ने इसरो और शुभांशु को सौंपी जिम्मेदारी

अंतरिक्ष में होगा भारत का अपना स्टेशन

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। भारत की अगली तैयारी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की है। इस काम में शुभांशु शुक्ला के अनुभवों की मदद ली जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) और अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर मौजूद शुभांशु शुक्ला को यह असाइनमेंट दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शुभांशु की यह अंतरिक्ष यात्रा गगनयान मिशन की सफलता का पहला अध्याय है। यह यात्रा सिर्फ अंतरिक्ष तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह विकसित भारत की यात्रा को गति देगी। भारत अब सिर्फ उड़ान नहीं भरेगा, बल्कि भविष्य में नई उड़ानों के लिए मंच तैयार करेगा।

प्रधानमंत्री ने शुभांशु शुक्ला से इस बारे में बातचीत की और उनके अंतरिक्ष के अनुभव सुने। भारत का लक्ष्य विज्ञान और आध्यात्मिकता को समन्वित करने का है।

इसी इरादे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभांशु शुक्ला से पूछा कि क्या अंतरिक्ष में मानसिक एकाग्रता और ध्यान (मेडिटेशन) के समन्वय का कोई लाभ मिल रहा है कि नहीं। शुभांशु ने कहा,

नई उड़ानों के लिए मंच तैयार करेगा भारत

अंतरिक्ष में मानसिक एकाग्रता (माइंडफुलनेस) बहुत मदद करती है। लॉन्च के दौरान या तनावपूर्ण परिस्थितियों में दिमाग को शांत रखने के लिए ध्यान से बेहतर और कोई माध्यम नहीं हो सकता। इस माध्यम से दिमाग बेहतर फैसले लेने में सक्षम होता है। शुभांशु ने यह माना कि भारत की ताकत विज्ञान और आध्यात्मिकता के समन्वय में ही है, जो अंतरिक्ष में आने के बाद समझ में आती है। शुक्ला ने कहा, यह मिशन भारत की प्रगति की पहली सीढ़ी है। हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने शुभांशु को गगनयान मिशन, भारतीय स्पेस स्टेशन और चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री की लैंडिंग जैसे भविष्य के मिशनों के लिए होमवर्क दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, आपके अनुभव इन मिशनों के लिए बहुत कीमती होंगे। शुभांशु ने कहा, यह अनुभव गगनयान और अन्य मिशनों के लिए बहुत काम आएंगे। मुझे यकीन है कि यह सपना जल्द पूरा होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शुभांशु ने बताया कि अंतरिक्ष से भारत बेहद भव्य और विशाल दिखता है। ▶10 पर

हरकतें नहीं छोड़ी तो टूटेगी बांग्लादेश की आर्थिक रीढ़

भारत ने बांग्लादेश को जूट का आयात भी बंद किया

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने अपनी भारत विरोधी हरकतें बंद नहीं कीं तो उसकी भी हालत भिखमंगे पाकिस्तान जैसी हो जाएगी। बांग्लादेश से कपड़े और ड्रिंक्स का आयात बंद करने के बाद भारत ने बांग्लादेश से आने वाले जूट पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। जूट के आयात पर पाबंदी बांग्लादेश पर भीषण आर्थिक चोट की तरह देखी जा रही है। वर्ष 2023-24 में भारत ने बांग्लादेश से 144 मिलियन डॉलर (लगभग 1230 करोड़ रुपए) का जूट आयात किया था।

जूट आयात पर रोक लगाने के भारत सरकार के फैसले से बांग्लादेश के निर्यात व्यापार को बड़े स्तर पर धक्का पहुंचा है। भारत इससे पहले भी बांग्लादेश से आने वाले कई उत्पादों पर प्रतिबंध लगा चुका है। विदेशी व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) के 27 जून 2025 के आदेश के अनुसार, बांग्लादेश से आने वाले जूट और कई तरह के यार्न के भारत में निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

जूट बंद होने से बांग्लादेश को 1200 करोड़ का झटका
वस्त्र, प्रोसेस्ड फूड, ड्रिंक्स एवं कई सामान पहले से बंद

आदेश में कहा गया है कि बांग्लादेश और भारत की सीमा पर कहीं से भी यह उत्पाद भारत में नहीं आने दिए जाएंगे। बांग्लादेश इन उत्पादों को किसी दूसरे रास्ते से भी भारतीय बाजारों में नहीं उतार सकता है, यह भी इस आदेश में स्पष्ट कर दिया गया है। इसमें लिखा गया है कि बांग्लादेश के जूट और यार्न को भूटान और नेपाल के रास्ते भारत में आने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में खटास आ गई। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इस तल्खी को और बढ़ा दिया। बांग्लादेश सरकार के अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस ने भारत विरोधी हरकतों को बढ़ावा दिया और हिंदुओं पर भीषण अत्याचार कराए। यह अत्याचार लगातार जारी है। बांग्लादेश की इन हरकतों की वजह से भारत ने भी इसका माकूल जवाब देना शुरू कर दिया है। भारत अब बांग्लादेश के लिए व्यापार के सभी रास्ते बंद कर रहा है। जूट आयात पर रोक इसका सबसे कारगर उदाहरण है। भारत ने वर्ष 2023-24 में बांग्लादेश से 144 मिलियन डॉलर (लगभग 1230 करोड़ रुपए) का जूट आयात किया था। बांग्लादेश का जूट भारत में न आने देने का एक कारण यह भी है कि बांग्लादेश जूट को भारत में डंप करने के लिए अपने यहां सब्सिडी देता है और भारत-बांग्लादेश के बीच मुक्त व्यापार समझौते का गलत लाभ उठाता रहा है। बांग्लादेश के व्यापारी भारतीय बाजार को प्रभावित करते हैं, जिससे भारत में जूट का बाजार और उसका उत्पादन असंतुलित होता आया है। ▶10 पर

आरक्षण नीति की समीक्षा में मुख्य न्यायाधीश ने कहा

एससी-एसटी आरक्षण में भी क्रीमी लेयर लागू हो

चीफ जस्टिस ने न्यायिक आतंकवाद को धिक्कारा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को मिलने वाले आरक्षण में भी क्रीमी लेयर कैटेगरी लागू करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के बच्चों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। चीफ जस्टिस का कहना है कि ऐसा होने से आरक्षण दिए जाने की मूल भावना कमजोर होती है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश ने यह सवाल पूछा कि उच्च पदों पर बैठे एससी/एसटी अधिकारियों के बच्चों को आरक्षण का लाभ क्यों मिलना चाहिए, जब वे पहले ही सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त हो चुके हैं? सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई का यह विचार सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संविधान पीठ के विचार-विमर्श के दौरान आया, जिसमें आरक्षण नीति की समीक्षा की जा रही थी। उल्लेखनीय है कि क्रीमी लेयर पर वे लोग होते हैं जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर दूसरों की तुलना में अधिक सम्पन्न होते हैं। फिर चाहे वह आर्थिक क्षेत्र हो या शिक्षा का क्षेत्र। चीफ जस्टिस का मानना है कि अगर क्रीमीलेयर को आरक्षण की सुविधा से वंचित किया जाता है तो बाकियों को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। उदाहरण के तौर पर एक आईएएस या आईपीएस अधिकारी की संतान, जो पहले से ही सक्षम और सुविधा सम्पन्न है, अगर उसे आरक्षण मिलता है तो वो असली जरूरतमंदों को प्रभावित कर सकता है। क्रीमीलेयर पर आजकल बहस इसलिए हो रही है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की पीठ वर्तमान में आरक्षण से संबंधित विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इस दौरान यह सवाल उठा कि क्या एससी-एसटी समुदायों में क्रीमी लेयर की अवधारणा को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जैसा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए पहले से लागू है। सीजेआई ने इस मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श की जरूरत पर बल दिया। ताकि समाज में समानता लाई जा सके।

इसके साथ ही चीफ जस्टिस गवई ने न्यायिक आतंकवाद के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने न्यायिक अतिक्रमण को गंभीर मामला बताते हुए कहा कि न्यायिक सक्रियता बनी रहनी चाहिए, लेकिन इसे न्यायिक आतंकवाद या दुस्साहस नहीं बनना चाहिए। क्योंकि संसद कानून बनाती है, कार्यपालिका उसे लागू करती है ▶10 पर

आजादी के बाद हो रही 8वीं जनगणना

जनगणना का पहला चरण अप्रैल 2026 से शुरू होगा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। जनगणना 2026 की तैयारियां शुरू हो गई है। इसके तहत 1 अप्रैल 2026 से मकान सूचीकरण का काम शुरू होगा। जनसंख्या गणना का पहला चरण डिजिटल माध्यम से होगा, इस दौरान जाति की भी जानकारी ली जाएगी। भारत सरकार ने आगामी जनगणना 2026 के पहले चरण की तारीख तय कर दी है। रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखकर बताया कि हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन और हाउसिंग जनगणना 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। दो चरणों में जनगणना होगी। ▶10 पर

तेलंगाना में बोले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

सेना के पराक्रम पर सवाल उठाना राष्ट्रद्रोह है

निजामाबाद, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर करारा हमला बोला। गृह मंत्री ने कहा, जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुश्मनों को करारा जवाब दिया, तब भी राहुल गांधी सवाल उठाते रहे। यह हमारे जवानों के बलिदान का अपमान है। सुरक्षा बलों के पराक्रम पर सवाल उठाना राष्ट्रद्रोह है और यह देश की सुरक्षा नीति को कमजोर करने की मंशा साबित करता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तेलंगाना के निजामाबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, सरकार की नीति है कि हथियार वालों से कोई वार्ता नहीं होगी। उन्होंने नक्सलियों से अपील कि वे आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में आएं। इस दौरान उन्होंने

नक्सलियों से मुख्यधारा में शामिल होने की अपील

राहुल गांधी पर हमला बोला जो ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाकर सेना का मनोबल तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। अमित शाह ने कहा, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़े और दो दशक बाद चरम पर पहुंच गए। वहीं पाकिस्तान की तरफ से भारत के शहरों को निशाना बनाए जाने के बाद, भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने सभी को नाकाम करते हुए उसका माकूल जवाब दिया। ▶10 पर

गढ़वाल राइफल्स के कर्नल ऑफ द रेजिमेंट बने डीएस राणा

लैंसडाउन, 29 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं और भावना को दर्शाते हुए एक समारोह में, अंडमान और निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश सिंह राणा ने गढ़वाल राइफल्स के 23वें कर्नल ऑफ द रेजिमेंट के रूप में पदभार संभाला है। वह उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि का स्थान लेंगे।

उत्तराखंड के लैंसडाउन में गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में पूरे सैन्य सम्मान के साथ बैटन ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 98,580/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,08,999/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 21°

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नागरिकों से की मन की बात

योग दिवस की खुशी से संविधान हत्या दिवस के दुख तक...

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकाशवाणी पर मन की बात की 123वीं कड़ी में योग दिवस से लेकर संविधान हत्या दिवस तक की चर्चा की और ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबियों से लेकर चेनाब नदी पर बने विश्व के सबसे ऊंचे पुल के निर्माण पर अपनी खुशी नागरिकों के साथ साझा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल पहले शुरू हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गर्व जताया और कहा कि यह सिलसिला पूरी दुनिया में हर साल भव्य बनता जा रहा है। यह इस बात का भी संकेत है कि ज्यादा से ज्यादा लोग अपने दैनिक जीवन में योग अपना रहे हैं। पीएम मोदी ने इस बार योग दिवस पर विशाखा-पत्तनम के समुद्र तट पर तीन लाख लोगों के साथ योग में शामिल होने का जिक्र किया। विशाखापत्तनम में वह दृश्य अद्भुत था जब दो हजार से ज्यादा आदिवासी छात्रों ने 108 मिनट तक 108 सूर्य नमस्कार किया। नौसेना के जहाजों पर भी योग की भव्य झलक दिखी। तेलंगाना में तीन हजार दिव्यांग साथियों ने एक साथ योग शिविर में भाग लिया। उन्होंने दिखाया कि योग किस तरह सशक्तिकरण का माध्यम भी है।

दिल्ली के लोगों ने योग को स्वच्छ यमुना के संकल्प से जोड़ा और यमुना तट पर जाकर योग किया। जम्मू-कश्मीर में चिनाब ब्रिज, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है, वहां भी लोगों ने योग किया। हिमालय की बर्फीली चोटियां और आईटीबीपी के जवान, वहां भी योग दिखा, साहस और साधना साथ-साथ चले। गुजरात के लोगों ने भी एक नया इतिहास रचा। वडनगर में 2121 (इक्कीस सौ इक्कीस) लोगों ने एक साथ भुजंगासन किया और नया रिकॉर्ड बना दिया। न्यूयॉर्क, लंदन, टोक्यो, पेरिस, दुनिया के हर बड़े शहर से योग की तस्वीरें आई और हर तस्वीर में एक बात खास रही, शांति, स्थिरता और संतुलन। इस बार की थीम भी बहुत विशेष थी, एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य। यह सिर्फ एक नारा नहीं है, यह एक दिशा है जो हमें वसुधैव कुटुंबकम् का अहसास कराती है। मुझे विश्वास है, इस बार के योग दिवस की भव्यता ज्यादा से ज्यादा लोगों को योग को अपनाने के लिए जरूर प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, लंबे समय के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा का फिर से शुभारंभ हुआ है। कैलाश मानसरोवर यानी भगवान शिव का धाम। हिंदू, बौद्ध, जैन, हर परंपरा में कैलाश को श्रद्धा और भक्ति का केंद्र माना गया है। 3 जुलाई से पवित्र अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है और सावन का पवित्र महीना भी कुछ ही दिन दूर है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

श्वेता बोकाड़िया बनी जायका जोनल क्वीन

बेंगलूरु साउथ का बढ़ाया गौरव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग, बल्लारी द्वारा आयोजित भव्य और बहुप्रतीक्षित जायका जोनल कुकिंग प्रतियोगिता एन्शिएंट रेसिपीज, मॉडर्न प्लेट्स में बेंगलूरु साउथ की प्रतिभाशाली सदस्य श्वेता बोकाड़िया ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जायका जोनल क्वीन का खिताब अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता 28 जून को रखी गई थी जिसमें 11 जेएलडब्लू चैप्टर्स से प्रतिभागीयों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य परंपरागत जैन भोजन को आज की नई पीढ़ी की सोच और स्वाद के अनुसार प्रस्तुत करना था। इस बार की थीम मॉडर्न रेसिपीज, ट्रेडिशनल टच और श्वेता की थाली ने न केवल इस थीम को बखूबी निभाया, बल्कि सभी निर्णायकों और दर्शकों का दिल भी जीत लिया।

श्वेता की विशेष प्रस्तुति का नाम दक्षिण सॉयरी था। श्वेता ने दक्षिण भारतीय स्वादों की आत्मा को आधुनिक अंदाज में सजाकर प्रस्तुत किया। उनकी थाली हर कोर्स में मौसमी शुद्धता, संतुलन और रचनात्मकता का सुंदर संगम थी।

प्रारंभिक पेय रस रेखा, खट्टे आंवले के अचार के साथ बेतल पत्ते का रसम, एक ऊर्जावान और सुगंधित शुरुआत। प्रथम कोर्स ग्रीन्स इन ब्लूम, माइक्रोग्रीन्स कोसम्बरी, मूँग दाल, नारियल और नींबू के साथ हल्का, ताजा और संतुलित, द्वितीय कोर्स 'मोरिंगा क्लाउड' सहजन और ज्वार के अप्पम के साथ हल्की नारियल वाली सब्जी, स्वास्थ्य और स्वाद का संगम, अनाज व दाल का तालमेल, कोस्टल कम्फर्ट, नारियल चावल के साथ गर्मागरम तड़केवाली चना सुंदल, दक्षिण भारत की आत्मा। मिठास भरी विदाई, स्वीट फेयरवेल, मैसूरु पाक टार्ट, कटहल केसरी, गुड़ और मूँगफली की चिक्की, मीठा, यादगार अंत। हर व्यंजन में श्वेता ने स्वाद के साथ-साथ पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक प्रस्तुति का अद्भुत समावेश किया। श्वेता को 15,000 की नकद राशि, ट्रॉफी और जायका क्वीन का ताज प्रदान किया गया।

द्वितीय स्थान पर रही ममता बागरेचा बल्लारी और तृतीय स्थान केजल छाजेड़ बेंगलूरु ने प्राप्त किया। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने कहा श्वेता की जीत एक महिला की कल्पनाशीलता और आत्मविश्वास का उत्सव है। यह हर उस गृहिणी के लिए संदेश है कि उसका हुनर उसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्यजनों ने विजेताओं को बधाई दी।

जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी, मुख्य सचिव नितिन लूनिया, जेएलडब्लू नॉर्थ की अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़, जेएलडब्लू साउथ की मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने अपनी शुभकामनाएँ दीं। केकेजी जोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफना, मुख्य सचिव दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश, महिला विंग कन्वीनर पिंकी जैन, जिफ एवं जे पॉइंट कन्वीनर अनिता पिरगल, श्रमण आरोग्यम कन्वीनर सुनीता गांधी, स्मॉल हाउसहोल्ड बिजनेस कन्वीनर बिंदु रायसोनी, हेल्थ और न्यूट्रीशन कन्वीनर्स कविता मूथा एवं लेखा गांधी भी उपस्थित रही।

विकास बाँठिया तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर के अध्यक्ष मनोनित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर की 18वीं वार्षिक साधारण सभा विजयनगर स्थित तेरापंथ सभा भवन में आयोजित की गई। साधारण सभा की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। अध्यक्ष कमलेश चोपडा ने स्वागत किया।

मंत्री संजय भटेवरा ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा ने आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। जिसे सदन ने पारित किया। एटीडीसी की रिपोर्ट प्रभारी राकेश पोखरणा ने दी। संगठन मंत्री पंकज कोचर ने संगठन की रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत की। प्रबंध मंडल से पवन बैद, कमलेश दक, उपाध्यक्ष अशोक मारु, विकास बांठिया ने कमलेश चोपडा द्वारा प्रदत्त अवसर एवं प्रोत्साहन हेतु आभार प्रकट किया।

सभी उपस्थित पूर्व अध्यक्षों राकेश दुधोडिया, अशोक कोठारी, महेंद्र टेबा, अभिषेक कावड़िया, श्रेयांस गोलछा, सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, निवर्तमान अध्यक्ष प्रकाश गांधी, महिला मंडल कार्यकारी अध्यक्षा मंजू गादिया ने 2024-25 के सफलतम सत्र हेतु अध्यक्ष कमलेश चोपडा, प्रबंधमंडल को बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर सेवानिवृत हो रहे परिषद् सदस्य, कार्यकारिणी सदस्य, प्रबंध मंडल को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। संचालन संजय भटेवरा ने किया। वर्ष 2025-26 कार्यकाल के लिए चुनाव अधिकारी छत्र सिंह मालू ने प्राप्त नामांकन अनुसार विकास बाँठिया बीकानेर निवासी बेंगलूरु प्रवासी को अध्यक्ष घोषित किया। सभी पूर्व अध्यक्ष, एवं कमलेश चोपडा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते नए नेतृत्व के उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं की।

जरूरतमंद विद्यार्थियों में 2500 स्कूल बैग का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मायुम बेंगलूरु द्वारा शिक्षा सबके लिए अभियान के अंतर्गत दो महत्वपूर्ण सेवा प्रकल्पों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत एक ओर जहाँ जरूरतमंद विद्यार्थियों को 2500 स्कूल बैग वितरित किए गए, वहीं दूसरी ओर सरकारी बालिका विद्यालय, होसकोटे में एक अत्याधुनिक ऑटोमैटिक किचन की स्थापना भी की गई। इस कार्यक्रम की शुरुआत सुबह यूबी सिटी से निकली कार रैली से हुई, जिसके पश्चात विभिन्न सरकारी विद्यालयों में बैग वितरित किया गया।

ऑटोमैटिक किचन की स्थापना से सैकड़ों छात्राओं को प्रतिदिन गरम व पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो सकेगा, जिससे मिड-डे मील योजना को नई मजबूती मिलेगी। मायुम बेंगलूरु के अध्यक्ष गोपाल कुमार अग्रवाल एवं प्रांत अध्यक्ष मोहित शर्मा ने मंच के सेवा कार्यों की सराहना की और पूरी टीम को बधाई दी।

कार्यक्रम के प्रायोजक आरके इन्फ्रा (मोहन कुमार) रहे, जिनके सहयोग से दोनों प्रकल्प साकार हो सके। इस सेवा कार्य को सफल बनाने में विशेष योगदान समन्वयकों सोनू शर्मा, पुनीत राठी एवं अमित अग्रवाल का रहा। इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्य आनंद अग्रवाल, पंकज जालान, पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी एवं अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति से आयोजन को और भी ऊर्जा मिली। यह आयोजन मा.यु.म. बेंगलूरु की सेवा यात्रा में एक प्रेरणादायक अध्याय के रूप में जुड़ गया है, जो समाजहित में इसके निरंतर योगदान की भावना को दर्शाता है।

बीएमटीसी बस डिपो में भव्य सेवा कार्य का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणा देने योग्य पहल करते हुए इंदिरानगर बीएमटीसी डिपो में एक भव्य सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया, जहाँ लगभग 700 से 800 कर्मचारी एवं बस चालक कार्यरत हैं। यह शाखा की सार्वजनिक क्षेत्र में पहली सेवा थी, जो पूर्ण रूप से सफल रही। इस आयोजन में मंच की तीन राष्ट्रीय परियोजनाएँ अमृतधारा, रक्तदान और अन्नदान एक साथ संपन्न की गईं।

अमृतधारा जल ही जीवन अभियान- शुद्ध पेयजल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शाखा ने डिपो परिसर में 250 लीटर आरओ एवं 500 लीटर स्टोरेज को स्थापित किया। यह प्रयास 'जल ही जीवन' अभियान के अंतर्गत इस कार्यकारिणी की 6वीं सेवा थी, जिसका लाभ बीएमटीसी के स्टाफ को प्रतिदिन मिलेगा। रक्तदान - आशा की बूंद अभियान - स्वस्थ जीवन और आपातकालीन चिकित्सा सहायता हेतु शाखा द्वारा 15वां रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें कुल 33 यूनिट रक्त एकत्र हुआ।

यह आशा की बूँद प्रकल्प शिविर राष्ट्रीय रक्तदान पखवाड़ा के तहत शाखा का 14वां शिविर था एवं अब तक कुल 761 रक्त इकाइयाँ एकत्रित की गयी हैं। शाखा ने सेवा से संतोष अभियान के अंतर्गत अन्न सेवा भी की, जिसमें लगभग 350 लोगों को भोजन वितरण किया गया। इस भव्य सामाजिक आयोजन में मंच के राष्ट्रीय पदाधिकारी रवि राम सिंघानीया, नितेश टिब्रेवाल और प्रांतीय पदाधिकारियों में अध्यक्ष मोहित शर्मा, उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, प्रांतीय अमृतधारा संयोजक गौरांग गुप्ता, जन सेवा संयोजक रोहित अग्रवाल, पुनित गोयल उपस्थित रहे। इनके अलावा शाखा के संस्थापक अध्यक्ष मनोज पोद्दार और पूर्व अध्यक्ष रिषभ सराफ भी मौजूद थे। कार्यकारिणी के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अधिकांश कार्यकारिणी समिति की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शोभा बीएमटीसी के वरिष्ठ अधिकारियों सत्य सुंदरम, बसप्पा कोंडूर, लक्ष्मी और वेंकटेश की उपस्थिति से बढ़ी। बीएमटीसी अधिकारियों की उपस्थिति और सहयोग ने आयोजन को विशेष रूप से सफल बनाया।

उन्होंने मंच के इस सामाजिक सेवा प्रयास की प्रशंसा करते हुए आशीष फिटकरीवाला, गौरांग गुप्ता और दीपा चौधरी का सम्मान किया। शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने कर्नाटक एवं बेंगलूरु को अपनी कर्मभूमि मानते हुए कहा कि इस प्रकार भव्य रूप में आयोजित यह सार्वजनिक सेवा कार्यक्रम शाखा की पहली ऐतिहासिक पहल है, जो न केवल प्रेरणादायक है बल्कि समाज सेवा की दिशा में एक सशक्त कदम भी है।

उन्होंने शाखा संयोजक दीपा चौधरी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जिस समर्पण और लगन से उन्होंने पिछले दो महीनों से निःस्वार्थ भाव से परिश्रम किया, उसी का परिणाम आज का यह भव्य, सुंदर और सफल आयोजन है।

कार्यक्रम संयोजक दीपा चौधरी ने बीएमटीसी के अधिकारियों, विशेषकर लक्ष्मी और सत्य सुंदरम के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया। सचिव अजय अग्रवाल ने सभी प्रांतीय एवं शाखा संयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विशेष रूप से गौरांग गुप्ता और दीपा चौधरी का धन्यवाद किया।

सड़ी-गली अवस्था में अज्ञात शव मिलने के बाद जांच शुरू

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु के उरवा पुलिस स्टेशन की सीमा में केएसआरटीसी बस स्टैंड के पास निर्माणाधीन व्यावसायिक इमारत के बेसमेंट में लगभग 35 से 40 साल की उम्र के एक अज्ञात व्यक्ति का शव सड़ी-गली अवस्था में मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी सी एच ने बताया कि इमारत में पानी की आपूर्ति की समस्या का निरीक्षण करने गए एक कर्मचारी ने शव की खोज की।

बेसमेंट में आंशिक रूप से पानी भरा हुआ था और शव करीब तीन फीट पानी में तैरता हुआ मिला, जिसमें काफी सड़न के लक्षण दिखाई दे रहे थे। पुलिस ने अपराध अधिकारियों और फोरेंसिक टीम के साथ बेसमेंट का दौरा किया। दर्ज रिपोर्ट के आधार पर उरवा पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मृतक की पहचान और मौत के कारण और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

एनआईए ने सुहास शेट्टी हत्याकांड में वित्तीय जांच शुरू की

आरोपी और उसके परिवार के बैंक खाते जांच के दायरे में

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गत 1 मई को बाजपे में किन्नीपदावु जंक्शन के पास राउडीशीटर सुहास शेट्टी की हत्या की जांच अपने हाथ में लेने वाली राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अब अपराध के पीछे के वित्तीय स्रोतों की जांच शुरू कर दी है। एनआईए के अधिकारियों ने पहले ही आठ प्रमुख आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और उनसे गहन पूछताछ कर रहे हैं। मेंगलूरु सिटी क्राइम ब्रांच (सीसीबी) द्वारा पहले एकत्र किए गए सभी जांच रिकॉर्ड आधिकारिक तौर पर एनआईए को सौंप दिए गए हैं। अब, एनआईए सभी 12 व्यक्तियों के बैंक खातों की बारीकी से जांच कर रही है - जिसमें प्रत्यक्ष आरोपी और कथित तौर पर उनकी सहायता करने वाले दोनों शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, एजेंसी को कुछ स्थानीय व्यक्तियों से आरोपियों के खातों में पैसे ट्रांसफर किए जाने के सबूत मिले हैं। इसके अलावा, आरोपियों के परिवार के सदस्यों के बैंक खातों की भी जांच की जा रही है। एनआईए के डीआईजी राहुल और एसपी शिवकुमार को मामले के बारे में पूरी जानकारी दे दी गई है और डीएसपी पवन कुमार की अगुवाई वाली एक टीम चल रही जांच का नेतृत्व कर रही है। इससे पहले हिंदू संगठनों और भाजपा नेताओं ने संदेह जताया था कि सुहास हत्याकांड के आरोपियों के खातों में विदेशी धन जमा किया गया था। उन्होंने इस बात को भी खारिज कर दिया था कि हत्या के लिए 5 लाख रुपये का इस्तेमाल किया गया था, जो कथित तौर पर फाजिल के भाई आदिल द्वारा मुहैया कराया गया था, जिसकी हत्या सूरतकल में की गई थी। प्रतिबंधित पीएफआई से संदिग्ध संबंध पूछताछ के दौरान, कुछ आरोपियों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े लोगों और वर्तमान में विदेश में रहने वाले लोगों ने हत्या के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की थी। सूत्रों का कहना है कि एनआईए ने अब आरोपियों और प्रतिबंधित संगठन के बीच संबंधों की ओर इशारा करते हुए विश्वसनीय सबूत जुटाए हैं।

आरोपी को लाते समय दुर्घटना, सब-इंस्पेक्टर की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गांजा मामले में आरोपी को हिरासत में लेते समय हुई दुर्घटना में घायल हुए तल्लाघाटापुर थाने के सब-इंस्पेक्टर महबूब गुड्डली की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। अत्तीबेले में गिरफ्तार किए जाने के बाद जब गांजा मामले में शामिल आरोपी को कार में लाया जा रहा था, तो सूर्या सिटी के पास कार पंचर हो गई। बाद में, ड्राइवर टायर बदलने के लिए सड़क के किनारे रुका और एसआई बाहर निकलकर फोन पर बात कर रहे थे, तभी पीछे से आ रही एक लॉरी ने उन्हें टक्कर मार दी।

बदमाशों ने महिला की बेरहमी से हत्या कर उसे बांधकर कूड़े के ट्रक में फेंका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चेन्नामनकेरे अचुकट्टू पुलिस स्टेशन की सीमा में एक घटना घटी है, जहां बदमाशों ने एक महिला की बेरहमी से हत्या कर उसे बीबीएमपी के कूड़े के ट्रक में फेंक दिया।

रविवार सुबह स्केटिंग ग्राउंड के पास खड़े कूड़े के ट्रक में एक बैग मिला, जब नगर निगम के कर्मचारियों ने इसकी जांच की तो उसमें महिला का शव मिला। जब पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो पता चला कि 30-35 साल की महिला की गला घोंटकर हत्या की गई है। उसके हाथ-पैर बांधे गए हैं और शव को प्लास्टिक के बैग में डालकर यहां फेंका गया है। ऑटो में सवार होकर आए बदमाशों द्वारा शव को कूड़े के ट्रक में फेंकने की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है और पुलिस ने अब हत्यारों की तलाश के लिए जाल बिछा दिया है। इस घटना ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है। लोगों का कहना है कि रात में इलाके में आवाजाही कम होने के कारण हत्यारों ने शव को कूड़े के ट्रक में फेंका है। शव पर किसी तरह के गंभीर चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस ने बताया कि हत्या कहीं और की गई है। डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट ने घटनास्थल पर जाकर जांच की है। इस बीच स्थानीय सीसीटीवी की भी जांच की जा रही है। मृतक महिला की पहचान के लिए भी जांच की जा रही है। इस हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है।

भव्य एकल मेला 5 जुलाई को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एकल विद्यालय अभियान से संबंधित वनबंधु परिषद, बेंगलूरु महिला समिति द्वारा आगामी 5 जुलाई को भव्य एकल मेला 2025 का आयोजन जे.पी नगर स्थित, एम.एल.आर कन्वेंशन सेंटर, ब्रिगेड मिलेनियम कैंपस में होगा।

मेले के आखिरी चरण की तैयारियां जोर-शोर पर है, कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक हुई जिसमे अंतिम चरण के निर्णय लिए गए। इस वर्ष प्रदर्शनी के मुख्य प्रायोजक प्राईड ग्रुप और सह प्रायोजक गुरु पूनवानी बिल्डर ने एकल मेले की सभी व्यवस्था तैयारियों को लेकर सराहना की। साथ ही सभी के सहयोग की अपील की।

मेला संयोजक विजयलक्ष्मी सारडा, सुनीता गुप्ता, मोना आंचलिया और श्रद्धा दाधीच ने बताया कि आयोजन में कपड़े, गहने, बेडशीट्स, गृह-सज्जा का सामान, बैग, सौंदर्य प्रसाधन वस्तुएं, खिलौने, राखियां, आटा चक्की, हाइड्रा फेशियल इत्यादि के 90 से अधिक विभिन्न स्टॉल्स होंगे।

साथ ही, हर घंटे-लकी ड्रा, बच्चों के लिए पारंपरिक खेल एवं एक्टिविटी किड्स कॉर्नर, एकल के उत्पादों का स्टॉल, स्वादिष्ट भोजन स्टॉल्स मुख्य आकर्षण रहेंगे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री जलाधिगेरे चिक्कम्मा दोड्डम्मा ट्रस्ट द्वारा कुरबरहल्ली में आयोजित जात्रा महोत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही जरूरतमंद विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित कर अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

निष्कासित ईश्वरप्पा को भाजपा में वापस लाने की मांग बढ़ी

ईश्वरप्पा सिर्फ कुरुबा समुदाय के नेता नहीं, वे पिछड़े वर्ग के भी नेता हैं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा को भाजपा में वापस लाने की मांग जोर पकड़ रही है। इस संबंध में शनिवार को एक निजी होटल में भाजपा के कुरुबा समुदाय के नेताओं की बैठक आयोजित कर ईश्वरप्पा को पार्टी में लाने के लिए आलाकमान से बातचीत करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र को जिम्मेदारी देते हुए ईश्वरप्पा को पार्टी में लाने की मांग की गई है। बैठक में विधायक भैरती बसवराज, दोड्डनगौड़ा पाटिल, पूर्व विधायक प्रकाश, पूर्व विधान परिषद सदस्य रघुनाथ मलकापुरे, डॉ. हुलिनायकर शरणु तारिकेरी, अंबिका हुलिनायकर, सोमशेखर, एम. नागराज, एच.डी. पाटिल, भोजराज खारोली समेत अन्य प्रमुख नेता व विभिन्न जिलों से आए नेता शामिल हुए। बैठक में शामिल हुए अधिकांश नेताओं ने कहा कि ईश्वरप्पा सिर्फ कुरुबा समुदाय के नेता नहीं हैं। वे पिछड़े वर्ग के नेता हैं। भाजपा के निर्माण और पोषण में उनकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए, उनमें से अधिकांश ने राज्य के नेताओं से पार्टी से निकाले गए लोगों को वापस लाने का आग्रह किया है। किसी भी स्थिति में तालुक और जिला पंचायत चुनाव होने की संभावना है। कुरुबा समुदाय को अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह भी मांग की गई है कि ओबीसी वर्ग को भी मान्यता दी जानी चाहिए। ईश्वरप्पा से पार्टी को और मजबूती मिलेगी। हो सकता है कि वे विभिन्न कारणों से दूर रहे हों। अगर पार्टी छोड़कर गए लोगों को वापस पार्टी में लाया जाता है, तो संगठन और मजबूत होगा। विजयेंद्र सहित राज्य के नेताओं को इस बारे में आश्वस्त किया जाना चाहिए। बैठक में मांग की गई कि तुरंत आलाकमान से बातचीत की जाए। पार्टी में वरिष्ठ नेताओं की कमी है। इसके अलावा, कुरुबा समुदाय से, ईश्वरप्पा वरिष्ठता में सीएम सिद्धरामैया के बाद दूसरे नंबर के नेता हैं। हो सकता है कि उन्हें किसी बुरी स्थिति में पार्टी से निकाला गया हो। भविष्य के लिए, संगठन के लिए यह फायदेमंद होगा कि इसे भूला दिया जाए और उन्हें वापस लाया जाए। आइए हम आलाकमान के नेत-ाओं को उनकी जरूरत के बारे में समझाएं।

बैठक में यह भी राय व्यक्त की गई कि संभव हो तो एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली जाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं से मिले। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र को कुरुबा समाज के पक्ष में खड़ा होना चाहिए। स्थानीय निकाय चुनाव में हमारे समाज को बड़ी संख्या में टिकट दिए जाने चाहिए। पार्टी पदाधिकारियों के पदों पर भी प्राथमिकता दिए जाने की मांग की गई। अब जब प्रदेश अध्यक्ष का मुद्दा आया है तो समाज को विजयेंद्र के पक्ष में खड़ा होना चाहिए। आलाकमान से अपील है कि उन्हें पद पर बनाए रखें। कांग्रेस में पार्टी छोड़कर गए लोगों को वापस लाने पर भी चर्चा हुई। पार्टी छोड़कर गए लोगों को वापस लाने के कारण ही जीत मिली है। हमारे बीच भ्रम के कारण विधानसभा चुनाव में हमें करारी हार का सामना करना पड़ा। चूंकि लोकसभा चुनाव में भी यही भ्रम रहा, इसलिए हम लगभग तीन सीटें हार गए। सभी को अपनी दुश्मनी और प्रतिष्ठा को किनारे रखकर पार्टी के विकास में हाथ मिलाना चाहिए। यह निर्णय लिया गया कि पार्टी छोड़कर गए लोगों को वापस लाने के लिए सभी को आगे आना चाहिए।

बेलगावी में एक ही मंच पर नजर आकर जारकीहोली बंधुओं ने पैदा किया कौतूहल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ऐसे समय में जब राजनीति में क्रांति की आहट सुनाई दे रही है, बेलगावी में एक ही मंच पर नजर आकर जारकीहोली बंधुओं ने कौतूहल पैदा कर दिया है। गोकक कस्बे में 10 साल बाद आयोजित होने वाले लक्ष्मी देवी मेले की प्रारंभिक बैठक में जिला प्रभारी मंत्री सतीश जारकीहोली और स्थानीय विधायक रमेश जारकीहोली एक ही मंच पर नजर आए। शुरू में तो दोनों ने एक-दूसरे से बात नहीं की और अपने-अपने ही अंदाज में बात की। लेकिन दोनों ने एक-दूसरे का पूरक बनकर साथ दिया। जिलाधिकारी ने मेले की प्रारंभिक तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कर्मियों की तैनाती, पार्किंग व्यवस्था समेत सभी तैयारियों की जानकारी दी। इस दौरान स्थानीय कांग्रेस नेता महंतेश कडाडी ने बैनर लगाने को लेकर नाराजगी जताई और आपत्ति जताई कि केवल जारकीहोली परिवार, उनके समर्थकों और मेला समिति को ही बैनर लगाने की अनुमति दी गई है। जिलाधिकारी

ने आश्वासन दिया कि यह छोटा मामला है और हम खुद ही इसका ध्यान रखेंगे। हालांकि, संतुष्ट न होने वाले महंतेश ने शिकायत की कि नगर परिषद के अधिकारी फ्लेक्स और बैनर लगाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। उन्होंने यह भी शिकायत की कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अनुमति नहीं दी गई। विधायक रमेश जारकीहोली ने कहा अनुमति न दिए जाने की बात मुझे पता नहीं है। हम ऐसे मामलों में राजनीति नहीं करते। अगर आप राजनीति करेंगे तो हम क्या कर सकते हैं। नियमों के अनुसार फ्लेक्स और बैनर लगाने की अनुमति नहीं है। अधिसूचित क्षेत्र में अनुमति है। लेकिन इसे बड़ा बनाने की जरूरत नहीं है। जिला कलेक्टर ने यह कहकर शांत करने की कोशिश की कि हम अपने स्तर पर इसे ठीक कर लेंगे। मेला किसी पार्टी का नहीं है। मंत्री सतीश जारकीहोली ने सभी को फ्लेक्स और बैनर लगाने की अनुमति देने का निर्देश दिया। बैनर विवाद के अलावा रमेश जारकीहोली और सतीश जारकीहोली के बीच अप्रत्यक्ष घनिष्ठता भी थी। वे एक-दूसरे के समर्थन में बोलते थे। गंभीर मुद्दों पर रमेश जारकीहोली मंत्री के निर्देशानुसार ही कार्रवाई करने की बात कहते थे, जबकि सतीश जारकीहोली रमेश जारकीहोली की कही हर बात पर सिर हिला देते थे। हालांकि वे एक-दूसरे से सीधे बात नहीं करते दिखे, लेकिन दोनों के बीच तालमेल साफ दिखाई दे रहा था।

अपार्टमेंट में पालतू कुत्ते की हत्या के लिए महिला पर मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महादेवपुरा पुलिस ने शनिवार को 38 वर्षीय महिला पर बेंगलूरु में अपने अपार्टमेंट में अपने पालतू कुत्ते की हत्या करने और दो अन्य पालतू जानवरों को प्रताड़ित करने के आर-ोप में मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, वह कुत्ते के अत्यधिक सड़ चुके शव के साथ पाई गई, क्योंकि उसे कथित तौर पर यह नहीं पता था कि उसका निपटान कैसे किया जाए। पशु चिकित्सक रुद्रेश कुमार द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने आरोपी त्रिपर्णा पाइक पर धारा 132 (किसी सरकारी कर्मचारी को उसके कर्तव्य का पालन करने से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का इस्तेमाल), 226 (कानूनी शक्ति के प्रयोग को मजबूर करने या रोकने के इरादे से आत्महत्या करने का प्रयास), 325 (किसी जानवर को मारना, जहर देना, अपंग करना या बेकार करके शरारत करना), 271 (लापरवाही से किए गए कार्य जिससे जीवन के लिए खतरनाक बीमारी का संक्रमण फैलने की संभावना हो) और 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, डोड्डानेकुंडी में अक्मे बैले अपार्टमेंट में रहने वाले आरोपी के खिलाफ निवासियों ने शिकायत की थी। आरोपी कई सालों से तीन पालतू जानवरों के साथ अपार्टमेंट में अकेली रह रही थी। पालतू जानवरों के रोने और चीखने की आवाज सुनने

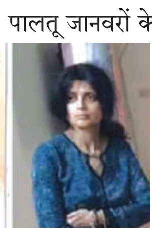

वाले सदस्यों ने उसकी देखभाल में मौजूद जानवरों की खराब स्थिति के बारे में कई शिकायतें कीं, जिसमें एक कुत्ता भी शामिल है जो कथित तौर पर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया था। शिकायत के आधार पर, पशु अधिकार कार्यकर्ता, एक पशु चिकित्सक और पुलिस निरीक्षण के लिए अपार्टमेंट में गए, जब आरोपी ने कथित तौर पर उन्हें धमकाया। पशु चिकित्सक ने अपनी शिकायत में कहा, गंध असहनीय थी। यह न केवल जानवरों के साथ क्रूरता है, बल्कि पूरे अपार्टमेंट ब्लॉक को प्रभावित करने वाला सार्वजनिक उपद्रव भी है। सहवर्थिन एनिमल वेलफेयर ट्रस्ट की संस्थापक और निरीक्षण दल की एक सदस्य साधना हेगड़े ने अपने बयान में कहा उनके घर में जानवर का सड़ा हुआ शव मिले दो दिन हो चुके हैं। कुत्ते का गला कटा हुआ था और यह स्पष्ट है कि जानवर भूख से मर रहा था। पुलिस ने बचाए गए कुत्तों को पशु पुनर्वास केंद्र भेज दिया है तथा आगे की जांच के लिए मृत कुत्ते की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

डीके शिवकुमार को 2-3 महीने में मिल सकता है सीएम पद: कांग्रेस विधायक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस विधायक एच ए इकबाल हुसैन ने रविवार को दावा किया कि उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को अगले दो से तीन महीने में राज्य का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिल सकता है। शिवकुमार के करीबी माने जाने वाले विधायक की यह टिप्पणी इस साल के अंत में कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की नई अटकलों के बीच आई है।

सितंबर के बाद राज्य में क्रांतिकारी राजनीतिक घटनाक्रमों का संकेत देने वाले सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना के हालिया बयान के बाद चर्चा फिर से शुरू हो गई। आप सभी जानते हैं कि इस सरकार के सत्ता में आने से पहले हमारी (कांग्रेस की) ताकत क्या थी। हर कोई जानता है कि इस जीत को हासिल करने के लिए किसने संघर्ष, पसीना, प्रयास और रुचि दिखाई। उनकी (शिवकुमार की) रणनीति और कार्यक्रम अब इतिहास बन चुके हैं।

उन्होंने कहा, मैं अटकलों में विश्वास नहीं करता। हमें पूरा भरोसा है कि आलाकमान स्थिति से अवगत है और उन्हें अवसर देने के लिए सही समय पर उचित निर्णय लेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या शिवकुमार, जो राज्य कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं, इस साल सीएम बनेंगे, तो हुसैन ने जवाब दिया, हां, मैं कह रहा हूं। सितंबर के बाद क्रांतिकारी राजनीतिक घटनाक्रम के लिए कुछ नेता जिस तारीख का संकेत दे रहे हैं-वही वे बात कर रहे हैं। दो से तीन महीने के भीतर निर्णय लिया जाएगा। आगे पूछे जाने पर उन्होंने दो-हराया, मैं यही कह रहा हूं। मैं इधर-उधर की बातें नहीं कर रहा हूं, मैं सीधे बोल रहा हूं। जब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बेटे और कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्धरामैया द्वारा सीएम परिवर्तन को महज अटकलबाजी बताकर खारिज करने के बारे में पूछा गया, तो हुसैन ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद सरकार बनाने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा, हम सब उस समय दिल्ली में एक साथ थे। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने फैसला लिया।

यह सभी जानते हैं। वे अगला फैसला भी लेंगे- हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा। सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें पिछले कुछ समय से चल रही हैं, जो सिद्धरामैया और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझाकरण समझौते से जुड़ी हैं। पार्टी आलाकमान के सख्त निर्देशों के बाद ऐसी चर्चा खत्म हो गई थी। मई 2023 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद, सिद्धरामैया और शिवकुमार के बीच सीएम पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस शिवकुमार को डिप्टी सीएम की भूमिका स्वीकार करने के लिए मनाने में कामयाब रही। उस समय की रिपोर्टों में रोटेशनल सीएम फॉर्मूला का सुझाव दिया गया था, जिसमें शिवकुमार को ढाई साल बाद पदभार संभालना था। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि कभी नहीं हुई। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कभी नहीं छिपाया।

बाघों को जहर देकर मारने वाले हत्यारे न्यायिक हिरासत में

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मालेमहादेश्वर वन्यजीव अभ्यारण्य के हुग्यम वन्यजीव क्षेत्र में पांच बाघों की मौत के मामले में तीन आरोपियों को यहां सरकारी अस्पताल में चिकित्सकीय जांच के बाद न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। हनूर के मिन्या रेंज के कोप्पा गांव के आरोपी मधुराज, नागराज और कोनप्पा को डीसीएफ चक्रपाणि, एसीएफ गजानन हेगड़े और हुग्यम वन रेंज अधिकारी मदेश की टीम के साथ कोर्ट में पेश किया गया। उन्हें यहां प्रिंसिपल सिविल जज के समक्ष पेश किया गया और जज काव्याश्री ने आरोपियों को तीन दिन (सोमवार तक) न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। चामराजनगर जिले के हनूर

तालुक में माले महादेश्वर वन्यजीव अभ्यारण्य के हुग्यम वन्यजीव अभ्यारण्य क्षेत्र में एक मादा बाघ और उसके चार शावकों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना ने राज्य के वन्यजीव संरक्षण को एक गंभीर संदेश दिया है। बुधवार को हुग्यम वन क्षेत्र में 5 बाघों के शव मिले थे। शुक्रवार को घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे वन मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने घटना को गंभीरता से लिया और सच्चाई का पता लगाने के लिए राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया। इस समय वन्यजीव विश-ेषज्ञों ने संदेह जताया था कि बाघों की मौत जहरीले धुएं के कारण हुई है। इसी तरह, यदि यह मौत वन विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण हुई है, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, यदि मौत बिजली के झटके या जहर के कारण हुई है, तो मंत्री ने विभाग को मामले की गहन जांच करने और तीन दिनों के भीतर सरकार को रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। पांच-छह दिन पहले शिवने गौड़ा की एक गाय को एक बाघ ने भोजन के रूप में पकड़ लिया और उसका वध कर दिया। तदनुसार, आरोपी ने गाय को मारने वाले बाघ को मारने की ठान ली और वहां मृत पड़ी गाय के मांस पर जहरीला पदार्थ इस्तेमाल किया। तदनुसार, बाघ द्वारा मारी गई गाय के मालिक शिवने गौड़ा के बेटे मदुराज ने बाघों को मारने का फैसला किया। इसके लिए उसने बाघों द्वारा खाए गए गाय के मांस पर जहरीला पदार्थ डालकर ऐसा घिनौना काम किया है कि पूरा देश हैरान है। मदुराज द्वारा दिए गए जहर से एक साथ पांच बाघों की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारी, जो उस पर शक कर रहे थे, सुबह से ही उसकी हरकतों पर नजर रख रहे थे और उसे गिरफ्तार करने के लिए ही रुके थे।

पूछताछ के लिए लाए गए 5 लोगों में से एक उसके पिता शिवने गौड़ा भी थे। ऐसा कहा जाता है कि पूछताछ के दौरान 5 लोगों ने ऐसे बयान भी दिए, जिससे मदुराज पर शक पैदा हुआ। इसके अनुसार, भले ही उसके पिता का बयान कुछ ऐसा ही था, लेकिन जब वन मंत्री वहां से जा रहे थे, तो वन विभाग ने पुलिस की मदद से रात 8 बजे कोप्पा गांव में अपने घर में छिपे बाघ के हत्यारे मदुराज को पकड़ लिया।

8 साल से नहीं बांटे गए 1 लाख सेनेटरी पैड आग के हवाले

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां फरहताबाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 8 साल से नहीं बांटे गए 1 लाख से ज्यादा सेनेटरी पैड आग के हवाले कर दिए गए। महिलाओं को पीरियड्स के दौरान परेशानी न हो, इसके लिए सरकार स्वास्थ्य विभाग के जरिए मुफ्त सेनेटरी पैड मुहैया कराती है। लेकिन कलबुर्गी के फरहताबाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 1 लाख से ज्यादा सेनेटरी पैड जला दिए गए। फरहताबाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 15 गांवों की महिलाओं को ये पैड बांटे जाने थे। 2017 में तैयार किए गए पैड की वैधता 2021 तक थी,

लेकिन इन्हें बांटा नहीं जा सका। स्वास्थ्य केंद्र के अपग्रेड होने के साथ ही पुरानी बिल्डिंग को खाली कराकर नई बिल्डिंग बनाई गई। पुरानी बिल्डिंग को खाली कराने के दौरान बिल्डिंग में बिखरे 100 से ज्यादा डिब्बों में ये पैड मिले। यह देख पीएचसी के कुछ कर्मचारियों ने तुरंत पैड में आग लगा दी। जब स्थानीय लोगों ने आग देखी और मौके पर पहुंचे तो स्टाफ के होश उड़ गए। घटना सामने आते ही स्वास्थ्य विभाग की नींद खुली और चिकित्सा अधिकारी को नोटिस जारी किया। इस बीच स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ फरहताबाद राजकीय हाई स्कूल के शिक्षकों की ला-परवाही भी देखने को मिल रही है।

हवाई फायरिंग के आरोप में ग्राम पंचायत सदस्य गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने एक ग्राम पंचायत सदस्य को गिरफ्तार किया है, जिसने शनिवार को बेलगावी जिले के कुडाची में अपने जन्मदिन के जश्न के बाद हवाई फायरिंग की और एक लंबा चाकू लहराते हुए घूमा।

बाबजान खलीमुंडसाई ने हवा में कुछ राउंड फायरिंग की और हाथ में चाकू लेकर सड़कों पर घूमता रहा। उसके कुछ दोस्तों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। पुलिस ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया। कुडाची पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

मेंगलूरु मॉब लिंचिंग मामला : तथ्य-खोजी रिपोर्ट ने निष्पक्ष जांच में विफलता के लिए सरकार की आलोचना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में जारी एक तथ्य-खोजी रिपोर्ट में 27 अप्रैल, 2025 को कुडपडी, मेंगलूरु में केरल के मुस्लिम युवक अशरफ की भीड़ द्वारा की गई हत्या की निष्पक्ष जांच करने में विफल रहने के लिए कर्नाटक सरकार की कड़ी आलोचना की गई है। मेंगलूरु मॉब लिंचिंग केस - संविधान की हत्या पर चुप्पी तोड़ने का समय आ गया है शीर्षक वाली रिपोर्ट को पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज - कर्नाटक, एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ

सिविल राइट्स - कर्नाटक और ऑल इंडिया एसोसिएशन फॉर जस्टिस - कर्नाटक ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। इसे प्रेस क्लब में जारी किया गया, जिसमें मामले के कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। दलित नेता और वरिष्ठ कार्यकर्ता मावली शंकर, संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञ अश्विनी के पी, अधिवक्ता विनय श्रीनिवास, मैत्रेयी और मानवी, एसआईओ के राज्य सचिव हयान कुद्रोली, पीयूसीएल सदस्य शशांक और मारे गए युवक अशरफ के भाई अब्दुल जब्बार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे केरल के एक युवा मुस्लिम कूड़ा बीनने वाले अशरफ को कुडपडी में कथित तौर पर क्रिकेट खेल रहे लोगों के एक समूह ने बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला। इस घटना ने पूरे कर्नाटक में आक्रोश और शर्म की बात फैला दी, लेकिन दो महीने बाद भी, राज्य सरकार कथित तौर पर मामले के लिए एक विशेष सरकारी वकील नियुक्त करने में विफल रही है। इसके अलावा, अशरफ के परिवार को न तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट दी गई है और न ही कोई मुआवजा दिया गया है। तथ्य-खोज समिति ने इसे प्रशासनिक विफलता और लापरवाही का स्पष्ट संकेत बताया है।

शीर्ष संरक्षित क्षेत्र बना डाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान

जम्मू, 29 जून (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर की जनता के लिए यह खुशी का मौका है कि जम्मू कश्मीर का डाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान भारत में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले संरक्षित क्षेत्र के रूप में उभरा है, जिसने भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा आयोजित प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन (एमईई) में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हैं।

92.97 प्रतिशत का प्रभावशाली स्कोर प्राप्त करते हुए डाचीगाम ने देश भर में मूल्यांकन किए गए 438 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में पहला स्थान प्राप्त किया, जो इस क्षेत्र के संरक्षण प्रयासों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जम्मू कश्मीर के वन्यजीव संरक्षण विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया

कि यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है और पार्क के उत्कृष्ट संरक्षण मानकों, अनुकूली प्रबंधन और पारिस्थितिक संरक्षण प्रोटोकॉल का प्रमाण है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत विकसित एक उपकरण एमईई यह आकलन करता है कि संरक्षित क्षेत्रों का प्रबंधन कितनी प्रभावी ढंग से किया जाता है। यह जैव विविधता संरक्षण, आवास प्रबंधन, सुरक्षा उपायों, सामुदायिक भागीदारी और अनुसंधान पहल जैसे कारकों का मूल्यांकन करता है। डाचीगाम विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण है क्योंकि यह गंभीर रूप से लुप्तप्राय हंगुल

का अंतिम निवास स्थान है जिसे कश्मीरी हिरण के नाम से भी जाना जाता है जो दुनिया में कहीं और नहीं पाया जाता है। हाल ही में जनसंख्या अनुमानों ने हंगुल की संख्या में सकारात्मक रुझान दिखाया है, जो इस प्रजाति के दीर्घकालिक अस्तित्व की उम्मीद जगाता है।

अधिकारियों ने पार्क की सफलता का श्रेय समर्पित शिकार विरोधी सतर्कता, आवास सुधार, वैज्ञानिक निगरानी और पारिस्थितिकी विकास पहलों को दिया है। यह मान्यता कश्मीर हिमालय में संरक्षण रणनीतियों को बढ़ावा देने के रूप में आती है, जो नाजुक पारिस्थितिकी प्रणालियों के बीच अद्वितीय जैव विविधता की मेजबानी करता है।

विभाग के प्रवक्ता ने कहा, यह मान्यता वन्यजीव संरक्षण विभाग के अधिकारियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के अथक प्रयासों के लिए एक श्रद्धांजलि है, जिन्होंने दूरदर्शी नेतृत्व में असाधारण व्यावसायिकता दिखाई है। जम्मू और कश्मीर के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री जावेद अहमद राणा ने भी विभाग को बधाई दी है और इस उपलब्धि को केंद्र शासित प्रदेश के अन्य संरक्षित क्षेत्रों के लिए एक बेंचमार्क बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि जम्मू और कश्मीर के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के लिए अनुकरणीय आदर्श है।

उत्तराखंड: चार–धाम यात्रा एक दिन के लिए स्थगित

देहरादून, 29 जून (एजेंसियां)।

उत्तराखंड में हो रही लगातार भारी वर्षा और भूस्खलन की आशंकाओं को देखते हुए तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए चारधाम यात्रा को एक दिन के लिए स्थगित किया गया है।

गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने रविवार को बताया कि वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की जानमाल की सुरक्षा के मद्देनज़र यह एहतियाती कदम उठाया गया है ताकि मार्गों पर फंसे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया

कि संबंधित जिलों के प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है और राहत एवं बचाव दलों को सक्रिय किया गया है।

श्री पांडेय ने बताया कि आगे की यात्रा को लेकर निर्णय कल मौसम की स्थिति और मार्गों की समीक्षा के पश्चात लिया जाएगा। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें और मौसम सामान्य होने तक यात्रा स्थलों की ओर प्रस्थान न करें।

'बिहार में मतदाता सूचियों की समीक्षा में राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी'

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)।

बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूचियों की विशेष सघन समीक्षा के लिए चुनाव आयोग की ओर से घर–घर चलाए जा रहे अभियान में सहयोग के लिए विभिन्न दलों ने कुल मिलाकर अपने डेढ़ लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को बूथ स्तरीय एजेंट बनाया है।

चुनाव आयोग के सूत्रों ने रविवार यह जानकारी दी।

आयोग के एक सूत्र ने कहा,बिहार में बूथ स्तर पर सभी राजनीतिक दल मतदाता सूचियों की सघन समीक्षा में भाग ले रहे हैं।

इन दलों ने मतदान केंद्र स्तर पर कुल मिलाकर अब तक अपने डेढ़ लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को एजेंट नियुक्त किया है। एजेंट बूथ स्तरीय चुनाव अधिकारियों को समीक्षा कार्य में सहयोग करते हैं।

सूत्रों ने कहा कि राज्य में कार्यरत सभी राजनीतिक दल बूथ स्तर के अपने एजेंट बढ़ाने में लगे हुए हैं ताकि मतदाता सूचियों की समीक्षा संतोषजनक ढंग से हो सके।

उल्लेखनीय है कि आयोग ने इस विशेष साधन समीक्षा के संबंध में बिहार में सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील कर चुका है। आयोग ने उन्हें सलाह दी है कि वे सभी मतदान केन्द्रों के लिए अपने एजेंट नियुक्त करें। सूत्रों ने कहा कि आयोग राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को इस प्रक्रिया में शामिल करके यह सुनिश्चित करना चाहता है कि बाद में इसको लेकर कोई राजनीति और आरोप प्रत्यारोप ना किया जाए।

सूत्रों के अनुसार राज्य में बहुजन समाज पार्टी ने अब तक 26 बूथ स्तरीय एजेंट, भारतीय जनता पार्टी ने 51964, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने 76 , कांग्रेस पार्टी ने 8586, राष्ट्रीय जनता दल ने 47143, जनता दल (यू) ने 27931, लोक जनशक्ति पार्टी ने 2457, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी ने 264, और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी– लेनिनवादी) लिबरेशन ने अपने 233 एजेंट नियुक्त किए हैं।

कश्मीर की ओर पर्यटकों का रुख, पर लद्दाख को इंतजार

जम्मू, 29 जून (ब्यूरो)।

पहलगाम नरसंहार और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के कारण कश्मीर से लापता हुए पर्यटक फिर से लौटने तो लगे हैं पर बर्फीले रेगिस्तान लद्दाख को अभी भी उस भीड़ का इंतजार है जो कभी हुआ करती थी। हालांकि लद्दाखियों को टूरिज्म सेक्टर से जुड़े उन लोगों से नाराजगी तो जरूर है जिन्होंने चलो कश्मीर की तो मुहिम छेड़ी पर लद्दाख को याद नहीं किया।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, लद्दाख में अप्रैल में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जबकि मई में यह संख्या स्थिर रही और जून में पर्यटकों के आगमन में लगभग 60 फीसदी की नाटकीय गिरावट देखी गई। इस पूरी तस्वीर से पता चलता है कि सुरक्षा चिंताओं,

अंतरराष्ट्रीय विकास और अपर्याप्त प्रचार सहित कई कारकों ने क्षेत्र की पर्यटन–निर्भर अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। पिछले साल के मुकाबले इस साल लेह में पर्यटकों की संख्या में मिला–जुला रुझान देखने को मिला है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 में पर्यटकों की संख्या अप्रैल 2024 के 14,235 से बढ़कर 25,686 हो गई। यह 80 फीसदी की बढ़ोतरी है। हालांकि, मई में यह संख्या लगभग वैसी ही रही, पिछले साल के 29,497 से मामूली गिरावट के साथ इस साल 29,353 हो गई।

सबसे उल्लेखनीय गिरावट जून में देखी गई, जहां पर्यटकों की संख्या 2024 में 1,53,711 से घटकर 2025 (25 जून तक) में सिर्फ 61,927 रह गई। यह लगभग 60 फीसदी की कमी को दर्शाता है।

इसके अलावा, पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से दिसंबर 2024 तक कुल 376,386 पर्यटक लद्दाख आए, जबकि जनवरी से 25 जून 2025 के बीच 127,437 पर्यटक आए। हालांकि, अधिकतर अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों ने अप्रैल और मई की अपनी यात्राएं रद्द कर दी थीं। दूसरी ओर, घरेलू पर्यटक आमतौर पर पहले से बुकिंग नहीं कराते हैं। कई लोग गर्मी से बचने के लिए लद्दाख आ रहे हैं। हालांकि कुछ को यहां का मौसम अभी भी गर्म लग रहा है।

टूर ऑपरेटर त्सेरिंग दादुल कहते हैं कि पर्यटन विभाग को अपने प्रचार प्रयासों में सुधार करने की जरूरत है। चूंकि कई पर्यटक अपना खुद का वाहन चलाकर आ रहे हैं, इसलिए इससे स्थानीय परिवहन क्षेत्र को कोई फायदा नहीं हो रहा है। फिर भी, पिछले दो महीनों की तुलना में अब स्थिति बेहतर है। उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद है। वे कहते हैं कि इजराइल से कई अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों ने चल रहे युद्ध के कारण अपनी योजनाएं रद्द कर दी हैं। कुछ का कहना है कि उनका दूतावास जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है क्योंकि लद्दाख एक सीमावर्ती क्षेत्र है। लेकिन यहां पहुंचने के बाद, उन्हें स्थिति पूरी तरह से सुरक्षित और शांतिपूर्ण जरूर लगी थी।

जमशेदपुर में भारी बारिश से रेसिडेंशियल स्कूल जलमग्न

162 बच्चे रात भर छत पर फंसे रहे, प्रशासन ने किया रेस्क्यू

जमशेदपुर, 29 जून (एजेंसियां)।

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) जिला अंतर्गत कोवली थाना क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण एक प्राइवेट रेसिडेंशियल स्कूल में पानी भर गया। इसके कारण यहां हॉस्टल में रहने वाले कुल 162 बच्चे फंस गए। रविवार को पुलिस–प्रशासन की टीम ने सभी बच्चों को नाव और रस्सियों की मदद से रेस्क्यू कर लिया है। इसके बाद सभी बच्चों की स्थानीय अस्पताल में स्वास्थ्य जांच की गई है।

शनिवार देर रात लगातार मूसलाधार बारिश चलते स्थानीय गुड़रा नदी का जलस्तर अचानक खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। नदी का पानी पांडरशुली गांव में घुसने से यहां स्थित लव

कुश इंग्लिश स्कूल का छात्रावास जलमग्न हो गया। स्कूल के छात्रावास में 162 बच्चे सो रहे थे। पानी तेजी से अंदर घुसा तो सभी बच्चों को छत पर शरण लेनी पड़ी। रात भर बच्चे भय और दहशत के माहौल में फंसे रहे। ग्रामीणों को जब इस घटना की जानकारी मिली तो वे तुरंत मौके पर पहुंचे और प्रशासन को सूचना दी।

रविवार को पोटका के बीडीओ अरुण कुमार मुंडा, सीओ निकीता बाला, कोवाली थाना प्रभारी धनंजय पासवान और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए टीम ने बेहद सतर्कता के साथ उन्हें बाहर निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बच्चों को हिम्मत दी गई और लगातार उनसे संवाद बनाए रखा गया ताकि वे घबराएं नहीं।

बताया गया कि इस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे पोटका और आस–पास के प्रखंडों के हैं। उनके परिजनों को सूचना दी गई है। कई बच्चों के परिजन उन्हें लेने पहुंच गए हैं। मौसम विभाग के ताजा आंकड़े के अनुसार, 1 जून से 29 जून के बीच पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) जिले में कुल 537.9 मिलीलीटर वर्षा हो चुकी है। यह सामान्य की तुलना में 137 प्रतिशत अधिक है। अगले चार दिनों तक जिले में सामान्य की तुलना में 76 से 100 प्रतिशत तक अधिक बारिश का अनुमान व्यक्त किया गया है।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद भगदड़, 3 की मौत–50 लोग घायल

सीएम माझी ने माफी मांगी, दो अधिकारी निलंबित, डीएम–एसपी का तबादला, 25 लाख की मदद की घोषणा

पुरी, 29 जून (एजेंसियां)।

ओड़ीशा के पुरी में गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ की घटना पर माझी सरकार ने बड़ा एक्शन लेते हुए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। डीसीपी बिष्णु पति और कमांडेंट अजय पाढ़ी को ड्यूटी में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। वहीं, पुरी के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) का भी तबादला कर दिया गया है। चंचल राणा को नया जिला कलेक्टर नियुक्त किया गया है। वहीं, पिनाक मिश्रा को नए एसपी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, ओड़ीशा सरकार ने जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसकी जानकारी रविवार को सीएम मोहन चरण माझी के कार्यालय ने दी।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सीएम मोहन माझी के हवाले से बताया, इस घटना से अत्यंत दुखी और व्यथित हैं। मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से इस घटना के लिए राज्य सरकार की ओर से खेद व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और परिजनों को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने घटना की पूरी प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं। विकास आयुक्त की देखरेख में विस्तृत प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं।

सीएमओ ने आगे बताया, पुरी के जिला मजिस्ट्रेट और एसपी का भी तबादला कर दिया गया है। चंचल राणा को नया जिला मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है, जबकि पिनाक मिश्रा को नए एसपी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही डीसीपी बिष्णु पति और कमांडेंट अजय पाढ़ी को ड्यूटी में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाप्रभु की रथ यात्रा हमारे ओड़िया राज्य का गौरव है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान मची भगदड़ पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने दुख जताया। उन्होंने भगदड़ को लेकर माफी मांगी और कहा कि भगदड़ के कारण हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए मैं सभी जगन्नाथ भक्तों से दिल से माफी मांगता हूं। बता दें कि पुरी में रथ यात्रा के दौरान श्री गुंडिचा मंदिर के पास हुई दुखद भगदड़ में करीब तीन लोगों की मौत हुई है और कई घायल हुए हैं। यह हादसा सुबह करीब 4:30 बजे हुआ। इस हादसे में जिन तीन लोगों की मौत हुई है, उनमें दो महिलाएं, प्रभाती दास और बसंती साहू, शामिल हैं।

हम हिंदी का विरोध नहीं करते, सिर्फ उसे थोपे जाने के खिलाफ हैं : उद्धव ठाकरे

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)।

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी हिंदी का विरोध नहीं करती, बल्कि इसे 'थोपे जाने' के खिलाफ है। दक्षिण मुंबई में एक विरोध–प्रदर्शन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ठाकरे ने यह बात कही।

इस विरोध–प्रदर्शन के दौरान 17 जून के उस सरकारी आदेश की प्रतियां जलाई गईं, जिसमें स्कूलों के लिए तीन नीति संबंधी निर्देश जारी किया गया था। शिवसेना (उबाठा) ने पूरे राज्य में इसी तरह के विरोध प्रदर्शन किए।

ठाकरे ने कहा, हमने सरकारी आदेश की प्रतियां जलाई हैं, जिसका मतलब है कि हम इसे स्वीकार नहीं करते।

हम हिंदी का विरोध नहीं करते, लेकिन हम इसे थोपे जाने की

अनुमति नहीं देंगे। मराठी के साथ अन्याय हुआ है। सवाल यह है कि आप छात्रों पर कितना दबाव डालने जा रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर पांच जुलाई को होने वाला 'मोर्चा' भव्य होगा, जो उनकी पार्टी और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा।

सरकार ने 17 जून को एक आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया है कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को हिंदी "सामान्य रूप से" तीसरी के रूप में पढ़ाई जाएगी।

रेलवे यात्री आरक्षण प्रणाली में कल से बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)

भारतीय रेलवे यात्री आरक्षण प्रणाली में एक जुलाई से बड़ा बदलाव करने जा रही है जिसके फलस्वरूप टिकट बुकिंग क्षमता में विस्तार और तत्काल टिकट बुकिंग में उपयोगकर्ता के आधार से प्रमाणीकरण के साथ साथ आरक्षण चार्ट बनाने का तरीका भी बदला जा रहा है।

आधिकारिक सूत्रों ने यहां कहा कि भारतीय रेल यात्रियों के संपूर्ण यात्रा अनुभव को यात्री–केंद्रित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलयात्रा की शुरुआत टिकट आरक्षण से होती है और इसे सरल व सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे कई कदम उठा रही है।

हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन सुधारों की समीक्षा की थी और निर्देश दिए थे कि टिकटिंग प्रणाली को स्मार्ट, पारदर्शी, सुलभ और प्रभावी होना

चाहिए। योजना निर्माण में यात्री सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि यात्रियों को एक सहज और आरामदायक अनुभव मिल सके।

सूत्रों के अनुसार नयी चार्टिंग प्रणाली से यात्रा योजना में यात्रियों को तैयारी करने में अधिक सुविधा होगी। वर्तमान व्यवस्था में अभी आरक्षण चार्ट ट्रेन प्रस्थान के चार घंटे पहले बनाया जाता है जिससे यात्रियों में अनिश्चितता बनी रहती है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो आस–पास के क्षेत्रों से ट्रेन पकड़ने आते हैं। अब नयी प्रणाली के लिए रेलवे बोर्ड ने प्रस्ताव किया है कि चार्ट ट्रेन प्रस्थान से आठ घंटे पहले तैयार किया जाए। यदि ट्रेन अपराह्न दो बजे से पहले प्रस्थान करती है तो चार्ट एक दिन पहले रात नौ बजे ही तैयार कर लिया जाएगा। रेल मंत्री ने इस प्रस्ताव से सहमति जतायी है और चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने के निर्देश दिए हैं ताकि कोई व्यवधान न हो।

सूत्रों ने कहा कि इससे वेटिंग टिकट वाले यात्रियों को स्थिति का जल्दी पता चलेगा और वैकल्पिक व्यवस्था के लिए अधिक समय मिलेगा। यह विशेष रूप से दूर–दराज़ या शहरी उपनगरों से आने वाले यात्रियों को लाभ देगा।

सूत्रों के अनुसार दिसंबर 2025 तक नयी और आधुनिक यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) लागू हो जाएगी। रेल मंत्री ने नई पीआरएस प्रणाली की प्रगति की समीक्षा की है। इस परियोजना पर पिछले कुछ महीनों से क्रिस कार्य कर रहा है। नई प्रणाली अधिक लचीली, सक्षम और मौजूदा लोड से दस गुना अधिक संभालने में सक्षम होगी। टिकट बुकिंग क्षमता वर्तमान 32 हजार प्रति मिनट से बढ़कर 1.5 लाख टिकट प्रति मिनट होगी। पूछताछ क्षमता चार लाख से बढ़कर 40 लाख प्रति मिनट होगी। नयी सुविधाओं में बहुभाषी और यूजर–फ्रेंडली इंटरफेस, सीट विकल्प चुनने की सुविधा, किराया कैलेंडर, दिव्यांगजन, छात्र, रोगियों आदि के लिए एकीकृत विकल्प शामिल होंगे।

रेलवे ने हाल ही में तत्काल टिकट बुकिंग के लिए सुदृढ़ प्रमाणीकरण प्रणाली की घोषणा की है। इसके अनुसार रेलवे एक जुलाई से आईआरसीटीसी वेबसाइट/ऐप पर तत्काल टिकट केवल प्रमाणित उपयोगकर्ताओं को बुक करने की अनुमति देगा। जुलाई अंत तक ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण अनिवार्य किया जाएगा। रेल मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि तत्काल बुकिंग के लिए प्रमाणीकरण व्यवस्था का विस्तार किया जाए। यह प्रमाणीकरण आधार या डिजीलॉकर में उपलब्ध किसी भी सरकारी पहचान पत्र के माध्यम से किया जाएगा।

सूत्रों ने कहा कि भारतीय रेलवे लगातार अपनी प्रणालियों को आधुनिक और नागरिक–अनुकूल बनाने के लिए प्रयासरत है। इन कदमों से टिकट बुकिंग अधिक आसान, पारदर्शी और सुनिश्चित होगी जिससे करोड़ों यात्रियों को लाभ पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की घोषणा

हर पौधे की होगी जियो टैगिंग, यूपी होगा हरा-भरा

एक्सप्रेस-वे के किनारे-किनारे विकसित होगी हरित-भूमि

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन विभाग को हर पौधे की जियो-टैगिंग करने का निर्देश दिया। उत्तर प्रदेश को हरियाली से आच्छादित करने के उद्देश्य से प्रत्येक पौधे की जियो टैगिंग कराने को कहा गया है। सीएम योगी ने यह भी कहा कि एक्सप्रेस-वे के किनारे-किनारे भी हरित भूमि (ग्रीन लैंड) विकसित की जाएगी।

सीएम योगी ने कहा है कि प्रदेश आने वाले समय में हरा-भरा बनेगा। हम एक दिन में प्रदेश की जनसंख्या से ज्यादा पेड़ लगाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में जुलाई में आयोजित होने जा रहे वन महोत्सव को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। सीएम ने निर्देश दिया कि इस अभियान को प्रदेशव्यापी जनांदोलन का रूप दिया जाए। वृक्षारोपण महाभियान-2025 का लोगो जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा

कि इस बार हम एक दिन में प्रदेश की कुल जनसंख्या से भी अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। एक पेड़ मां के नाम थीम पर आधारित यह वृक्षारोपण महाअभियान प्रदेश को हीटवेव से ग्रीनवेव की ओर ले जा रहा है।

योगी ने कहा कि 2017 से 2024 के बीच प्रदेश में 204.92 करोड़ से अधिक पौधे रोपे जा चुके हैं और भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून की रिपोर्ट के अनुसार 2017 से 2023 के बीच उत्तर प्रदेश के हरित आवरण में ऐतिहासिक रूप से तीन लाख एकड़ की वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव की अवधि में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात शिशु को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट प्रदान किया जाए। शिशु के अभिभावकों को एक पौधा भी भेंट किया जाए। उन्होंने कहा कि इस बार वन महोत्सव में कुल 35 करोड़ पौधे रोपे जाने हैं, जो प्रदेश की कुल आबादी से भी अधिक होगी। पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाए। सीएम ने कहा कि प्रत्येक रोपे गए पौधे की जियो टैगिंग कराई जाए और उनकी फेंसिंग की समुचित व्यवस्था हो। इस बार वन विभाग 12 करोड़ 60 लाख पौधे और अन्य विभाग 22 करोड़ 40 लाख पौधे लगाएंगे। समन्वय के लिए सभी विभागों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति हो चुकी है। पौधों की आपूर्ति के लिए 1901 वन विभागीय पौधशालाओं, 146 उद्यान विभाग की पौधशालाओं, 55 रेशम विभाग की पौधशालाओं और 484 निजी पौधशालाओं में कुल 52 करोड़ 43 लाख पौधों की नर्सरी तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रोजेक्ट अलंकार के अंतर्गत लाभान्वित सभी विद्यालयों में बड़े स्तर पर पौधरोपण कराया जाए। सभी मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में सहजन सहित छायादार पौधों का रोपण आवश्यक रूप से किया जाए। सभी औद्योगिक इकाइयों और परिसरों में सघन पौधरोपण कराया जाए। सभी निराश्रित गो-आश्रय स्थलों में नीम, पाकड़, पीपल जैसे पौधों का रोपण प्राथमिकता से किया जाए।

सीएम ने कहा कि सभी एक्सप्रेस-वे के किनारे बड़े स्तर पर पौधरोपण कराया जाए, जिससे सर्विस लेन और मुख्य मार्गों के बीच आकर्षक हरित पट्टी तैयार हो सके। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सभी लाभार्थियों से कम से कम एक पौधा अवश्य लगवाने के लिए समन्वय की आवश्यकता जताई। सीएम ने कहा कि इस अभियान को जनसहभागिता से सफल बनाया जाए। नुक्कड़ नाटकों, चित्रकला, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, प्रभात फेरियों, फोटोग्राफी प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने नदियों के पुनर्जीवन को भी केंद्र में रखने के निर्देश दिए। कहा कि नदियों के दोनों तटों पर पौधरोपण कराया जाए। नदियों का चैनलाइजेशन भी किया जाए। सभी तालाबों के किनारों पर भी पौधरोपण सुनिश्चित हो और इन जलस्रोतों के संरक्षण व पुनर्जीवन का कार्य भी किया जाए।

स्कूल खुलने के पहले आरटीओ ने जारी की चेतावनी

183 स्कूली वाहन कंडम, 258 का फिटनेस-परमिट खत्म

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। पहली जुलाई से स्कूल खुल रहे हैं। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही परिवहन विभाग की ओर से ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ ने शुक्रवार को स्कूली वाहनों से जुड़ी रिपोर्ट जारी की है। राजधानी में स्कूल व शैक्षणिक संस्थानों के नाम पर पंजीकृत 1915 वाहनों में 183 अपनी उम्र पूरी करके कंडम हो चुके हैं। 258 वाहन ऐसे भी हैं जिनका फिटनेस व परमिट खत्म हो चुका है। इसमें 122 वाहनों का फिटनेस तो 208 का परमिट नहीं है। संभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) ने शुक्रवार को ऐसे वाहनों की रिपोर्ट जारी की है। ये भी कहा है कि ऐसे वाहनों में यदि बच्चे सवार मिले तो संबंधित स्कूल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

पहली जुलाई से स्कूल खुल रहे हैं। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही परिवहन विभाग की ओर से ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ ने शुक्रवार को स्कूली वाहनों से जुड़ी ये रिपोर्ट जारी की है। इसके साथ ही वाहन मालिकों को नोटिस भेजा गया है ताकी वो स्कूल खुलने से पहले ही फिटनेस व परमिट का काम पूरा करवा लें। एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि कोई भी वाहन 15 वर्ष तक ही संचालित किया जा सकता है। रिकॉर्ड की जांच में 183 ऐसे वाहन मिले हैं जिनकी उम्र पूरी हो चुकी है। 122 वाहनों का फिटनेस नहीं है और 208 के परमिट खत्म हो गए हैं। 72 वाहन ऐसे हैं, जिनकी फिटनेस व परमिट दोनों नहीं है। 58 वाहनों का परमिट हैं, लेकिन फिटनेस नहीं है।

राजधानी में सिर्फ 1474 स्कूली वाहन ही मानकों के आधार पर चलने योग्य हैं।

कंडम और अनफिट स्कूली वाहनों के खिलाफ पहली जुलाई से अभियान चलाया जाएगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान 15 दिन चलेगा। इस दौरान अनफिट, बिना परमिट व नियमों को दरकिनार कर चल रहे स्कूली वाहनों पर कार्रवाई होगी। उम्र पूरी कर चुके वाहन चलते मिले तो स्कूल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर होगी। राजधानी के नामचीन स्कूलों, शैक्षणिक संस्थानों के वाहन भी कंडम हैं। इसमें बस, ओमनी वैन, मैक्सी कैब आदि शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि राजधानी में चिह्नित कंडम स्कूली वाहनों में सीएमएस के 32, जयपुरिया के चार, पीजीआई के चार, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के तीन, डीपीएस के पांच व केजीएमयू जैसे प्रमुख संस्थान का एक वाहन शामिल है। इसके अतिरिक्त कई स्कूल, इंजीनियरिंग कॉलेज भी इस सूची में सम्मिलित हैं।

राजधानी लखनऊ में स्कूली और शैक्षणिक संस्थानों के 1915 वाहन हैं। इनमें 1474 वाहन ही चलने लायक हैं, यानि उनका फिटनेस-परमिट दुरुस्त है। 122 वाहनों की फिटनेस नहीं है, जबकि 208 वाहनों का परमिट भी खत्म हो चुका है। 183 वाहनों की उम्र पूरी हो चुकी है और जो कंडम हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद स्कूल प्रबंधन ऐसे वाहनों का इस्तेमाल कर रहे हैं और बच्चों की जान खतरे में डाल रहे हैं। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि चेकिंग अभियान के दौरान पकड़े जाने पर वाहन मालिकों के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

काशी के 461 खिलाड़ियों को मिली सरकारी नौकरी

नौकरी पाने वालों में चार ओलंपियन भी शामिल

वाराणसी, 29 जून (एजेंसियां)। वाराणसी जिले से चार ओलंपियन के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकार ने नौकरी देकर प्रतिभा का सम्मान किया है।

वाराणसी से 461 खिलाड़ी सरकारी नौकरी पा चुके हैं। सर्वाधिक नौकरी रेलवे और पुलिस सेवा मिली है। यहां खेल सिर्फ खेलों को खेलते ही नहीं इसे सपनों के उड़ान का मंच है। हर खिलाड़ी का सपना अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारत की जर्सी में भारतीय झंडे के तले खेलने और पदक पाने का सपना होता है। यहां से हॉकी में मोहम्मद शाहिद, विवेक सिंह, राहुल सिंह और ललित उपाध्याय ओलंपिक पदक जीत चुके हैं।

वाराणसी के खिलाड़ियों ने हॉकी, कुश्ती से लेकर बास्केटबॉल में काशी का नाम रौशन किया है। हॉकी में ओलंपियन स्वर्गीय मोहम्मद शाहिद, विवेक सिंह के अलावा राहुल सिंह और ललित उपाध्याय, महिला वर्ग में पूजा यादव को नौकरी मिल चुकी है। जबकि बास्केटबॉल में सिंह सिस्टर्स के नाम से मशहूर प्रशांति सिंह नाडा में और दिव्या सिंह दूरसंचार विभाग में कोच हैं। बरेका में एथलेटिक्स में प्रियंका सिंह पटेल, संजय राय, रमेश यादव, रानी यादव को सरकारी नौकरी मिली। इसी तरह क्रिकेट में सुरेंद्र सिंह, अविनाश यादव, अभिनव वर्मा, आशीष यादव, विकास यादव, मृत्युंजय त्रिपाठी को भी सरकारी नौकरी मिली है। कबड्डी में खुशी सिंह, फुटबॉल में मुश्ताक अली, नूर आलम, शम्सी रजा, नसीम अख्तर, विनोद कन्नोजिया, भैरव दत्त, अमरेंद्र आर्या, कमालुद्दीन, प्रवीण सिंह, नागेंद्र सिंह, सुनील सेठ, मोहम्मद रफी, फहीम अहमद, नईम अहमद भी सरकारी नौकरी प्राप्त कर चुके हैं। कुश्ती में रविंद्र मिश्र, जूडो में जर्मन यादव, रामाश्रय यादव, विजय कुमार, वेट लिफ्टिंग में स्वाति सिंह, पूनम यादव, कविता अग्रहरी को भी सरकारी नौकरी मिली है। काशी प्रदेश का पहला जिला है जहां खेल विभाग के दो स्टेडियम हैं। इसके अलावा बीएचयू के एंफीथियेटर, बरेका खेल मैदान, शिवपुर मिनी स्टेडियम से हजारों की संख्या में खिलाड़ी प्रतिदिन खेलों का अभ्यास करते हैं।

सपा नेता आजम खान की पत्नी का बेबाक बयान

समाजवादी पार्टी से कोई उम्मीद नहीं : तंजीन फातिमा

हम क्या कर सकते हैं भगवान देखेगा : अखिलेश यादव

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सपा सरकार के कार्यकाल के दौरान आजम खान की तूती बोलती थी। आजम खान ने तब नहीं सोचा कि अपनी गतिविधियों और बयानबाजियों को इतना असंतुलित न करें कि राज जाए तो गाज गिर जाए। वक्त बदला तो वाकई आजम खान पर गाज गिर पड़ा। आजम खान और उनका पूरा परिवार इस वक्त गर्दिश के दौर से गुजर रहा है। यूपी में योगी सरकार बनने के बाद आजम खान पर एक के बाद एक कई मुकदमे दर्ज होते चले गए। जिस आजम खान की चोरी गई भैंस खोजने के लिए पुलिस की टीमें बनती थीं उसी आजम खान पर बकरी चोरी का मामला दर्ज करने में पुलिस ने देरी नहीं की।

बहरहाल, आजम खान अभी भी जेल में हैं। आजम खान की पत्नी तंजीन फातिमा सीतापुर जेल में अपने पति से मिलने गईं। साथ में आम ले गई थीं। आजम खान से मिलने के बाद जेल से बाहर आईं दुखी तंजीन फातिमा ने बड़ी बेबाकी से कहा कि समाजवादी पार्टी का कोई मतलब नहीं है, उस पार्टी से कोई उम्मीद नहीं रखनी चाहिए। तंजीन फातिमा ने कहा, मुझे व्यक्तिगत तौर पर भी समाजवादी पार्टी से कोई उम्मीद नहीं रह गई है। आजम खान के समर्थक सपाई कहते भी हैं कि जेल जाने के बाद अखिलेश यादव ने आजम खान से मुंह फेर लिया। समाजवादी पार्टी ने आजम खान के समर्थन में कोई अभियान नहीं चलाया और सरकार पर दबाव नहीं बनाया। तंजीन फातिमा के बयान ने आजम समर्थकों के आरोप पर मुहर लगा दी। इमरान मसूद

ने तो खुलेआम कहा है कि समाजवादी पार्टी में मुसलमानों की औकात सभा-सम्मेलनों में केवल दरी बिछाने की रह गई है।

तंजीन फातिमा के बयान पर अखिलेश यादव ने अपनी बेबसी स्वीकार कर ली। लेकिन इसमें भी राजनीति करने से नहीं चूके। अखिलेश यादव ने कहा, हम क्या कर सकते हैं। यूपी की भाजपा सरकार उन पर अन्याय कर रही है। उन पर मकदमे पर मुकदमे लगाए जा रहे हैं। ऐसे में सरकार बदलने पर ही आजम खान को राहत मिल सकती है। तो आप सब मिलकर सरकार बदलें। अखिलेश यादव ने कहा, दूसरा रास्ता अदालत का है और तीसरा विकल्प भगवान है, मतलब ऊपर वाला है।

कुछ समय पहले तक तंजीन फातिमा भी जेल में थीं। सीतापुर जाकर उन्होंने जेल में बंद अपने पति आजम खान से मिलीं। राज्य सभा सांसद रहीं तंजीन ने जेल से बाहर निकलते ही समाजवादी पार्टी पर बम फोड़ दिया। उन्होंने कहा कि मुझे किसी से कोई उम्मीद नहीं। मुझे बस अल्लाह से उम्मीद है।

तंजीन अपने पति आजम की पसंद के आम लेकर भी गई थीं। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान लंबे समय से जेल में हैं। कोर्ट से सजा होने के बाद विधानसभा की उनकी सदस्यता भी चली गई। आजम खान और उनकी पत्नी और उनके दोनों बेटों पर कई मुकदमे चल रहे हैं। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन आजम खान के विरोध में और अखिलेश यादव के पक्ष में ताल ठोकते हैं। कहते हैं कि तंजीन फातिमा के आरोप बिल्कुल गलत हैं। एसटी हसन वही नेता हैं, जिनका टिकट आजम खान ने पिछले लोकसभा चुनाव में कटवा दिया था। अखिलेश यादव ने कुटिल चाल चलते हुए आजम के दूसरे कट्टर विरोधी मोहिबुल्लाह नदवी को रामपुर से टिकट दे दिया। नदवी सांसद भी बन गए। आजम खान को इसका दर्द सालता है। उनका दर्द यह भी है कि अखिलेश उन्हें छोड़कर दूसरे मुस्लिम नेताओं को आगे बढ़ा रहे हैं। जैसे संभल के सांसद जिया उर रहमान बर्क और कैराना की सांसद इकरा हसन। कांग्रेस के इमरान मसूद आजम के हमदर्द हैं। वे चाहते हैं कि आजम खान उनके साथ जुड़ें। इमरान मसूद ने कहा कि अखिलेश यादव चाहते तो आजम खान को इतनी तकलीफ नहीं झेलनी पड़ती।

कपास छोड़ कर अपनाइए भांग से बना स्वास्थ्यप्रद वस्त्र

यूपी में भांग के डंठल से बन रहा बायो फाइबर

सोखते हैं चार गुना अधिक कार्बन डाईऑक्साइड

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में पहली बार हेम्प वेस्ट यानी भांग के डंठलों से प्राकृतिक फाइबर तैयार किया जा रहा है। इस पहल के जरिए न केवल जलवायु परिवर्तन से मुकाबला किया जा रहा है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आमदनी के नए अवसर भी पैदा किए जा रहे हैं।

भांग के पौधे अन्य पौधों की तुलना में चार गुना कार्बन डाईऑक्साइड अधिक सोखते हैं, जिससे यह पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इसकी विशेषता यह है कि इससे रेशा बनाने में कपास की तुलना में 10 गुना कम पानी खर्च होता है। साथ ही, यह कपास से 2.5 गुना अधिक फाइबर देता है। आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास और एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के जरिए यह अभिनव प्रयोग धरातल पर उतर रहा है।

किसी समय बेकार माने जाने

वाले भांग के डंठलों को अब उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक रेशा और उससे बने उत्पादों जैसे कपड़ा, कागज और बायो-प्लास्टिक में बदला जा रहा है। इससे न सिर्फ कपड़ा या कागज बनता है, बल्कि इसका उपयोग बायो-प्लास्टिक व निर्माण सामग्री जैसी तकनीकी चीजों में भी हो रहा है। भारत हेम्प एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक आयुष सिंह ने बताया कि 200 से ज्यादा ग्रामीण इस इनोवेशन से जुड़ चुके हैं, जिनकी आमदनी पहले के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई है। संभल में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट के प्रारंभिक चरण में ही लगभग पांच लाख रुपए अर्जित कर इसकी व्यावहारिकता और संभावनाएं साबित हो रही हैं।

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हुई यह अनोखी पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सहारा दे रही है। जिले में पहली बार हेम्प वेस्ट, यानी भांग के बेकार समझे जाने वाले डंठलों से उच्च गुणवत्ता वाला प्राकृतिक फाइबर तैयार किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश सरकार की पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद कर रही है। एक समय था जब भांग के इन डंठलों को कचड़ा मानकर जला दिया जाता था, जिससे केवल प्रदूषण फैलता था। लेकिन अब, एक अभिनव प्रयोग के तहत इन्हीं डंठलों को कीमती प्राकृतिक रेशे में बदला जा रहा है। इस रेशे से कपड़ा, कागज, बायो-प्लास्टिक और यहां तक कि निर्माण सामग्री जैसी तकनीकी चीजें भी बनाई जा रही हैं। इस नवाचार को आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास और एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड जैसी योजनाओं का सहयोग प्राप्त है।

यह पहल पर्यावरण के लिहाज से भी बेहद खास है। विशेषज्ञ बताते हैं कि हेम्प के पौधे दूसरे पौधों की तुलना में चार गुना तक अधिक कार्बन डाईऑक्साइड सोखने की क्षमता रखते हैं। इसके अलावा, हेम्प से रेशा बनाने की प्रक्रिया में कपास की तुलना में 10 गुना कम पानी की खपत होती है, जबकि यह पैदावार में कपास से 2.5 गुना अधिक फाइबर देता है। इस तरह यह पहल जलवायु परिवर्तन से लड़ाई में भी एक प्रमुख हथियार बन रही है। इस प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा फायदा ग्रामीण समुदाय को मिल रहा है। भारत हेम्प एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक आयुष सिंह बताते हैं कि वर्तमान में 200 से अधिक ग्रामीण इस इनोवेशन से सीधे तौर पर जुड़ चुके हैं। इससे उनकी आमदनी पहले के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई है। प्रोजेक्ट के शुरुआती चरण में ही लगभग 5 लाख रुपये की कमाई ने इसकी सफलता और भविष्य की संभावनाओं को साबित कर दिया है। हेम्प की खेती और प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जिससे शहरों की ओर होने वाले पलायन पर भी रोक लगने की उम्मीद है। यह पहल कपास, प्लास्टिक और लकड़ी के आयात पर देश की निर्भरता को भी कम करेगी।

उल्लेखनीय है कि भांग का कपड़ा कैनबिस सैटिवा पौधे के लंबे बास्ट रेशों से बना एक टिकाऊ कपड़ा होता है। यह अपनी उच्च तन्य शक्ति, स्थायित्व और पर्यावरणीय क्षरण के प्रतिरोध के लिए मूल्यवान है। भांग का इस्तेमाल 8,000 से अधिक वर्षों से कपड़ों, रस्सियों, पाल और कागज समेत कई तरह के कामों में किया जाता रहा है। 20वीं सदी में मारिजुआना के साथ इसके जुड़ाव और सिंथेटिक फाइबर के उदय के कारण इसका उत्पादन कम हो गया।

सभी जोन की एक ट्रेन में 24 घंटे पहले बनेगा रिजर्वेशन चार्ट

लंबी दूरी की 10 नई ट्रेनें चलाएगा पूर्वोत्तर रेलवे

प्रयागराज, 29 जून (एजेंसियां)। रेलवे की नई व्यवस्था के तहत प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को एक दिन पहले ही पता चल जाएगा कि उनकी टिकट कंफर्म हुई या नहीं। रेलवे के पायलट प्रोजेक्ट के तहत उत्तर मध्य रेलवे समेत देश के सभी जोनल रेलवे की एक-एक ट्रेन में अब रिजर्वेशन चार्ट एक दिन पहले बनेगा। उत्तर मध्य रेलवे ने हमसफर एक्सप्रेस तो उत्तर रेलवे ने लखनऊ-नई दिल्ली एसी एक्सप्रेस में प्रयोग के तौर पर अब एक दिन पहले ही रिजर्वेशन चार्ट बनाना शुरू कर दिया है। हमसफर में अभी 30 जून तक नई व्यवस्था लागू रहेगी। अभी तक चार्ट ट्रेन के चलने से तकरीबन चार घंटे पहले तैयार किया जाता है। इस वजह से वेटिंग टिकट वाले असमंजस में रहते हैं कि उनका टिकट कंफर्म हो पाएगा या नहीं। ट्रेन रवाना होने के चार घंटे पहले उन्हें पता चल पाता है कि उनका रिजर्वेशन कंफर्म हुआ है या नहीं।

अब रेलवे के नए सिस्टम में चार्ट 24 घंटे पहले तैयार होगा। इससे यात्रियों को अगर टिकट निरस्त कराना हो तो समय भी मिल जाएगा। इस प्रयोग की शुरुआत देश में पहली बार उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मंडल ने छह जून को अवध-आसाम एक्सप्रेस से की थी। इसके बाद रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे से प्रयोग के तौर पर एक-एक ट्रेन में 24 घंटे पहले चार्ट बनाने के लिए कहा। एनसीआर की बात करें तो यहां नई दिल्ली-आनंद विहार जाने वाली हमसफर एक्सप्रेस में प्रयोग के तौर पर 24 घंटे पहले चार्टिंग शुरू हो गई है। सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि सभी जोनल रेलवे अपनी एक-एक ट्रेन में 24 घंटे पहले चार्टिंग करने जा रहे हैं। कुछ ने शुरू भी कर दी है। अगर प्रयोग सफल रहा तो रेलवे बोर्ड के निर्देश पर अन्य सभी ट्रेनों की भी 24 घंटे पहले चार्टिंग की व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। हमसफर में 30 जून तक नई व्यवस्था लागू रहेगी, उसके बाद आगे क्या करना है उस पर निर्णय होगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने बताया कि देश में पहली बार बीकानेर मंडल से नई व्यवस्था शुरू की गई। पिछले दिनों रेलवे के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव बीकानेर गए थे। तभी उन्होंने यह सुझाव दिया था। इसके बाद अवध-आसाम एक्सप्रेस में 24 घंटे पहले चार्ट तैयार किया जाने लगा। कहा कि शुरुआती दस दिन की रेलवे बोर्ड को रिपोर्ट भी भेजी जा चुकी है।

दूसरी तरफ पूर्वोत्तर रेलवे ने लंबी दूरी की 10 नई ट्रेनें चलाने की भी घोषणा की है। महाप्रबंधक परिचालन और मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक ने इस संबंध में इज्जतनगर, लखनऊ और वाराणसी मंडल को पत्र लिखा है। पूर्वोत्तर रेलवे के इन तीनों मंडलों ने ट्रेनों के संचालन के संबंध में प्रस्ताव भेजे थे। गोरखपुर मुख्यालय ने पत्र में लिखा है कि रेलवे बोर्ड की स्वीकृति मिलने के बाद ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

लंबी दूरी की इन ट्रेनों में श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और जम्मू की दो ट्रेनें शामिल हैं। इनमें एक इज्जतनगर और दूसरी बलिया से वाया बरेली होते हुए चलाई जाएगी। कासगंज-वाराणसी के बीच भी ट्रेन प्रस्तावित है। यह ट्रेन वाया बदायूं, बरेली, पीलीभीत, मैलानी, बाराबंकी, अयोध्या होते हुए चलाई जाएगी।

कई बिमारियों में कारगार है ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल एक बहुत ही कारगर घरेलू उपाय है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण की मौजूदगी श्वसन तंत्र को सुचारू बनाने में फायदेमंद होती है। साथ ही यह दर्द को कम करने में मदद करता है। एक आधा छोटी चम्मच ऑलिव ऑयल में सामान मात्रा में शहद मिलाकर, सोने से पहले नियमित रूप से लें। गले में कंपन को कम करने और खर्राटों को रोकने के लिए नियमित रूप से इस उपाय का प्रयोग करें।

धूम्रपान से मुंह की बीमारियों का खतरा क्यों!

सिगरेट पीने से न सिर्फ़ कुछ जीवाणु मुंह में जमा हो जाते हैं, बल्कि वे शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर भी हावी हो जाते हैं, जिसके कारण मुंह संबंधी कई बीमारियां हो सकती हैं। ये जीवाणु दांत, हृदय वॉल्व और धमनियों में बायोफिल्म्स का निर्माण करते हैं। बॉयोफिल्म कई सारी सूक्ष्म जीवाणुओं से मिलकर बनी जटिल संरचना होती है। इसके कारण कई अन्य नई समस्याएं भी पैदा हो जाती है।

डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेने से हो सकती हैं ये बीमारियां

सिर में मामूली सा दर्द हुआ नहीं कि रीमा ने पैरासीटामॉल की गोली गटक ली। रीमा हीं नहीं बल्कि रीमा की तरह बहुत से लोग ऐसा हीं करते हैं। लोगों को सेल्फ मेडिकेशन एक आसान, सस्ता और कम समय में होने वाला उपाय लगता है। लेकिन कम समय में मिलने वाली राहत जल्द ही स्थायी आदत में तब्दील हो जाती है और शरीर कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। माना कि पैरासीटामॉल एक ऐसी दर्दनिवारक दवा है जिसे दर्द होने पर समान्य लोगों के साथ-साथ गर्भवती महिलाएं भी आसानी से ले लेती है। और अधिक नुक्सानदेह ना होने कारण भारतीय मेडीकल दुकानों पर यह दवा बिना डॉक्टर की स्लिप आसानी से ली जा सकती हैं। लेकिन डॉक्टरी सलाह के बिना मामूली बुखार से परेशान होने पर भी आप पैरासीटामॉल की गोली ले लेते हैं और ऐसा आप कई सालों से करते आ रहे हैं, तो सावधान हो जाये। क्योंकि हर बार मामूली से दर्द या बुखार में पैरासीटामॉल लेना फायदे से ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है। इसके अधिक इस्तेमाल से शरीर के कई अंगों को नुकसान हो सकता है। आइए जानें बिना डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेना शरीर के लिए कैसे नुकसानदेह होता है। क्या आपने कभी भी दवा के पैकेट पर लिखा देखा हैं कि ज्यादा मात्रा में पैरासीटामॉल लेना लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। जीं हां डॉक्टरों का कहना है कि एक व्यक्ति को एक दिन में 3 ग्राम से ज्यादा पैरासीटामॉल नहीं लेनी चाहिए और अगर किसी कारणवश लेनी भी पड़े तो पहले अपने डॉक्टर से पूछ लेना चाहिए।

गर्भवती और बच्चों के लिए नुकसानदेह: आपको यह जानकर भी हैरानी होगी कि गर्भवती के लिए सुरक्षित मानी जाने वाली पैरासीटामॉल अगर बिना जांच के गर्भवती को दी जाती है तो सुरक्षित समझे जाने वाली पैरासीटामॉल की गोली गर्भ में पल रहे बच्चे के पूर्ण विकास में रुकवाट पैदा कर सकती है। नेशनल हेल्थ सर्विस के अनुसार गर्भवती को बिना डॉक्टरी सलाह के पैरासीटामॉल नही लेनी चाहिए।

किडनी पर असर: दर्द निवारक दवा के रूप में पैरासीटामॉल का लंबे समय तक सेवन करना बहुत हानिकारक है। बिना डॉक्टरी सलाह के पीठ दर्द के लिए इसे लेने पर यह लाभ के बजाए नुकसान पहुंचाती है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के शोधकर्ताओं के अनुसार आस्टियोआर्थराइटिस एवं पीठ दर्द को कम करने के लिए लोग पैरासीटामॉल का इस्तेमाल आसानी से करते हैं, पर इसका किडनी पर असर पड़ता है।

अस्थमा की समस्या: हल्का सा बुखार होने पर ही हम अपने बच्चे को पैरासीटामॉल देने लगते हैं। लेकिन कई शोधों से ये बात साबित हुई है कि 6-7 साल की उम्र में बच्चों को पैरासीटामॉल देने से उनके शरीर में अस्थमा के लक्षणों को बढ़ावा मिलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि बच्चों को 101.3 एस्न बुखार होने पर ही पैरासीटामॉल देनी चाहिए।

पेट में गैस की समस्या और त्वचा पर एलर्जी : कई मामलों में तो पैरासीटामॉल का अधिक सेवन पेट में गैस की समस्या पैदा कर सकता है। तो अगर आप अपच या पेट में भारीपन से परेशान हैं तो हो सकता है कि ऐसा पैरासीटामॉल के सेवन से हो रहा हो। इसके अलावा कुछ लोगों को पैरासीटामॉल के अधिक सेवन करने से त्वचा पर लाल चकत्ते और एलर्जी हो जाती है, जिसमें खुजली या जलन भी होती है।

लीवर को नुकसान: अगर आप पीलिया या लीवर संबंधी किसी समस्या से पीड़ित हैं, तो डॉक्टर की सलाह लिए बिना पैरासीटामॉल खाने से लीवर डैमेज हो सकता है। कई मामलों में लीवर फेलियर के भी चांस होते हैं। इसलिए दवा को लेने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

सुस्ती महसूस होना: इसके अलावा कई बार पैरासीटामॉल लेने के बाद बहुत ज्यादा सुस्ती महसूस होती है। तो ऐसे में डॉक्टर से सलाह जरुर लें।

आंखों के दर्द से जुड़ी खास बातें

बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ये आदत भारी पड़ सकती है और इससे कई समस्याएं हो सकती हैं।

आंखों में दर्द के कारण

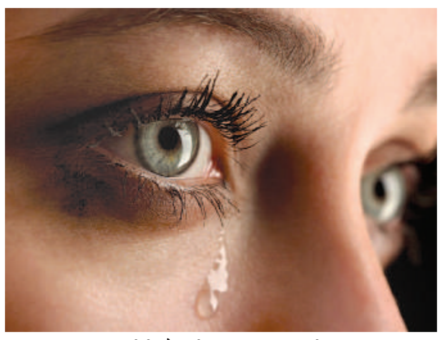

आंखे अनमोल हैं और शायद इसलिए ही ये शरीर का सबसे नाजुक और महत्वपूर्ण अंग हैं। आंखे जितनी अनमोल हैं, इनको देखभाल की भी उतनी ही जरूरत होती है। बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं, और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन आपकी ये आदत भारी पड़ सकती है। तो आंखों के दर्द को नज़रअंदाज न करें और जानें कि आंख में क्यों दर्द हो रहा है।

ऊपरी सतह पर दर्द

कई बार आपकी आंख की ऊपरी सतह पर दर्द होता है, और आपको इससे आंख में जलन, और खुजली भी महसूस होती है। यह अक्सर तब होता है जब आपको आंख में कोई चोट लगी हो। इस तरह का दर्द होने पर आप डाक्टर की सलाह पर आई ड्राप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भीतरी भाग में दर्द

आंखों के भीतरी भाग में दर्द होने पर आप अपनी आंखों में स्पंदन और किरकिरेपन जैसा महसूस करते हैं। इस तरह की स्थिति तुरंत में डॉक्टर से मिले क्योंकि यह किसी गंभीर चोट की वजह से होने वाला दर्द हो सकता है।

गंदगी की वजह से होने वाला दर्द

धूल मिट्टी से होने वाले दर्द से आंखों में खुजली होती है और वे लाल हो जाती है। इससे बचने के लिए सबसे बढ़िया तरीका है आंखों पर ठंडे पानी की छिटे मार कर इन्हें धोएं। इससे आंखों की गंदगी साफ हो जाएगी। आंखों पर हाथ न लगाएं।

चोट की वजह से आंख में दर्द

चोट लगने पर आंखों को सबसे ज्यादा हानि पहुंचती है। आंखों में जलन या बहुत तेज दर्द होना, इसका सबसे पहला लक्षण होता है। यह बहुत तेज रोशनी या सूरज की किरणों से भी हो सकता है।

गुहेरी

यह आमतौर पर आंखों के अंदरुनी भाग के किनारों पर होती है। ये आंख में किसी फुंसी के हो जाने जैसा होता है। ऐसे में आंख बेहद संवेदनशील हो जाती है और इसकी वजह से थोड़ा दर्द भी महसूस हो सकता है। इसके इलाज का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसे छूएं नहीं, और अपने आप ठीक होने दें। बस आंख की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें।

कॉंटेक्ट लेंस के कारण

जब आप हर समय कांटेक्ट लेंस पहने रहते हैं और इसे समय-समय पर साफ नहीं करते हैं तो इससे आंखों में जलन होने लगती है और कभी-कभी दर्द भी होता है। पुराने या इक्स्पाइरी कांटेक्ट लेंस पहने से आपकी आंखों में संक्रमण भी हो सकता है।

ग्लूकोमा के कारण

ग्लूकोमा यानी काला मोतिया एक गंभीर नेत्र रोग होता है। यह धीमी गति से आंखों को हानि पहुंचने वाली बीमारी है, इससे आंखों की ऑप्टिक नर्व को नुकसान होता है और यदि समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो इससे आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

उम्मीद की किरण है गर्भ प्रत्यारोपण

गर्भ प्रत्यारोपण उन हजारों महिलाओं के लिए उम्मीद की एक नई किरण है, जो गर्भधारण नहीं कर सकती। इस तकनीक के जरिए दूसरी महिला का गर्भ प्रत्यारोपित करके गर्भधारण कराया जाता है। यह उन महिलाओं के लिए वरदान की तरह है जो किसी बीमारी के कारण या गर्भ में समस्या के कारण मां बनने का सुख नहीं प्राप्त कर सकती हैं।

प्रत्यारोपण रहा सफल

गर्भ प्रत्यारोपण का प्रयास कई सालों से हो रहा है, लेकिन पहली बार सफलता प्राप्त की स्वीडन के चिकित्सकों ने। स्वीडन के डॉक्टरों ने अजूबा कर दिखाया। 36 साल की एक ऐसी महिला को मां बनने की खुशी दे दी, जिसके पास गर्भाशय ही नहीं था। यह मामला इसलिए भी खास है, क्योंकि दुनिया में पहली बार ऐसा हुआ है कि प्रत्यारोपित गर्भाशय से जन्म लेने वाला बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है।

पहले भी हुए प्रयास

इससे पहले भी गर्भाशय प्रत्यारोपण के जरिए कई प्रयास किए गए लेकिन कभी उन्हें शरीर ने स्वीकार नहीं किया तो उसे निकालना पड़ा तो कभी गर्भपात हो गया। 2000 में पहली बार सऊदी अरब में यूटरस ट्रांसप्लांट किया गया था। चार माह बाद ही महिला के शरीर ने ऑर्गन को रिजेक्ट कर दिया। आखिर उसे निकालना पड़ा। इसके बाद टर्की में कोशिश हुई। शरीर ने गर्भाशय तो स्वीकार कर लिया, लेकिन गर्भपात हो गया।

बच्चा है स्वस्थ

स्वीडन में पैदा हुआ बच्चा 1.8 किलो (3.9 पौंड) का है। प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ है। सात अन्य महिलाओं को भी इसी तरह यूटेरस ट्रांसप्लांट किए गए हैं। पांच अब भी गर्भवती हैं। डॉक्टर आशान्वित है कि जल्द ही और खुश-खबरें भी मिलेंगी।

समस्याएं भी आईं

प्रत्यारोपित गर्भ से गर्भधारण के बीच में कई तरह की समस्याएं भी आईं। गर्भधारण के 31वें हफ्ते तक सबकुछ सामान्य रहा। इसके बाद महिला को हाई ब्लडप्रेशर से जुड़ी प्री-एक्लांपसिया बीमारी हो गई। बच्चे की हार्ट रेट भी असामान्य पाई गई। डॉक्टरों ने समय पूर्व डिलिवरी कराने का फैसला किया। लेकिन बाद में सबकुछ ठीक हो गया, लेकिन प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ।

महिला ब्रीमारी से ग्रस्त थी

जिस महिला को गर्भ प्रत्यारोपण के बाद मां बनाया गया वह रॉकिटांस्की जेनेटिक सिंड्रोम से पीड़ित थी। 4500 में से किसी एक महिला को यह बीमारी होती है। महिला जब 15 साल की हुई तो पहली बार उसे इसका पता चला। महिला को उसकी 61 साल की पारिवारिक मित्र ने अपना यूटेरस दान किया। चिकित्सक तब हैरान रह गए जब 61 साल की इस महिला की कोख गर्भधारण के लिए टेस्ट में दुरुस्त पाई गई, जबकि सात साल पहले उसका मेनोपॉज बंद हो चुका था। यह उन महिलाओं के लिए एक नई उम्मीद की किरण की तरह है जो किसी परेशानी के कारण मां बनने में सफल नहीं हो पाती है।

किशमिश खाकर करें वजन कम

सूखे मेवे के सेवन से भी वजन को घटाया जा सकता है। इसमें किशमिश का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इस बारे में विस्तार से जानने के लिए ये पढ़े। किशमिश को सूखे मेवे का राजा कहा जाता है। किशमिश का सेवन सीधे तौर पर वजन घटाने के लिए नहीं होता है लेकिन शरीर को स्वस्थ रखने में इसकी बड़ी भूमिका होती है। किशमिश को उसके पोषण तत्वों और स्वास्थ्य लाभों के कारण हीरा माना जाता है। किशमिश खाने से ब्लड बनता है, वायु, पित्त और कफ दोष दूर होता है।

एनर्जी देता है

किशमिश में मौजूद शर्करा शरीर में आसानी से पच जाती है। नतीजनत् शरीर को शक्ति और स्फूर्ति प्राप्त होती है। किशमिश पूरी तरह से कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता है। किशमिश में घुलनशील फाइबर बहुत अधिक मात्रा में होता है। यह घुलनशील फाइबर बुरे कोलेस्ट्रॉल का विरोध करता है। इसके अलावा किशमिश पोलीफेनोल्स एंजाइम को भी दबाता है जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल को अवशोषित के लिए जिम्मेदार होता है।

पाचन को ठीक रखता है

रोजाना किशमिश का सेवन करने से आपका हाजमा ठीक रहता है और पाचन तंत्र भी सुचारू रूप से कार्य करता है। किशमिश लैक्सटिव के रूप में कार्य करती है। यह पेट में जाकर पानी को अवशोषित करती है, जिसके फलस्वरूप कब्ज से राहत मिलती है। किशमिश में पाये जाने वाले फाइबर गैस्ट्रोइंटेस्टिनल मार्ग से विषाक्त और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

हड्डियों को मजबूत करता है

मोटे लोगो की हड्डियां कमजोर होती है। शरीर का ज्यादा वजन भी हड्डियों को कमजोर और दुर्बल बनाता है। अगर आप वजन कम कर रहे हो तो सारे आहार वजन कम करने वाले नहीं लेने चाहिए, ये तरीका आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको कुछ ऐसे आहार शामिल करने चाहिए जो आपको ऊर्जा दे सके। इसके लिए किशमिश सबसे बेहतर विकल्प है। अगर आप शक्कर बिल्कुल भी नहीं लेते हो तो भी किशमिश आपके शरीर में ग्लूकोज का स्तर बनाए रखती है। किशमिश कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

स्वस्थ रखता है

एक फिट व्यक्ति स्वस्थ रहता है। किशमिश सीधे तौर पर भले ही वजन कम करने में सहायक ना हो, लेकिन इससे मिलने वाले फासदे वजन को नियंत्रित करने में मदद करते है।

उदाहरण के तौर पर रोजाना किशमिश खाने वाले व्यक्ति को हृदय से जुड़ी परेशानियों का सामना कम करना पड़ता है। किशमिश आपके शरीर में पीएच स्तर को भी संतुलित रखता है। आवश्यक मात्रा में किशमिश का सेवन आपके इम्यूनिटी सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

रेसिपी

आलू कुरकुरे

सामग्री

1 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 1/2 कप कटा हुआ पुदीना, 12 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून भुना हुआ ज़ीरा पाउडर, 1/2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक स्वादअनुसार, 5 टेबल-स्पून मैदा, 5 टेबल-स्पून पोहा , दरदरा क्रश किया हुआ, तेल,

परोसने के लिए: स्वीट एण्ड सॉर सॉस

विधि

आलू, पुदीना, हरी मिर्च, ज़ीरा पाउडर, नींबू का रस और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के छोटे गोले बना लें। एक तरफ रखें। मैदा को थोड़े पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा और मुलायम पेस्ट बनाकर एक तरफ रख दें। प्रत्येक आलू के बॉल को मैदा के पेस्ट में डुबोकर पोहे में अच्छी तरह से लपेट लें। एक गहरी कढ़ाई में तेल गरम करें, थोड़े-थोड़े आलू बॉल डालकर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। स्वीट एण्ड सॉर सॉस के साथ गरमा गरम परोसें।

कॉर्न एंड वेजिटेबल रोटी

सामग्री

1 कप मकई का आटा, 1/2 कप कसी हुई फूलगोभी, 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 कप उबले , छिले और कसे हुए आलू, 2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक सवादअनुसार, मकई का आटा , तेल

परोसने के लिए: ताज़ा दही, अचार

विधि

मकई के आटे को छानकर, सभी सामग्री मिलाकर, ज़रुरत हो उतना गुनगुना पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 7 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को थोड़े सूखे मकई के आटे का प्रयोग कर 125 एमएम।(5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और थोड़े तेल का प्रयोग कर प्रत्येक रोटी को दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। ताज़े दही और अचार के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

अंतरिक्ष में भारत का 'लाल'

अंतरिक्ष में छलांग लगा कर एक और इतिहास रचा गया है। भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचे हैं। अलबत्ता तत्कालीन विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष में मानव जीवन की संभावनाओं को टटोलने की एक अद्भुत और दुर्लभ यात्रा पर हैं। करीब 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जा पाया है। भारत माता के ऐसे 'लाल' को बधाई और ढेरों शुभकामनाएं...। शुभांशु भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन हैं और लड़ाकू विमान उड़ा चुके हैं। उन्हें 2000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। अंतरिक्ष मिशन में भी वह पायलट की भूमिका में हैं। आसमान में विचरण करना उनका पेशा है, लेकिन इस बार उन्होंने आईएसएस में 14 दिन बिताने का बीड़ा उठाया है। यह प्रथम अवसर है, जब भारत सरकार की कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर, तालियां बजा कर, शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा का स्वागत किया है, शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें 140 करोड़ (असल आबादी 146 करोड़ से अधिक) भारतीयों की 'उम्मीद' करार दिया है। जब राकेश शर्मा अप्रैल, 1984 में अंतरिक्ष में गए थे, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनसे पूछा था-ऊपर से भारत कैसा दिखता है? राकेश का जवाब था-'सारे जहां से अच्छा...।' इस बार शुभांशु ने भारतीयों के नाम पहला ऑडियो संदेश भेजा-'क्या अद्भुत सफर है! हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। यह भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन की शुरुआत है। आप सभी इस सफर का हिस्सा बनें। आपका सीना भी गर्व से चौड़ा होना चाहिए।...जय हिन्द, जय भारत।' बेशक यह अभियान आईएसएस तक जाने की यात्रा भर नहीं है, बल्कि भारत के 'मानव अंतरिक्ष मिशन' का पूर्वाभ्यास है। भारत का 'गगनयान' 2027 में अंतरिक्ष में जाना प्रस्तावित है। भारत 2035 तक अपना 'अंतरिक्ष स्टेशन' बनाने की योजना पर कार्यरत है। 2040 तक चंद्रमा पर इनसान भेजने का लक्ष्य है। मानव अंतरिक्ष मिशन में शुभांशु की इस यात्रा का अनुभव महत्वपूर्ण रहेगा। चूंकि 2030 तक आईएसएस सेवानिवृत्त होना लगभग तय है, लिहाजा निजी कंपनियां अपने अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने में जुटी हैं। जिस 'एक्सिओम-4' के तहत शुभांशु का चार सदस्यीय मिशन भेजा गया है, वह भी निजी कंपनी का प्रयास है। हालांकि इसरो, नासा आदि ने मिलकर मिशन को आकार दिया है। शुभांशु ने रूस में, इसरो और नासा के अंतरिक्ष केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उसका 2019 में 'गगनयान' के लिए भी चयन हो चुका है। बहरहाल मिशन में शुभांशु भारतीय हैं, शेष तीन अंतरिक्ष यात्री अमरीका, पोलैंड और हंगरी के निवासी हैं। अमरीका की पैगी व्हिटसन अंतरिक्ष में 665 दिन गुजार चुकी हैं, लिहाजा उन्हें मिशन कमांडर बनाया गया है। यह मिशन आईएसएस में कुल 60 वैज्ञानिक प्रयोग करेगा। उनमें से 7 प्रयोग भारत के लिए किए जाएंगे। उन प्रयोगों में प्रमुख हैं-मांसपेशियों की हानि का अध्ययन, मूंग और मेथी जैसे भारतीय सुपर फूड को माइक्रोग्रैविटी में उगाने का प्रयोग, माइक्रोएल्गी (सूक्ष्म शैवाल) की तीन प्रजातियों की वृद्धि, चपाचय और आनुवंशिक गतिविधियों का अध्ययन, अंतरिक्ष में सूक्ष्मजीवी के व्यवहार और वृद्धि का अध्ययन, अंतरिक्ष में कम्प्यूटर स्क्रीन के उपयोग के शारीरिक और संज्ञानात्मक प्रभावों का अध्ययन और मानव कोशिकाओं की उम्र बढने की प्रक्रिया का अध्ययन। अंतरिक्ष यात्रा के मानव शरीर पर कई असर पड़ते हैं, क्योंकि वहां ग्रैविटी नहीं है। हृदय, पीठ के लिगामेंट्स, खड़े रहने या चलने में असमर्थता, हड्डियों और मांसपेशियों आदि पर प्रभाव पड़ते हैं, लिहाजा अंतरिक्ष में योग और व्यायाम अनिवार्य हैं। आईएसएस में ग्लूकोज और इंसुलिन पर भी विशेष अध्ययन किया जाएगा, जो भविष्य में मधुमेह के इलाज की दिशा बदल सकता है। बेशक शुभांशु मानवता के कल्याण की यात्रा पर हैं। वह और उनके साथियों का यह सफर सुखद रहे, ऐसी कामना है।

> भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचे हैं। अलबत्ता तत्कालीन विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष में मानव जीवन की संभावनाओं को टटोलने की एक अद्भुत और दुर्लभ यात्रा पर हैं। करीब 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जा पाया है। भारत माता के ऐसे 'लाल' को बधाई और ढेरों शुभकामनाएं...। शुभांशु भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन हैं और लड़ाकू विमान उड़ा चुके हैं। उन्हें 2000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। अंतरिक्ष मिशन में भी वह पायलट की भूमिका में हैं। आसमान में विचरण करना उनका पेशा है, लेकिन इस बार उन्होंने आईएसएस में 14 दिन बिताने का बीड़ा उठाया है।

विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इस नए तूफान से भी जूझने की तैयारी करनी चाहिए

इसराइल के प्रधानमंत्री के ओजस्वी भाषण के प्रेरक अंश

राकेश कुमार आर्य

इसराइल अपनी जिजीविषा के लिए जाना जाता है। इसने अपनी जीवंतता का एक इतिहास बनाया है। 1948 से पहले यहूदियों का कोई देश नहीं था। ये दर-दर की ठोकरें खा रहे थे और अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे थे। जब इस्लाम और ईसाइयत संसार के एकमात्र यहूदी देश को मिटाने पर सदियों से संघर्ष करती रही हो, तब अपने लिए एक स्थान निश्चित करवा लेना और उसे अपना देश बनाकर संसार के शक्तिशाली देश में उसकी गिनती करवाना इसराइल के द्वारा ही संभव है। इसराइल को 1948 में संयुक्त राष्ट्र ने जो भूभाग रहने के लिए दिया था, उसका 65% भाग रेगिस्तान था। उसे अपने पुरुषार्थ और परिश्रम से इसराइलवासियों ने रेगिस्तान के बीच उसे हराभरा बनाने का कार्य करके दिखाया। मात्र 95 लाख की आबादी का यह देश संसार के लोगों को बता रहा है कि यदि जीने की इच्छा प्रबल है और संघर्ष करने की भावना आपके भीतर है तो आपके अस्तित्व को कोई मिटा नहीं सकता। बेंजामिन नेतन्याहू इस देश के प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने अभी ईरान के साथ हुए इजरायल के संघर्ष में देश का बहुत ही साहस के साथ नेतृत्व किया है। इस समय बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने देशवासियों को जिन ओजपूर्ण शब्दों में संबोधित किया है, वह किसी भी देश के लोगों के लिए बहुत प्रेरक हो सकते हैं। उन्होंने देश के लोगों को जिस प्रकार वीरता के भावों से भरने का प्रयास किया वह उनके देश के प्रेरक इतिहास का एक प्रेरक उद्बोधन भी कहा जा सकता है। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि :- "75 साल पहले हमें मरने के लिए यहां लाया गया था। हमारे पास न कोई देश था, न कोई सेना थी। सात देशों ने हमारे विरुद्ध जंग छेड़ दी। हम सिर्फ 65000 थें। हमें बचाने के लिए कोई नहीं था। हम पर हमलें होते रहे, होते रहे। लेबनान, सीरिया, इराक़, जॉर्डन, मिश्र, लीबिया, सऊदी, अरब जैसे कई देशों ने हमारे उपर कोई दया नहीं दिखाई। सभी लोग हमें मारना चाहते थे, किंतु हम बच गए।" इसराइल के प्रधानमंत्री ने अपने देश के लोगों को समझाया कि प्रत्येक पड़ोसी देश ने हमारे देश को समाप्त करने का हरसंभव प्रयास किया, परंतु हमने संघर्ष से मुंह नहीं फेरा और हम निरंतर अपने अस्तित्व के लिए लड़ते रहे। उन्होंने आगे कहा कि :- "संयुक्त राष्ट्र संघ ने हमें धरती दी, वह धरती जो 65 प्रतिशत रेगिस्तान थी। हमने उसको भी अपने खून से सींचा। हमने उसे ही अपना देश माना, क्योंकि हमारे लिए वही सब कुछ था। हम कुछ नहीं भूलें। हम फिर उन से बच गए। हम स्पेन से बच गए। हम हिटलर से बच गए। हम अरब से बच गए। हम सद्दाम हुसैन से बच गए। हम गद्दाफी से बच गए। हम हमास से भी बचेंगे, हम हिज्बुल्लाह से भी बचेंगे और हम ईरान से भी बचेंगे।"

> इसराइल को 1948 में संयुक्त राष्ट्र ने जो भूभाग रहने के लिए दिया था, उसका 65% भाग रेगिस्तान था। उसे अपने पुरुषार्थ और परिश्रम से इसराइलवासियों ने रेगिस्तान के बीच उसे हराभरा बनाने का कार्य करके दिखाया। मात्र 95 लाख की आबादी का यह देश संसार के लोगों को बता रहा है कि यदि जीने की इच्छा प्रबल है और संघर्ष करने की भावना आपके भीतर है तो आपके अस्तित्व को कोई मिटा नहीं सकता। बेंजामिन नेतन्याहू इस देश के प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने अभी ईरान के साथ हुए इजरायल के संघर्ष में देश का बहुत ही साहस के साथ नेतृत्व किया है। इस समय बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने देशवासियों को जिन ओजपूर्ण शब्दों में संबोधित किया है, वह किसी भी देश के लोगों के लिए बहुत प्रेरक हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने देशवासियों को आशावादी दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जब पहले बड़े से बड़ा तूफान हमारे मनोबल को नहीं तोड़ सका तो इस बार का तूफान भी हमें मिटा नहीं पाएगा। हमें अपने इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और अपने पूर्वजों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इस नए तूफान से भी जूझने की तैयारी करनी चाहिए। अपनी मातृभूमि और धर्मस्थल जेरूसलम के प्रति अपने देश के लोगों को उत्प्रेरित करते हुए इसराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि :-
"हमारे जेरुसलम पर अब तक 52 बार आक्रमण किया गया, 23 बार घेरा गया, 39 बार तोड़ा गया, तीन बार बर्बाद किया गया, 44 बार कब्जा किया गया लेकिन हम अपने जेरुसलम को कभी नहीं भूले वह हमारे हृदय में है, वह हमारे मस्तिष्क में हैं और जब तक हम रहेंगे जेरुसलम हमारी आत्मा में रहेगा। संसार यें याद रखें कि जिन्होंने हमें बर्बाद करना चाहा वह आज स्वयं नहीं है। मिश्र, लेबनान, वेवीलोन, यूनान, सिकंदर, रोमन सब खत्म हो गयें है। हम फिर भी बचे रहे।" "हमें वे (इस्लाम) खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने हमारे रस्म रिवाज को कब्जाया। उन्होंने हमारे उपदेशों को कब्जाया। उन्होंने हमारी परंपरा को कब्जाया। उन्होंने हमारे पैगंबर को कब्जाया। कुछ समय पश्चात अब्राहम इब्राहिम कर दिया गया, सोलोमन, सुलेमान हो गया, डेविड, दाऊद बना दिया गया। मोजेज मूसा कर दिया गया। फिर एक दिन उन्होंने कहा – तुम्हारा पैगंबर (मुहम्मद) आ गया है। हमने इसे नहीं स्वीकार किया। करते भी कैसे? उनके आने का समय नहीं आया था। उन्होंने कहा स्वीकार करो, कबूल लो। हमने नहीं कबूला। फिर हमें मारा गया। हमारे शहर को कब्जाया गया। हमारे शहर यसरब को मदीना बना दिया गया। हम क़'त्ल हुए, भगा दिए गए।" इतिहास की दीर्घकालीन परंपरा को इसराइल के प्रधानमंत्री ने अपने देशवासियों के समक्ष इस प्रकार से खोल कर रख दिया कि उनके भीतर क्रांति के भाव मचलने लगे। वास्तव में इसी प्रकार के संबोधन देशवासियों को आपत्ति काल में एक सक्षम नेतृत्व प्रदान करने में सफल होते हैं। बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने आप को सिद्ध किया कि वह आपातकाल में देश का नेतृत्व करने में पूर्णतया सक्षम हैं। "मक्का के काबा में हम दो लाख थे, मार दिए गए। हमें दुश्मन बता कर क़'त्ल किया गया। फिर सीरिया में, ओमान में यही हुआ। हम तीन लाख थे मा'र दिए गए इराक़ में हम दो लाख थे, तुर्की में चार लाख हमें मा'रा जाता रहा, मारा जाता रहा। वे हमें मार रहे हैं, मारते जा रहें हैं। हमारे शहर, धन, दौलत, घर, पशु, मान सम्मान सब कुछ कब्जाये.जाते रहे, फिर भी हम बचे रहे। 1300 सालों में करोड़ों यहूदियों को मारा गया, फिर भी हम बचे रहे। 75 साल पहले वे हम पर थूकते थे, ज़लील करतें थे, मारते थे। हमारी नियति यही थी किंतु हम स्वयं पर, अपने नेतृत्व पर, अपने विश्वास पर टिके रहे हैं।" इसराइल के प्रधानमंत्री ने यहां न केवल अपने देशवासियों के निरंतर होने वाले उत्पीड़न और उनकी हत्याओं के न रुकने वाले क्रम की ओर संकेत किया है बल्कि देश से बाहर भी संसार के अन्य देशों में जहां-जहां यहूदी रहते हैं, उन पर होने वाले अत्याचारों को भी स्पष्ट किया है। जब संसार की बड़ी आबादी यहूदियों की मुट्ठी भर आबादी को समाप्त करने पर तुली हो, तब मरने और मारने का ही एकमात्र रास्ता रह जाता है। इसी ओर इसराइल के प्रधानमंत्री अपने मजहबी भाइयों को प्रेरित कर रहे हैं। "आज हमारे पास एक अपना देश है। एक स्वयं की सेना है, एक छोटी अर्थ व्यवस्था है। इंटेल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, फेसबुक जैसी कई संस्थाएं हमने इस दौर में बनाई। आज हमारे चिकित्सक दवा बना रहे हैं, लेखक किताबें लिख रहें हैं। ये सबके लिए है, यह मानवता के कल्याण के लिए है। हमने रेगिस्तान को हरियाली में बदला, हमारे फल, दवाएं, उपकरण, उपग्रह सभी के लिए है। हम किसी के दु'श्मन नहीं है, हमने किसी को खत्म करने की क़सम नहीं खाई है। हमें किसी को बर्बाद नहीं करना, हम साजिश भी नहीं करते, हम जीना चाहते हैं सिर्फ सम्मान से, अपने देश में, अपनी जमीन पर, अपने घर में।" अपने उज्जवल भविष्य की ओर संकेत करते हुए उन्होंने अपने देशवासियों का आवाहन किया कि "पिछले हजार सालों से हमें मिटाया गया, खदेड़ा गया, कब्जाया जाता रहा, हम मिटे नहीं, हारे नहीं और न आगे कभी हारेंगे। हम जीतेंगे, हम जीत कर रहेंगे। हम 3000 सालों से यरुसलम में ही थे। आज़ हम अपने पहले देश इजरायल में है। यह हमारा ही था, हमारा ही है और हमारा ही रहेगा। यरुसलम हमसे है और हम यरुसलम से है।" पता नहीं हम हिंदुओं को अपने अस्तित्व को बचाए रखने की बुद्धि कब आएगी।

देश दुनिया से

उर्वरक नीति में बदलाव अब समय की मांग

हरित क्रांति दौर में अपनाए गए कृषि सुधारों से देश में विभिन्न फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में कई गुणा बढ़ोतरी हुई। जिसकी बदौलत पिछले 5 दशकों से, लगातार बढ़ती आबादी के बावजूद, देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना हुआ है। चावल का पचास हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का वार्षिक निर्यात भी कर रहा है। भारत में वर्ष 2022 में उर्वरक की औसत खपत 193 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि थी और लगभग 30 करोड़ मीट्रिक टन उर्वरक की खपत हुई। भारत में यूरिया सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला उर्वरक है। देश में उर्वरक की खपत प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। उर्वरकों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सरकार भारी मात्रा मे वार्षिक आयात करती है। हरियाणा-पंजाब-पश्चिम उत्तर प्रदेश आदि प्रदेशों में गेहूं-धान फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन वार्षिक से ज्यादा है। इसी तरह पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, केरल आदि प्रदेशों में भी वार्षिक धान की 2-3 फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन से ज्यादा है। इसलिए इन प्रदेशों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से दुगने से भी ज्यादा प्रति हेक्टेयर 250 किलो नाइट्रोजन, 120 किलो फास्फोरस और 200 किलो पोटेशियम के आसपास है। जबकि वर्षा आधारित बारानी फसलों बाजरा, ज्वार, दलहन, तिलहन आदि के उत्पादक राज्यों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से काफी कम रहती है। उच्च उत्पादकता वाली कन्दमूल और गन्ने जैसी फसलों को अच्छी पैदावार देने के लिए ज्यादा पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिससे इन फसलों की रासायनिक उर्वरक की खपत बहुत ज्यादा होती है। हरित क्रांति दौर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, नीतिकारों ने कृषि क्षेत्र के लिए रासायनिक उर्वरक की सस्ती

दर पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक सब्सिडी नीति को अपनाया। किसानों को सस्ती दरों पर उर्वरक उपलब्ध कराने पर सरकार का व्यय पिछले वित्त वर्ष में 6 प्रतिशत घटकर रुपये 1,77,129.5 करोड़ रह गया, जो 2023-24 के दौरान रुपये 1,88,291.62 करोड़ था। यह गिरावट मुख्य रूप से यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के आयात में गिरावट तथा अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी के कारण हुई है। गिरावट के बावजूद, वास्तविक सब्सिडी बजट में प्रदान की गई रुपये 1,71,310 करोड़ से 3.4 प्रतिशत अधिक है। यूरिया, जो एक पूर्णतः नियंत्रित उर्वरक है, का विक्रय मूल्य पिछले कई वर्षों से 267 रुपये प्रति (45 किग्रा) बैग पर बना हुआ है। उद्योग के अनुमानों से पता चलता है कि सब्सिडी के बिना यह लगभग 1,750 रुपये प्रति बैग हो सकता है। इसी प्रकार, डीएपी का खुदरा मूल्य 1,350 रुपये प्रति बैग तय किया गया है, जो बिना सब्सिडी के लगभग 3,500 रुपये प्रति बैग हो जाएगा। सरकारी विभागों के कदाचार की वजह से लगभग आधे से ज्यादा सब्सिडी वाले कृषि ग्रेड उर्वरक की खपत उद्योगपतियों की फैक्टरियों में गैर-कानूनी तौर पर हो रही है यानी कृषि के लिए दी जा रही केन्द्रीय उर्वरक सब्सिडी का लाभ किसानों को नहीं मिलकर, उद्योगपतियों को मिल रहा है। हर वर्ष फसल बुआई के समय किसानों को उर्वरक पूरी मात्रा में नहीं मिल पा रहा है। उन्हें उर्वरक खुले बाजार से महंगे दाम पर ब्लैक में लेना पड़ रहा है। किसानों को समय पर पूरी मात्रा में उर्वरक नहीं मिल पाने से, फसल की उत्पादकता पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। कृषि ग्रेड उर्वरक किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरक नहीं मिलने के चलते सरकार द्वारा नियंत्रित सहकारी उर्वरक कम्पनी इफ्को किसानों को वर्ष 2021 से नैनो यूरिया बेच रही है। इफ्को कम्पनी के दावों के अनुसार नैनो यूरिया तरल स्वरूप में, पारंपरिक दानेदार यूरिया की 50 किलो की एक बोरी का विकल्प है। हरित क्रांति दौर से अग्रणी रहे पंजाब कृषि विश्वविद्यालय आदि अनेक संस्थानों के अनुसंधान में नैनो यूरिया को कृषि क्षेत्र के लिए अनुपयोगी पाया गया है। कृषि ग्रेड उर्वरक के उद्योग में गैर-कानूनी दुरुपयोग को रोकने और उर्वरक सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाकर किसानों तक पहुंचाने के लिए सरकार पिछले कई वर्षों से प्रयासरत है। कृषि सुधारों में सबसे ज्यादा तर्कसंगत उपाय उर्वरक सब्सिडी का किसानों को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण रहेगा। उर्वरक सब्सिडी के मौजूदा सरकारी आंकड़ों के हिसाब से प्रति एकड़ सिंचित भूमि के लिए 7,000 रुपये और वर्षा आधारित बारानी भूमि के लिए 4,000 रुपये दिये जाने चाहिए। कृषि मंत्रालय ने पहले ही पीएम-किसान, पीएम फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी विभिन्न योजनाओं के आंकड़े तथा प्रत्येक किसान को नवीनतम विशिष्ट आईडी, जिसमें भूमि जोत, बोई गई फसल और उपज जैसे विवरण शामिल हैं, उर्वरक मंत्रालय के साथ साझा कर दिया है। उर्वरक सब्सिडी का प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण के रूप में किये जाने का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे, जिससे योजनाओं की प्रभावशीलता में सुधार होता है। इसका मुख्य लक्ष्य पारदर्शिता बढ़ाना है।

आप का नजरिया

महिला अत्याचार और सरकारी रवैया

महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचारों को लेकर सरकार अत्यंत चिंतित थी। मुझे देखा नहीं गया। मैंने सरकार के पास जाकर पूछा- 'क्यों, क्या बात है सरकार। यह उखड़े-उखड़े से हालात क्यों हैं?' सरकार बोली-'शर्मा, महिला अत्याचार दिनों-दिन बढ़ रहे हैं। 'ज्यों-ज्यों मर्ज की दवा की, दर्द बढ़ता ही गया' वाली बात चरितार्थ हो रही है। तुम्हीं बताओ न, क्या करें। तुम तो बुद्धिजीवी हो।' मैंने कहा- 'वह सब तो ठीक है, लेकिन आप आश्वासन तो देते हो, लेकिन व्यावहारिक कदम उठाने से हिचकिचाते हैं। दीजिये न, अपराधियों को कड़े से कड़ा दंड। महिला अत्याचार घट जाएंगे। इधर लोग दुष्कर्म पर फांसी की मांग कर रहे हैं, तो आप डरते क्यों हैं?' सरकार बोली-'वह क्या था शर्मा, सरकार और राजनीति में अपराधियों की भरमार है। वस्तुस्थिति यह है कि हम गुंडे, लुच्चे और लफंगों के बूते पर ही चुनाव जीतकर आते हैं। यदि हमने उन्हें फांसी का फंदा दिखा दिया तो हमारे लिए काम कौन करेगा? भलामानुस तो हमारे साथ लगता नहीं। वे ही साम, दाम, दंड और भेद से हमें वोट और सपोर्ट जुटाते हैं। ऐसे में फांसी से तो बात बनने वाली है नहीं। हम राजनेताओं को तो सरकारी योजनाओं से माल सूंतने से ही फुर्सत नहीं है।' मैंने कहा-'तो फिर आपके ललाट पर चिंता की रेखाएं क्यों हैं? जो भौंक रहे हैं, उन्हें भौंकने दो। दोनों हाथों में लड्डू नहीं रखे जा सकते।' सरकार बोली-'जनमत बिगड़ रहा है। रहा-सहा विश्वास भी हमारे ऊपर से मिट रहा है। ऐसे में हम जनभावानाओं को भी सिरे से नहीं नकार सकते। अगले चुनाव में इस तरह तो हम हार जाएंगे। कोई ऐसा उपाय बताओ जिससे लाठी भी नहीं टूटे और सांप भी मर जाए।' मैं बोला -'सांप मारने में तो लाठी टूटेगी ही टूटेगी। कोरा दिखावा महिला अत्याचारों को लेकर अब चल नहीं सकेगा। जनचेतना के इस माहौल में कोई तो ठोस कदम उठाना ही होगा। मसलन आजीवन कारावास की व्यवस्था कर दो। इससे भी आमजन बहल सकता है।' 'वह तो ठीक है, लेकिन सहयोगी घटक दल इस पर भी सहमत नहीं हैं। विरोधी अलग टांग खींचने में लगे हैं। इस तरह महिला उत्पीडऩ के बढ़ते मामलों पर हम असहाय सा महसूस कर रहे हैं।' सरकार ने कहा तो मैं बोला-'आप अपनी घटिया हरकतों से बाज नहीं आएंगे। अपराधियों से साठ-गांठ रखेंगे। योजनाओं को लूटेंगे तो सरकार तो गिरेगी ही गिरेगी। आपका दल इस हालत में तो पुनः सत्तासीन नहीं हो सकता। इसलिए हिम्मत जुटाकर कोई हैरतअंगेज कारनामा कर ही दो।' इस बार सरकार ने कहा -'बात तो सही है। जनता तो काम चाहती है। हम राजनेताओं ने राजनीति को मिशन की एवज धंधा बना दिया है। अकेले अन्ना ने ईमानदारी के बल पर सरकार को एक बार तो हिलाकर जनमत को अपने पक्ष में कर ही लिया था, तो क्या हम ऐसा नहीं कर सकते?' मैंने कहा-'यही तो मैं कह रहा हूं, एक बार कठोर कदम उठाकर चमत्कार दिखा दो, भले बाद में करने के नाम पर मनचाहा करना। कड़ी से कड़ी सजा ही महिला अत्याचारों के खिलाफ भडक़े आंदोलन की आग को ठंडा कर सकती है। इसलिए दिखावे को ही सही, कोई व्यवस्था तो करो।' सरकार ने कहा-'यह ठीक कहा तुमने शर्मा। हम कानून की प्रक्रिया तो शुरू करते हैं, तब तक चुनाव आ जाएंगे। जनता को लगेगा, हम कुछ कर रहे हैं और उधर असामाजिक तत्व भी हमारे साथ रहेंगे और चुनाव की वैतरणी इस तरह पार कर लेंगे। फिर पांच वर्ष तक यह मुद्दा पहले की भांति लटका देंगे।' 'तो फिर हाथ मिलाओ, इतना बढ़िया रास्ता सुझाने का। मैं तो ठहरा आपका दलाल। मेरी मु_ी भी गर्म कर दो। इस तरह हम सब मिलकर 'लोकतंत्र-लोकतंत्र' भी खेलते रहेंगे तथा तानाशाही भी करते रहेंगे।'

> मैंने सरकार के पास जाकर पूछा- 'क्यों, क्या बात है सरकार। यह उखड़े-उखड़े से हालात क्यों हैं?' सरकार बोली-'शर्मा, महिला अत्याचार दिनों-दिन बढ़ रहे हैं। 'ज्यों-ज्यों मर्ज की दवा की, दर्द बढ़ता ही गया' वाली बात चरितार्थ हो रही है। तुम्हीं बताओ न, क्या करें। तुम तो बुद्धिजीवी हो।'

कुछ अलग

नए जिक्र, पुरानी मिट्टी

बारिश अब घाव की तरह, तेरे आंगन तक एब की तरह। अभी बारिश खुद नहाई नहीं, फिर भी इस नुकसान की भरपाई नहीं। कुल्लू का दर्द समेटें या धर्मशाला की खड्ड से शव समेटें, इस कोहराम में कातिल हम ही हैं। हमारे सन्नाटे पुनः मानसून ने तोड़े, अब हमें मालूम हुआ कि गलतियां वही पुरानी रही हैं। विनाश के तहखाने में हमारे विकास की योजनाएं और हम इतरा रहे हैं कि चांद सितारे तोड़ लाएंगे। जिन्होंने कुल्लू में बहती हुई गाडियां देखीं, धर्मशाला में बहते हुए शव देखे, उनकी आंखों ने गवाही दी है कि कहीं पहाड़ का पहाड़ पर कत्ल हो रहा है। असंतुलित मौसम के किरदार को भले ही हम बादलों के फटने का कसूरवार ठहराएं, लेकिन जहां प्राकृतिक जल रिसाव के मार्ग पर बाधाएं उत्पन्न हो रहीं, वहां कुछ तो सोचना होगा। पिछले कुछ दशकों की प्रगति ने हमारे सोच को निर्माण सामग्री और हमारी प्रगति को प्रतिस्पर्धा बना दिया। कसूरवार हिमाचली विकास को बची जमीन है या तमाम बाधाओं के साथ सीना तानकर खड़े जंगल है। हमने जंगल में सिर्फ पर्यावरण के प्रतीक देखे हैं, लेकिन यह नहीं देखा कि इसने भूमि के अभाव में प्रदेश की मानसिकता बदल दी। लोगों ने अपनी मिलकीयत में फंसे खड्डों के मुहाने, सीधे पहाड़ के कारनामे और जल रिसाव के रास्ते बदल दिए। अपनी जमीन को जंगल में खो चुका हिमाचल किस तरफ पांव बढ़ाए। घर बनाना ही महंगा है इस कद्र कि अब बचाने की क्षमता नहीं रही। त्वरित निर्माण की विधियों ने इससे कहीं आगे निकलकर पहाड़ी वास्तुशैली के बजाय सिर्फ फटाफट निर्माण का कौशल सीख लिया।

दृष्टि कोण

आपातकाल में कांग्रेस का तानाशाही चेहरा

पंडित जवाहर लाल नेहरु अंग्रेजों के जाने के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री बने थे। यह पद उन्हें बहुत ही समझौतों के बाद मिला था। पहला समझौता तो लार्ड माऊंटबेटन की शर्तों को स्वीकार करना था। लार्ड माऊंटबेटन उन दिनों दिल्ली में ब्रिटेन के प्रतिनिधि थे। उनके एजेंडे में हिंदुस्तान को तोडऩा था और उसके लिए कांग्रेस को सहमत करना था। नेहरु के नेतृत्व में कांग्रेस ने जून 1947 में पाकिस्तान बनाने की मांग बाकायदा प्रस्ताव पारित करके स्वीकार कर ली। लेकिन उसके बाद भी नेहरु के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ नहीं हुआ था। कांग्रेस की विभिन्न प्रदेश समितियों को प्रधानमंत्री का निर्णय करना था। निर्णय गुजरात के सरदार पटेल के पक्ष में चला गया। तब नेहरु ने महात्मा गांधी को अपनी सहायता के लिए मैदान में उतारा। पंडित नेहरु, महात्मा गान्धी की न जाने क्यों कमजोरी बने हुए थे। महात्मा गान्धी ने इसके लिए जयप्रकाश नारायण की सहायता ली। उन्होंने जयप्रकाश नारायण को अपना सन्देशवाहक बना कर सरदार पटेल के पास यह सन्देश देकर भेजा कि वे स्वयं ही प्रधानमंत्री बनने की दौड़ से बाहर हो जाएं। पटेल गान्धी के निष्ठावान शिष्य थे। वे पीछे हटे तो नेहरु प्रधानमंत्री बने। उसके बाद उन्होंने कुछ साल बाद ही अपनी बेटी इन्दिरा गान्धी को ही कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष बना कर सारी सत्ता घर में ही सीमित कर ली। इसने मनोवैज्ञानिक रूप से कांग्रेस के लोगों में नेहरु परिवार के प्रति मानसिक गुलामी का भाव पैदा किया और पार्टी आज तक उसी का शिकार है। यही कारण है कि नेहरु की मौत के बाद (यदि लाल बहादुर शास्त्री के लघु काल को निकाल दिया जाए), उनकी बेटी इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बन गईं। 1975 तक आते-आते इन्दिरा गान्धी को प्रधानमंत्री बने हुए लगभग दस साल हो गए

थे। लेकिन इसी बीच इन्दिरा गान्धी के परिवार में उनके बेटे संजय गान्धी भी भारतीय राजनीति में धूमकेतु की तरह प्रकट होने लगे थे। भ्रष्टाचार को कांग्रेस ने शायद अपने नीति पत्र में दाखिल कर लिया था। देश में एक नई बेचैनी सर्वत्र देखी जा रही थी। लेकिन विश्वसनीय नेतृत्व नहीं मिल रहा था। इसे संयोग ही कहना चाहिए कि नेहरु को प्रधानमंत्री बनाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले जय प्रकाश नारायण जीवित थे और पटना में गुमनाम जिंदगी जी रहे थे। इतिहास का एक चक्र पूरा हो गया था। इतिहास के इसी मोड़ पर शायद जय प्रकाश नारायण ने प्रायश्चित करने का निर्णय कर लिया था। नेहरु को प्रधानमंत्री बनाने में अपनी भूमिका का प्रायश्चित करने का निर्णय, सरदार पटेल को प्रधानमंत्री न बनने देने के षड्यन्त्र में अपनी भूमिका का प्रायश्चित करने का निर्णय। वे देश में इंदिरा की ओर से थोपी गई तानाशाही के खिलाफ चल रहे आन्दोलन का नेतृत्व करने के लिए अपने निवास से बाहर निकल आए। तब धर्मवीर भारती ने लिखा था, 'एक बूढ़ा सच बोलता हुआ सडक़ों पर निकल आया है।' इस बूढ़े के निकल आने से मानो पूरे देश में एक चिंगारी फैल गई हो। इस बूढ़े के पीछे सारा देश निकल पड़ा। अंग्रेजों के चले जाने के बाद यह तानाशाही के खिलाफ पहली लड़ाई थी। इसकी बहुत जरूरत थी। यदि अभी से तानाशाही की जड़ों को नष्ट नहीं किया जाता तो ये जडें. सहस्राबदियों पुराने भारतीय लोकतन्त्र के रस को सोख सकती थीं। इन्हीं दिनों एक ऐसी घटना हुई जिसने इंदिरा गान्धी को अपने असली रूप में प्रकट होने के लिए विवश कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गान्धी की संसद सदस्यता को ही समाप्त कर दिया। कोर्ट का कहना था कि उन्होंने चुनाव जीतने के लिए भ्रष्ट साधनों का सहारा लिया था। अब इंदिरा गान्धी के पास प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के अतिरिक्त कोई रास्ता नहीं था। लेकिन उसने इस रास्ते पर चलने की बजाय तानाशाही का रास्ता चुना। अब इंदिरा गान्धी और उनका बेटा संजय गान्धी अपने असली रूप में प्रकट हुए। इंदिरा गान्धी ने देश में आपात स्थिति लागू कर दी। संविधान को स्थगित कर दिया। सभी विपक्षी नेताओं को बन्दी बना लिया गया। जय प्रकाश नारायण को तो किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। यह भी चर्चा थी कि उन्हें धीमा जहर दिया जा रहा था।

प्रधानमंत्री ओली को चुनौती, पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने सक्रिय राजनीति में वापसी का किया ऐलान

काठमांडू, 29 जून (एजेंसियां)।

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) यानी नेकपा एमाले के अध्यक्ष तथा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को चुनौती देते हुए रविवार को सक्रिय राजनीति में वापसी की औपचारिक घोषणा कर दी है।

राजधानी काठमांडू में आयोजित घोषणा सभा कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति भंडारी ने पार्टी के नेतृत्व पर दावा करते हुए सक्रिय राजनीति में वापसी की घोषणा की है। इस सभा में उन्होंने प्रधानमंत्री ओली को भी आमंत्रित किया। ओली इस कार्यक्रम में आए भी, लेकिन अपना संबोधन करके वापस चले गए। विद्या भंडारी ने कहा कि पार्टी और देश की परिस्थिति ठीक नहीं है। आम लोगों में और पार्टी के कार्यकर्ताओं में व्यापक असंतुष्टि है। उन्होंने कहा कि पार्टी के अधिकांश नेता और कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी का नेतृत्व परिवर्तन होना चाहिए। इसी तरह देश की जनता भी नेतृत्व परिवर्तन के पक्ष में है।

पूर्व राष्ट्रपति का कहना है कि मैंने अंतिम समय तक सक्रिय राजनीति में रह कर पार्टी का काम करने और अवसर मिलने पर देश का नेतृत्व करने की सोच बनाई है। भंडारी ने कहा कि जल्द ही नेकपा एमाले का विधान अधिवेशन होने वाला है और उसमें ही पार्टी का भविष्य तय किया जाएगा।उन्होंने कहा कि नेपाल इस पार्टी में मेरा भी उतना ही योगदान है, जितना किसी और का। मैंने पार्टी के निर्णय के आधार पर ही राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा और दो कार्यकाल तक देश की सेवा की है।

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने कहा कि नेपाल के संविधान में यह कहीं नहीं लिखा है कि पूर्व राष्ट्रपति सक्रिय राजनीति में नहीं आ सकते हैं। भंडारी ने कहा कि जब तक सामाजिक जीवन में है और जब तक देश और जनता के लिए आप अपना योगदान दे सकते हैं आपको देना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल ने हमास के टॉप कमांडर इसा अल-इसा को मार गिराने का दावा किया

तेल अवीव। हमास के साथ संघर्ष में इजराइल को अहम कामयाबी मिली है। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने हमास की मिलिट्री विंग के संस्थापकों में से एक हखाम मुहम्मद इसा अल-इसा को मार गिराया है। अल-इसा को 7 अक्तूबर को इजराइल पर हुए हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। आईडीएफ ने शनिवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि उसने हखाम मुहम्मद इसा अल-इसा को मार गिराया है। आईडीएफ के मुताबिक अल-इसा हमास की सैन्य शाखा का संस्थापक था जिसने हमास की ताकत बढ़ाने, ट्रेनिंग कराने और 7 अक्तूबर के नरसंहार की योजना बनाई थी। इजराइल ने अपना इरादा साफ करते हुए कहा है कि वह 7 अक्तूबर के हमले में शामिल सभी आतंकियों को तलाश कर खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

नई चाल से पश्चिम में खलबली: येलोकेक के बदले यूरेनियम देने को राजी ईरान!

तेहरान। भले ही ईरान और इजरायल के बीच सीजफायर हो गया है लेकिन पश्चिम में अभी भी खलबली महसूस की जा रही है। वजह ये है कि संयुक्त राष्ट्र में ईरान ने कहा है कि तेहरान अब संभावित परमाणु समझौते के लिए तैयार है। जिसमें देश से अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को स्थानांतरित करना शामिल होगा। बदले में ईरान को परमाणु ईंधन उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले केंद्रित यूरेनियम पाउडर येलोकेक की खेप मिलेगी। अल-मॉनीटर के साथ एक लिखित इंटरव्यू में राजदूत आमिर सईद इरावानी ने ये बात कही है। बता दें कि येलोकेक परमाणु ऊर्जा उत्पादन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका उपयोग परमाणु रिएक्टरों के लिए ईंधन की छड़ों में किया जा सकता है, विशेष रूप से उन रिएक्टरों में जो प्राकृतिक या गैर-समृद्ध यूरेनियम पर चलते हैं। येलोकेक अपने कच्चे रूप में हथियार बनाने लायक सामग्री नहीं है। हालांकि, इसे आगे संसाधित करके अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम बनाया जा सकता है, जो परमाणु हथियार बनाने के लिए आवश्यक है। ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के कारण 12 दिनों तक चले संघर्ष के अंत के बाद से उसके परमाणु कार्यक्रम पर ईरान का ये सबसे विस्तृत बयान है। इरावानी ने कहा कि 'हम अपने 60 प्रतिशत और 20 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम के भंडार को किसी अन्य देश को भेजने के लिए तैयार हैं और बदले में येलोकेक हासिल करने के लिए उन्हें ईरानी क्षेत्र से बाहर भेजने के लिए तैयार हैं।बता दें कि येलोकेक एक प्रकार का यूरेनियम सांद्रित पाउडर है। यह यूरेनियम अयस्क के रासायनिक प्रसंस्करण के जरिये बनाया जाता है और इसमें लगभग 80प्रतिशत यूरेनियम ऑक्साइड होता है।

बांग्लादेश में घर में घुसकर हिंदू महिला से दुष्कर्म, पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले में मुरादनगर इलाके में रथ यात्रा के दिन 25 साल की एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना ने देश भर को हिला दिया। इसके साथ ही इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार आने के बाद कट्टरपंथियों का बोलबाला हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों के मुताबिक जब हिंदू परिवार अपने धार्मिक कार्यक्रम में व्यस्त था, उसी वक्त पड़ोस के घर में ये जघन्य अपराध हुआ। इस मामले में आरोपी बांग्लादेश नेशनल पार्टी से जुड़ा बताया जा रहा है। ालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक पीड़िता ने खुद मुरादनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया और बताया कि वह 15 दिन पहले मायके आई थी।

पूर्व मिनेसोटा हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन को अंतिम विदाई, बाइडेन-हैरिस और गवर्नर वॉल्ज हुए शामिल

मिनियापोलिस, 29 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज शनिवार को मिनेसोटा की पूर्व हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए।1,000 से अधिक शोक संतप्त नागरिकों के बीच यह श्रद्धांजलि सभा उनके राजनैतिक योगदान और मानवीय मूल्यों को याद करते हुए आयोजित की गई।

गवर्नर टिम वॉल्ज ने अपने भाषण में कहा, मेलिसा हॉर्टमैन मिनेसोटा के इतिहास की सबसे प्रभावशाली स्पीकर थीं। मैं उन्हें एक दोस्त, मार्गदर्शक और सबसे प्रतिभाशाली विधायक के रूप में याद करता हूं। उन्होंने कहा कि हॉर्टमैन ने जनसेवा को अपना जीवन बनाया और उनकी नीतियों ने लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया।

गवर्नर वॉल्ज ने कहा, मेलिसा और मार्क के जीवन से हमें यह सीखना चाहिए कि हम राजनीति और जीवन में कैसे एक-दूसरे से पेश आएं। जोश के साथ लड़ें, लेकिन इंसानियत को न भूलें।

मेलिसा हॉर्टमैन की दो सप्ताह पहले एक हमले में हत्या कर दी गई थी, जिसमें उनका पति मार्क भी मारे गए थे। यह हमला एक ऐसे व्यक्ति ने किया जो खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उनके घर पहुंचा था। इसे राजनीतिक हत्या करार देते हुए जांच की जा रही है। इस हमले में एक राज्य सीनेटर और उनकी पत्नी भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। हॉर्टमैन मिनेसोटा के इतिहास की पहली महिला थीं जिन्हें राजकीय सम्मान के साथ राज्य की संसद रोटुंडा में लेट इन स्टेट किया गया। यह पहली बार था जब किसी दंपति और उनके पालतू कुत्ते को भी यह सम्मान दिया गया। उनका गोल्डन रिट्रीवर 'गिल्बर्ट', जो हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ था, बाद में दर्द के चलते दया मृत्यु दी गई।

उल्लेखनीय है कि 2004 में पहली बार चुनी गई हॉर्टमैन ने मिनेसोटा विधानसभा में कई ऐतिहासिक विधेयकों को पारित कराने में अहम भूमिका निभाई। 2023 में उन्होंने लोकलुभावन एजेंडा को पास करवाया जिसमें सरकारी स्कूलों में मुफ्त भोजन, गर्भपात और ट्रांस अधिकारों का विस्तार जैसे प्रगतिशील कानून शामिल थे। 2025 में विधानसभा में बराबरी की संख्या (67-67) होने पर उन्होंने स्पीकर एमेरिटा का पद स्वीकार किया और राज्य सरकार को शटडाउन से बचाने के लिए बजट गतिरोध सुलझाने में अहम भूमिका निभाई।

भ्रूण की हर कोशिका को ट्रैक करेगी खास तकनीक

सिडनी। वैज्ञानिक अब किसी विकसित हो रहे भ्रूण के अंदर एक-एक कोशिका को ट्रैक कर सकते हैं। यह संभव होगा आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों द्वारा बनाए गए खास उपकरण से। इससे वैज्ञानिक भ्रूण के विकास को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। जन्म से जुड़ी बीमारियों का कारण जानने में मदद मिलेगी। भविष्य में इलाज के नए तरीके खोजे जा सकेंगे। प्राप्त जानकारी ने अनुसार, इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने लॉक्सकोड नाम की एक नई तकनीक पेश की है। यह तकनीक आनुवंशिक रूप से संशोधित चूहों की हर कोशिका को एक खास डीएनए बारकोड देती है। मेलबर्न स्थित वाल्टर और एलिजा हॉल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च (डब्ल्यूईएचआई) के नेतृत्व वाली टीम ने बताया कि जो डीएनए बारकोड हर कोशिका को दिया गया है, उसकी मदद से वैज्ञानिक यह पता कर सकते हैं कि एक कोशिका कितनी बार बंटी, वह शरीर के किस हिस्से में गई, और वह किस खास अंग या काम के लिए बदली। लॉक्सकोड तकनीक लगभग 30 बिलियन अलग-अलग डीएनए बारकोड बना सकती है, जो कि अभी तक की किसी भी तकनीक से कहीं ज्यादा है। वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि लॉक्सकोड तकनीक को अब दुनिया भर में अपनाया जा चुका है।

जेम्स वेब टेलीस्कोप ने पहली बार ली 110 मिलियन प्रकाशवर्ष दूर की सीधी तस्वीर

पेरिस,29 जून (एजेंसियां)।

धरती से 110 मिलियन प्रकाशवर्ष दूर एक नई और ऐतिहासिक खगोलीय खोज ने वैज्ञानिकों को चौंका दिया है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने पहली बार किसी एक्सोप्लैनेट की सीधी तस्वीर खींची है। यह ग्रह टीडब्ल्यूए 7 बी नाम की एक युवा तारकीय प्रणाली का हिस्सा है, जो महज 60 लाख साल पुरानी है। यह पहली बार है जब किसी नवजात एक्सोप्लैनेट को सीधे कैमरे में कैद किया गया है, वह भी ऐसे समय में जब तक खोजे गए करीब 6000 एक्सोप्लैनेट्स को वैज्ञानिकों ने केवल अप्रत्यक्ष तरीकों से खोजा था। जानकारी के मुताबिक ज्यादातर मामलों में किसी तारे के सामने ग्रह के गुजरने से उसकी रोशनी में आने वाली कमी या स्पेक्ट्रोस्कोपिक डेटा के जरिए ही ग्रहों की मौजूदगी का अनुमान लगाया जाता था।

ऐसे में यह उपलब्धि एक बहुत बड़ी छलांग के रूप में देखी जा रही है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की अगुवाई पेरिस ऑब्जर्वेटरी की एस्ट्रोफिजिसिस्ट डॉ. ऐनी-मैरी लाग्रांज ने की। उन्होंने बताया कि यह प्रणाली बहुत ही कम उम्र की है और इसके ग्रहों की संरचना अभी विकास के शुरुआती चरणों में है। उन्होंने कहा कि यह पहला मौका है जब किसी नवोदित ग्रह को उसके तारकीय डिस्क में से गुजरते हुए देखा गया है। इस सिस्टम में एक युवा तारा टीडब्ल्यूए 7 मौजूद है, जिसके चारों ओर धूल और पत्थरों की तीन स्पष्ट रिंग्स देखी गई हैं। पहले तक यह सिर्फ सैद्धांतिक कल्पना मानी जाती थी कि नवगठित तारकीय प्रणालियों में ऐसी रिंग्स मौजूद हो सकती हैं, लेकिन इस बार इसे हकीकत में दर्ज किया है।

यह उपलब्धि इसलिए और अहम है क्योंकि वैज्ञानिकों ने इसे संभव बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया। टेलीस्कोप में एक खास उपकरण लगाया गया जिसे कोरोनोग्राफ कहा जाता है। यह उपकरण एक सूर्यग्रहण जैसी स्थिति पैदा करता है, जिसमें तारे की तेज रोशनी को छिपा दिया जाता है और उसके पास मौजूद अपेक्षाकृत धुंधले ग्रह को देखने की सुविधा मिलती है। वैज्ञानिकों ने तारे को उसके ध्रुवीय अक्ष से देखा, जिससे पूरा डिस्क ऊपर से साफ दिखाई देने लगा और ग्रह एक चमकते हुए बिंदु के रूप में उसमें उभर कर सामने आया। इस खोज ने संकेत दिया है कि वैज्ञानिक अब आकाशगंगा के और भी अधिक ग्रहों को प्रत्यक्ष रूप से देखने में सक्षम हैं।

सर्बिया में लोकतंत्र की मांग को लेकर सड़कों पर उतरी जनता

बेलग्रेड की सड़कों पर हजारों प्रदर्शनकारी एक बार फिर लोकतंत्र की मांग को लेकर उतरे। ये छात्र-नेतृत्व वाला प्रदर्शन आठ महीने पहले हुए उस दर्दनाक हादसे की गूंज है, जिसमें नोवी साद में एक सरकारी प्रोजेक्ट के तहत बनी रेल स्टेशन की छत गिरने से 16 लोगों की जान गई थी। इस घटना को लेकर नागरिकों में सरकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार को लेकर गुस्सा है। अब राष्ट्रपति एलेक्ज़ेंडर वूचिच के 12 साल के लंबे शासन को खत्म करने की मांग बुलंद हो रही है।

सैन्य अफसरों की अंतिम विदाई में लाखों लोगों के हाथों में दिखी खामेनेई की तस्वीर

तेहरान, 29 जून (एजेंसियां)।

राजधानी तेहरान में शनिवार को रिवोल्यूशनरी गार्ड्स प्रमुख जनरल हुसैन सलामी, मिसाइल कार्यक्रम के प्रमुख जनरल आमिर अली हाजीजादेह, कई अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के जनाजे को दौरान भी देखने को मिली। इस जनाजे में लाखों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। ये सभी 13 जून को इजरायल के साथ शुरू हुए युद्ध के दौरान मारे गए थे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 10 लाख से अधिक शोकाकुल नागरिकों ने राजधानी की अजादी स्ट्रीट पर जुटकर इन राष्ट्रनायकों को विदाई दी। इस दौरान लोग खामेनेई की तस्वीर हाथों में ले रखे थे और एकजुटता का प्रदर्शन कर रहे थे।

जनाजे के दौरान भीड़ ने ईरान के शत्रुओं के खिलाफ नाराजगी जताई। लोग ईरानी ध्वज लहराते हुए और नारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। इस दौरान अमेरिका-इजरायल मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। सरकारी कार्यालयों को बंद कर कर्मचारियों को अंतिम संस्कार में भाग लेने की अनुमति दी गई।

इजरायल ने 13 जून को युद्ध की शुरुआत में ईरान के शीर्ष सैन्य और परमाणु नेतृत्व को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जिसमें जनरल सलामी और हाजीजादेह की मौत हो गई। इजरायल ने दावा किया कि उसने इस ऑपरेशन के जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने की कोशिश की।

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की सार्वजनिक मौजूदगी नजर नहीं आई, हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि उन्होंने बंद कमरे में विशेष नवाज पढ़ी होगी। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची, कुद्स फोर्स प्रमुख जनरल इस्माइल कानी और वरिष्ठ सलाहकार जनरल अली शामखानी जैसे कई शीर्ष अधिकारी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। शामखानी पहले हमले में घायल हुए थे, लाठी के सहारे सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए।

बदबू इतनी शिकायत पर पुलिस पहुंची तो कमरे में मिली 191 लाशें

वाशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के कोलोराडो में एक फ्यूनरल होम यानी अंत्येष्टि गृह के मालिक ने एक ऐसा काम किया है, जिसे सुनकर आपका इंसानियत पर भरोसा डगमगा जाएगा। कोलोराडो की राजधानी डेनवर से करीब 160 किलोमीटर दूर स्थित पेनरोज नाम के छोटे से कस्बे में यह फ्यूनरल होम था। 2023 में पुलिस को एक फोन आया। फोन करने वाला सिर्फ 'भयंकर बदबू' की शिकायत कर रहा था। जब जांचकर्ता वहां पहुंचे, तो सामने जो नजारा था, उसने उनके रोंगटे खड़े कर दिए। कमरों में शव इतने बेतरतीब ढंग से पड़े थे कि कदम रखने की जगह तक नहीं बची थी। फर्श पर जमा शव सड़ चुके शरीर के तरल से बचने के लिए लकड़ी की पट्टियां बिछानी पड़ीं।

दरअसल फ्यूलर होम का मालिक शवों को जलाए बिना मृतक के परिजनों को नकली राख भेज देता था। लेकिन भला हो अमेरिका की अदालतों का जिसने उसे सख्त सजा दी है। जॉन

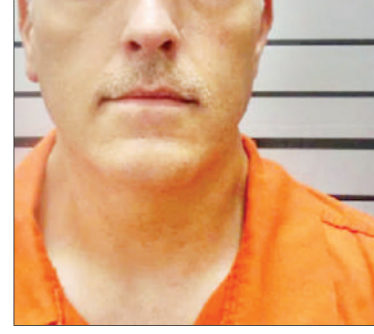

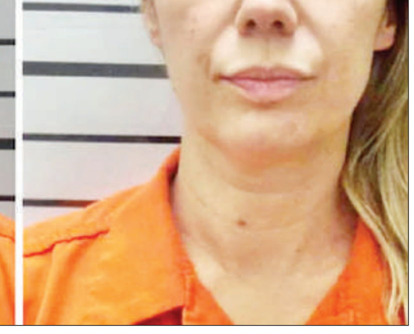

हॉलफर्ड नाम के व्यक्ति को 191 शवों के साथ अमानवीय बर्ताव और परिवारों के साथ धोखा करने के आरोप में अमेरिकी अदालत ने 20 साल की सजा सुनाई है। यह मामला सिर्फ धोखाधड़ी का नहीं, बल्कि इंसानियत और संवेदनाओं को कुचल देने वाली सच्चाई थी।

'रिटर्न टू नेचर फ्यूनरल होम' नाम की इस संस्था को हॉलफर्ड अपनी पत्नी केरी के साथ चलाता था। यहां 2019 से 2023 के बीच सैकड़ों शवों को सड़ने के लिए छोड़ दिया गया। सबसे खौफनाक बात यह रही कि जिन परिवारों ने विश्वास के साथ अपने प्रियजनों का शव फ्यूनरल होम को सौंपा था उन्हें इन लोगों ने सूखी ड्राइ कंक्रीट का पाउडर थमा दिया। जब कोलोराडो की अदालत में यह मामला सामने आया, तो जज नीना वांग भी हैरान रह गईं। उन्होंने कहा, यह एक सामान्य धोखाधड़ी नहीं है। यह भावनाओं, परिवारों और मर्यादा का ऐसा हनन है जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।' उन्होंने जॉन को अधिकतम 240 महीनों यानी पूरे 20 साल की सजा सुनाई।

जांच में यह भी सामने आया कि कुछ मामलों में गलत शवों का अंतिम संस्कार किया गया। अदालत में जमा दस्तावेज बताते हैं कि दो परिवारों को उनके रिश्तेदारों की जगह किसी और की राख दी गई। जॉन और उसकी पत्नी कैरी हॉलफर्ड पर केवल शवों के साथ गलत व्यवहार ही नहीं, बल्कि अमेरिकी सरकार के कोविड राहत फंड में धोखाधड़ी का भी आरोप है। इस रकम का इस्तेमाल इन्होंने लक्जरी गाड़ियों, क्रिप्टो करेंसी और ब्रांडेड गहनों में किया। अदालत ने जॉन हॉलफर्ड को 1,070,413 डॉलर की भरपाई करने का भी आदेश दिया है। जेल की सजा सुनने से पहले कोर्ट में खड़ा जॉन अपनी गलती मानता नजर आया। उसने कहा, 'मैंने यह फ्यूनरल होम इसलिए शुरू किया था ताकि लोगों की जिंदगी में कुछ सकारात्मक कर सकूं। लेकिन सब कुछ बेकाबू हो गया।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की शर्तों पर सहमति पर कुछ मुद्दों पर फंसा पेंच

फंसे पेच सुलझाने के लिए मोदी-ट्रंप को ही संभालना होगा मोर्चा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां) । भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अधिकतर शर्तों पर लगभग सहमति तो बन चुकी है लेकिन कुछ मुद्दो पर अभी गतिरोध बना हुआ है। जानकारों का कहना है कि इन अड़चनों को दूर करने के लिए दोनों ही देशों के शीर्ष नेतृत्व को हस्तक्षेप करना होगा। एक और भारत चाहता है कि सभी टैरिफ को पूरी तरह से हटाने की स्पष्ट गारंटी दे और अमेरिकी अपनी भारत के संवेदनशील कृषि क्षेत्र को अधिक मुक्त करने की मांग पर पुनर्विचार करे। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वाशिंगटन में शुरू हुई दो दिवसीय वार्ता अगले सप्ताह तक खिंच सकती है। विशेष सचिव (वाणिज्य) राजेश अग्रवाल की अगुवाई में भारतीय वार्ताकारों की टीम अभी भी अमेरिका में मौजूद है। इससे संकेत मिलता है कि बातचीत अगले सप्ताह तक जारी रह सकती है। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों देश अगर एक-दूसरे की व्यावहारिक और राजनीतिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रख फैसला ले तो अंतरिम व्यापार समझौता जल्द हो सकता है। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दे। भारत में डेयरी क्षेत्र छोटे किसानों पर आधारित है, जिनकी आजीविका एक या दो पशुओं पर निर्भर होती है। ऐसे में वे अमेरिका के बड़े स्तर के डेयरी फार्म्स से मुकाबला नहीं कर सकते। अमेरिका के पशु चारे में मांसाहारी सामग्री होने के कारण धार्मिक भावना का मुद्दा जुड़ा है। भारत अमेरिका की मक्का और सोयाबीन जैसे उत्पादों को भी बिना शर्त प्रवेश देने को तैयार नहीं है, क्योंकि ये जेनेटिकली मॉडिफाइड होते हैं और भारतीय कानून जीएम फसलों की अनुमति नहीं देता। भारत चाहता है कि अमेरिका कोई ऐसी व्यवस्था बनाए जिससे यह प्रमाणित हो सके कि भेजे जा रहे उत्पाद जीएम नहीं हैं. लेकिन अमेरिका इसे व्यावहारिक रूप से संभव नहीं मानता।

न्यूज ब्रीफ

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 870 टन पहुंचा, केंद्रीय बैंक 12.5 किलो की सोने की ईंट के रूप में रखता है स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के महत्व को समझता है। इसीलिए वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है। आरबीआई पर बने एक वृत्त चित्र में यह जानकारी दी गयी है। आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में करेंसी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ इकाई, यूरोप में 2,900 करोड़ इकाई है वहीं भारत में यह 13,000 करोड़ इकाई है। यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है। वृत्त चित्र में दी गयी जानकारी के अनुसार केंद्रीय बैंक 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और देश में स्वर्ण भंडार के संरक्षक के रूप में लगभग 870 टन सोना काफी सुरक्षित स्थानों पर रखा है। बहुत कम लोगों को ही सोने की तिजोरियों तक पहुंच है। इस सोने को केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन के स्वर्ण ईंट के रूप में रखा गया है। केंद्रीय बैंक के अधिकारी कहते हैं कि सोना केवल धातु नहीं बल्कि देश की ताकत है। देश बनते रहेंगे, बिगड़ते रहेंगे। अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होता रहेगा लेकिन सोना हमेशा अपना मूल्य बनाये रहेगा।

एनएलएसी को मिला हाइब्रिड बिजली परियोजना का आवंटन पत्र

चेन्नई। एनएलसी को राजस्थान में 450 मेगावाट की अंतर-राज्य पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) कनेक्टेड पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना स्थापित करने एनटीपीसी लिमिटेड से आवंटन पत्र प्राप्त हुआ है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी है। एनटीपीसी से प्राप्त ऑर्डर के अनुसार एनएलसी इंडिया 450 मेगावाट आईएसटीएस कनेक्टेड पवन-सौर बिजली परियोजना की स्थापना करेगी। इस परियोजना से उत्पन्न हाइब्रिड बिजली की आपूर्ति एनटीपीसी लिमिटेड को बिजली खरीद करार (पीपीए) के तहत 25 साल की अवधि के लिए की जाएगी। एनएलसी इंडिया ने बयान कहा कि यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर में 300 मेगावाट और गुजरात के भुज में 150 मेगावाट के लिए विकसित की जाएगी। इसमें कहा गया है कि पूर्ण परियोजना से बिजली की आपूर्ति बिजली खरीद करार की तारीख से 24 माह की अवधि में होगी। उन्होंने कहा कि इस साल हम 20 होटल खोलेंगे। पिछले पांच साल हमने 51 होटल के लिए समझौते किए हैं।

रैडिसन समूह भारत में अपने होटल पोर्टफोलियो को दोगुना करेगी

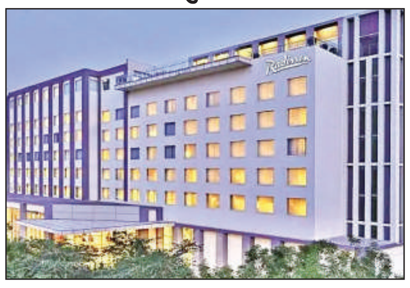

नई दिल्ली। बेल्जियम मुख्यालय वाले रैडिसन होटल समूह का कहना है कि वह अगले कुछ साल में भारत में अपने पोर्टफोलियो को दोगुना करने के बारे में विचार कर रही है। वर्तमान में इस समूह की भारत में 200 से अधिक होटलें हैं। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि भारत में हम अपना ध्यान एक स्थायी और समावेशी विकास मॉडल पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में समूह के होटल में कमरों की बुकिंग पिछले साल की तुलना में मात्र 20-30 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हाल में आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद वहां पर्यटकों की आवाजाही प्रभावित हुई है। रैडिसन जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ी लक्जरी होटल श्रृंखला है। वहां समूह के सात होटल परिचालन में हैं। इनमें से पांच घाटी में हैं। दो-तीन होटल पाइपलाइन में हैं।

देश के कई नामी बैंक एफडी पर दे रहे 8.30 फीसदी तक ब्याज दरें

एसबीआई सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.10, सीनियर सिटीजन 3.50 से 7.60 फीसदी तक दे रहा ब्याज

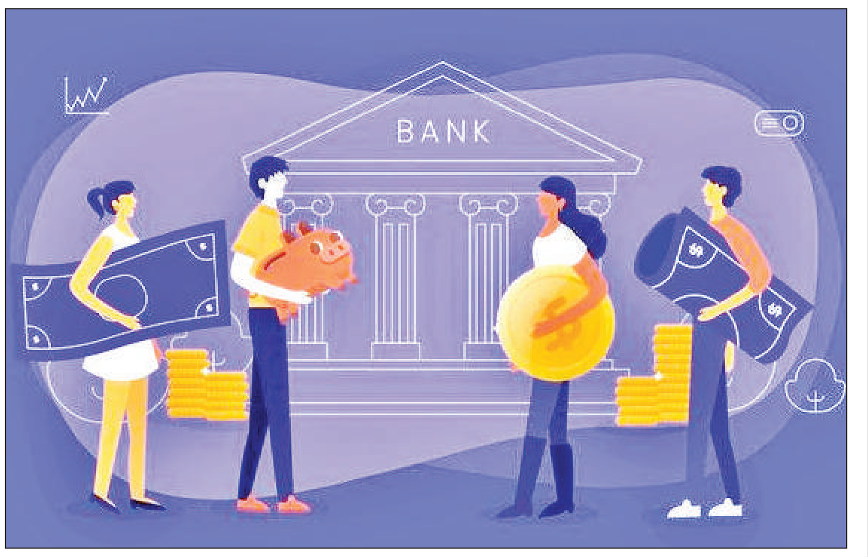

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां) । एफडी एक सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है, जो तय समय के बाद गारंटीड रिटर्न के अच्छा ब्याज भी देता है। इस समय देश के कई नामी बैंक एफडी पर 8.30 फीसदी तक आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) द्वारा सामान्य ग्राहकों को एफडी पर 3 फीसदी से 7.10 फीसदी तक और सीनियर सिटीजन को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक ब्याज दिया जा रहा है। वहीं, एचडीएफसी बैंक सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.75 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। आईसीआईसीआई बैंक की दरें भी समान हैं, जहां सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.10 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक का रिटर्न दे रहा है। आरबीएल बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहा है। यह बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.80 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 से 8.30 फीसदी तक का अच्छा ब्याज दे रहा है, जो फिलहाल बाजार में सबसे अधिक है। कोटक महिंद्रा बैंक अपने एफडी स्कीम में सामान्य ग्राहकों को 2.75 से 7.20 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.25 फीसदी से 7.70 फीसदी ब्याज दे रहा है। वही आईडीबीआई बैंक की ब्याज दरें सामान्य ग्राहकों के लिए 3 फीसदी से 6.75 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3.50 से 7.25 फीसदी तक हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा भी एफडी निवेशकों के लिए एक बेहतर विकल्प है।

यहां सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.05 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 से 7.55 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। पंजाब नेशनल बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 फीसदी से 7.75 फीसदी ब्याज दे रहा है। वहीं, एक्सिस बैंक में सामान्य निवेशकों को 3.50 से 7.10 और सीनियर सिटीजन को 3.50 से 7.85 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। जबकि केनरा बैंक की ब्याज दरें सामान्य ग्राहकों के लिए 4 से 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 4 से 7.75 फीसदी हैं। एफडी चुनते समय सिर्फ ब्याज दर ही नहीं, बल्कि निवेश अवधि, ब्याज भुगतान का तरीका, कर से जुड़ी बातें और बैंक की विश्वसनीयता को भी आपके लिए जानना बहुत जरूरी है। सीनियर सिटीजन को आम तौर पर अधिक ब्याज दर का लाभ मिलता है, जिससे उनकी बचत और भी फायदेमंद हो सकती है।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो के महानिदेशक को मिली एक्स-कैटेगरी सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के महानिदेशक जीवीजी युगंधर को एक्स-श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। वे 12 जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। गृह मंत्रालय ने एक खतरे की आशंका संबंधी रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को निर्देश दिया है कि वे युगंधर को सुरक्षा मुहैया उपलब्ध कराएं। इस व्यवस्था के मुताबिक उनकी देशभर की यात्रा के दौरान तीन से चार सशस्त्र सीआरपीएफ जवान उनके साथ रहेंगे। गौरतलब है कि एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171, जो अहमदाबाद से लंदन जा रही थी, दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस हादसे में 270 लोगों की जान चली गई थी। युगंधर इस गंभीर मामले की उच्च स्तरीय जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। 13 जून को भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने औपचारिक रूप से इस दुर्घटना की जांच शुरू की। इसके लिए एक बहु-विषयक टीम बनाई गई है, जिसमें अमेरिका के नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के विशेषज्ञ, एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी और एक एविएशन मेडिसिन विशेषज्ञ को शामिल किया गया है। यह टीम हादसे के कारणों और जिम्मेदार पक्षों की गहराई से जांच कर रही है।

भारत ने बांग्लादेश से जूट और फाइबर उत्पादों के आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां) । भारत ने बांग्लादेश से जूट और संबंधित फाइबर उत्पादों के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया है। बताया जा रहा है यह फैसला दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में बढ़ते तनाव को देखते हुए लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि नए प्रतिबंध महाराष्ट्र में न्हावा शेवा बंदरगाह को छोड़कर अन्य सभी जमीनी मार्ग और बंदरगाहों के माध्यम से बांग्लादेश के जूट और संबद्ध फाइबर उत्पादों के भारत में आयात पर लागू होंगे। वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना जारी कर प्रतिबंध लगा दिए। साफ्टा (दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र) के प्रावधानों के तहत, बांग्लादेश से जूट को भारत में शुल्क मुक्त पहुंच प्राप्त है।

हालांकि उन्होंने कहा कि भारतीय जूट उद्योग को बांग्लादेश से जूट उत्पादों, विशेष रूप से धागा, फाइबर और बैग के डंप किए गए और सब्सिडी वाले आयात के प्रतिकूल प्रभाव के कारण लंबे समय से नुकसान उठाना पड़ रहा है।

स्माल कैप बोनस शेयर के साथ देगा 80 फीसदी का डिविडेंड

नई दिल्ली। कंप्रेसर, पंप और डीजल इंजन के कारोबार से जुड़ी स्मॉल कैप कंपनी रोटो पंप्स लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों को 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने और 0.80 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने का ऐलान किया है। इन दोनों के लिए तारीख 11 जुलाई 2025 तय की गई है। 28 जून 2025 तक कंपनी का मार्केट कैप 1,795.26 करोड़ रुपये है। रोटो पंप्स ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उसने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1 रुपये की फेस वैल्यू वाले हर शेयर पर 0.80 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने का प्रस्ताव रखा है। यह डिविडेंड तब लागू होगा, जब शेयरधारक इसे कंपनी की सालाना जनरल मीटिंग में मंजूरी देंगे। इसके साथ ही कंपनी ने 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने का भी फैसला किया है। यानी, हर एक शेयर के बदले दो अतिरिक्त शेयर फ्री में मिलेंगे। ये बोनस शेयर भी 1 रुपये की फेस वैल्यू वाले होंगे और मौजूदा शेयरों जैसे ही अधिकार रखेंगे। हालांकि, ये बोनस शेयर वित्त वर्ष 2024-25 के फाइनल डिविडेंड के हकदार नहीं होंगे।

चुंबक की आपूर्ति बढ़ाने चीन नहीं जा पाया वाहन उद्योग का प्रतिनिधिमंडल

दुर्लभ खनिज (चुंबक) के आयात में तेजी लाने के लिए भारतीय वाहन उद्योग का प्रतिनिधिमंडल अभी तक चीन रवाना नहीं हो पाया है। उद्योग सूत्रों का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल को अब भी चीन के वाणिज्य मंत्रालय से बैठक के लिए औपचारिक मंजूरी का इंतजार है। पिछले महीने लगभग 40-50 उद्योग अधिकारियों को वीजा मिल गया है, लेकिन वे अब भी इस मामले पर बैठक के लिए चीनी अधिकारियों से औपचारिक मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। इघरेलू वाहन उद्योग ने दुर्लभ खनिज की कमी को देखते हुए चीन से इसका आयात बढ़ाने के लिए सरकार से भी समर्थन मांगा है। भारत ने पिछले वित्त वर्ष में अपने 540 टन चुंबक आयात का 80 प्रतिशत से अधिक चीन से मंगाया था। अब चीन द्वारा इसके निर्यात पर अंकुश का असर दिखने लगा है।मई 2025 तक, भारतीय कंपनियों के लगभग 30 आयात अनुरोधों को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है, लेकिन इन्हें चीनी अधिकारियों की मंजूरी नहीं मिली है। इस वजह से कोई खेप नहीं आ पाई है।

सीमेंट की बिक्री मई में नौ प्रतिशत कीमतें आठ फीसदी बढ़ी

मई, 2025 में कीमतें बढ़कर 360 रुपये प्रति 50 किलोग्राम बोरी हुई

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां) । इस साल मई में सीमेंट उद्योग की बिक्री मात्रा के लिहाज से नौ प्रतिशत बढ़कर 3.96 करोड़ टन रही, जबकि सीमेंट की कीमतों में औसत आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई। एक रेटिंग एजेंसी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, सीमेंट उद्योग ने मई, 2025 में अच्छा प्रदर्शन किया और इस दौरान कीमतें आठ प्रतिशत बढ़कर 360 रुपये प्रति 50 किलोग्राम की बोरी हो गईं। रिपोर्ट के अनुसार कच्चे माल की स्थिर लागत के कारण परिचालन मार्जिन में भी सुधार हुआ, क्योंकि कोयले और पेटकोक की कीमतें कम हैं और डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में कीमतें सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 360 रुपये प्रति बोरी (50 किलोग्राम) हो गईं। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की समान अवधि में कीमतें सालाना आधार पर सात प्रतिशत घटकर 340 रुपये प्रति बोरी रह गईं थीं। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में अप्रैल और मई के दौरान बिक्री मात्रा सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 7.87 करोड़ टन हो गई। इक्रा ने संभावना जताई कि आवास और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों से निरंतर मांग के कारण चालू वित्त वर्ष में सीमेंट की बिक्री मात्रा सालाना आधार पर छह से सात प्रतिशत बढ़कर 48-48.5 करोड़ टन हो जाएगी।

भारत की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में घर ढूंढना एक बड़ी चुनौती

बेंगलुरु में 19 लाख का सिक्योरिटी डिपॉजिट देख हैरान रह गया कनाडियाई नागरिक

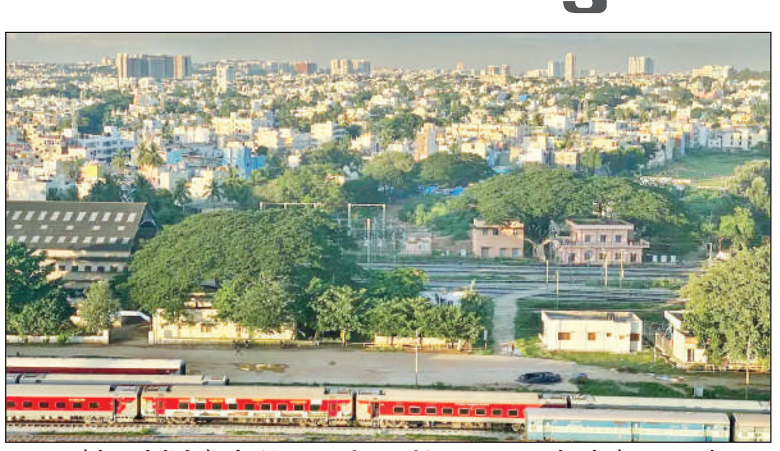

बेंगलूरू, 29 जून (एजेंसियां) । भारत की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में घर रेंट पर लेना या खरीदना एक बड़ी चुनौती है। हाल ही में बेंगलुरु में किराये के मकान को लेकर एक कनाडाई नागरिक ने सोशल मीडिया पर अपनी हैरानी जताई। दरअसल, कनाडा से आए कैलेब फ्रीसन ने जब बेंगलुरु के पॉश एरिया डोमलूर में एक 3बीएचके अपार्टमेंट का ऑनलाइन विज्ञापन देखा, तो उसमें लिखा था कि महीने का किराया 1.75 लाख रुपये है, लेकिन सिक्योरिटी डिपॉजिट 19.25 लाख रुपये1 उन्होंने इस लिस्टिंग की फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए लिखा, 19 लाख सिर्फ सिक्योरिटी के लिए पागलपन है ये! इतने में तो मैं नई महिंद्रा थार खरीद लूं1 उन्होंने ये भी पूछा कि क्या इंदिरानगर के आसपास कोई ऐसा घर है जहां सिर्फ 2-3 महीने का डिपॉजिट देना पड़े और किराया 80 हजार से 1 लाख रुपये के बीच हो उनकी पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और 43,000 से ज्यादा बार देखी गई1 इसके बाद बेंगलुरु के रियल एस्टेट और रेंटल सिस्टम को लेकर बहस शुरू हो गई। एक यूजर ने लिखा, आपको अपनी उम्मीदें छोड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। यहां रेंटल सिस्टम माफिया जैसा है।

दूसरे ने तंज कसा, इसलिए लोग कहते हैं कि घर खरीदना फिजूल है, बिना ब्याज के इतना पैसा डिपॉजिट देने से अच्छा है ईएमआई दो। एक और यूजर ने लिखा - मैं चेन्नई से बेंगलुरु शिफ्ट होना चाहता था, लेकिन जब मैंने किराया देखा तो लगा सैलरी से भी ज्यादा डिपॉजिट है, इसलिए जाने का प्लान छोड़ दिया।

सीबीडीटी के चेयरमैन का कार्यकाल बढ़ा, अब जून 2026 तक रहेंगे पद पर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल का कार्यकाल एक साल और बढ़ा दिया है। अब वह 1 जुलाई 2025 से 30 जून 2026 तक अनुबंध के आधार पर इस पद पर बने रहेंगे। यह फैसला मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने लिया। रवि अग्रवाल भारतीय राजस्व के 1988 बैच के अधिकारी हैं। उन्हें 1 जुलाई 2024 से सीबीडीटी चेयरमैन के तौर पर नियुक्त किया गया था और यह कार्यकाल उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख यानी 30 सितंबर 2024 तक था। उस समय ही यह स्पष्ट कर दिया गया था कि सेवानिवृत्ति के बाद वह 30 जून 2025 तक अनुबंध के आधार पर चेयरमैन के रूप में काम करते रहेंगे। अब इस अनुबंध को एक साल और बढ़ाकर जून 2026 तक कर दिया गया है। अग्रवाल इससे पहले सीबीडीटी में एडमिनिस्ट्रेशन सदस्य जैसे अहम पदों पर रह चुके हैं। जून 2024 में उन्होंने नितिन गुप्ता की जगह सीबीडीटी चेयरमैन का कार्यभार संभाला था।

तामुलपुर में मैराथन दौड़ का सफल समापन

तामुलपुर (असम) ,29 जून (एजेंसियां) ।

भारत-भूटान सीमा पर स्थित दरंगा में तामुलपुर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन रन फॉर हैप्पीनेस का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उपायुक्त पंकज चक्रवर्ती ने अपने संक्षिप्त भाषण में कहा, मुझे आशा है कि यह पहल राज्य भर में नशाखोरी, बाल विवाह और सड़क सुरक्षा जैसे मुद्दों पर एक सकारात्मक संदेश देगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिगंत कुमार चौधुरी ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में फैली बुराइयों जैसे नशा और बाल विवाह को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

स्थानीय विधायक जोलेन दैमारी ने रन फॉर हैप्पीनेस के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन और आम जनता को धन्यवाद् देते हुए विशेष रूप से उपायुक्त पंकज चक्रवर्ती का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नीति आयोग द्वारा आयोजित सर्वेक्षण में देश के 500 विकास खंडों में तामुलपुर विकास खंड ने पहला स्थान प्राप्त किया है, जो गर्व की बात है। के कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कुल 10 विजेताओं—5 पुरुष और 5 महिलाएं—को पुरस्कार प्रदान किए गए।

महिला विजेताओं में सोंगमीर टेरोंपी (कार्बी आंगलोंग), सेनलीबोन टेरोंपी (कार्बी आंगलोंग), प्रिया बासुमतारी (उदलगुरी), फूलमनी हसदा (तमुलपुर) तथा अनीता हसदा (तमुलपुर) शामिल हैं।

वहीं पुरुष विजेताओं मेंटिकेश्वर कुर्मी (गोलाघाट),हितेश बोड़ो (बाक्सा), सूर्या दास (मोरीगांव), बंजार टेरों (पश्चिम कार्बी आंगलोंग) तथा संदीप सिंह (जम्मू) शामिल हैं।

कुल पुरस्कार राशि एक लाख रुपये रही।

आयोजन में विधायक जोलेन दैमारी, पूर्व विधायक इमैनुएल मुशाहारी, मनोनीत एमसीएलए हेमंत कुमार राभा, जिला प्रशासन व विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी, स्वयं सहायता समूहों के सदस्य, छात्र और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

एसेक्स की ओर से खेलेगे खलील

मुम्बई। तेज गेंदबाज खलील अहमद को भारत ए की ओर अच्छा प्रदर्शन करने का लाभ हुआ है। खलील को काउंटी क्रिकेट खेलने का अवसर मिला है। खलील अब काउंटी टीम एसेक्स की ओर से खेलेगे। खलील ने इस साल आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था। खलीन ने अब तक भारतीय टीम की ओर से 11 एकदिवसीय और 18 टी20 मैच खेले हैं। बाएं हाथ के अच्छे तेज गेंदबाजों की काउंटी टीमों में हमेशा ही मांग बनी रहती है। इसी कारण खलील ने 2025 सत्र के अंत तक के लिए काउंटी चैंपियनशिप और एकदिवसीय कप मैच खेलने के लिए एसेक्स के साथ करार किया है। खलील मई के अंत से ही इंग्लैंड में हैं और उन्होंने वहां भारत ए की ओर से खेला है।. उन्होंने नॉर्थम्प्टन में पहले मैच में जेम्स रेव, जॉर्ज हिल, क्रिस वोक्स और एसेक्स में अपने साथी जॉर्डन कॉक्स को आउट किया था। खलील ने अपने एक बयान में कहा, मैंने एसेक्स क्लब के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं इसका हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं और अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करुंगा।मैं चेम्सफोर्ड में खेलने, एसेक्स सदस्यों और प्रशंसकों से मिलने और ऐसा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हूं, जिस पर वे गर्व का अनुभव कर सकें।

शास्त्री बोले, शुभमन को अगले तीन साल तक कप्तान बने रहने दें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि युवा कप्तान शुभमन गिल की

कप्तान का अंदाज काफी अच्छी है। इसलिए अगले तीन साल तक उन्हें अवसर दिया जाना चाहिये। शास्त्री ने कहा कि इस दौरान टीम का प्रदर्शन चाहे कैसा भी रहे शुभमन को नहीं बदला जाना चाहिये। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद शुभमन को इंग्लैंड दौरे से पहले कप्तान बनाया गया था। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले ही टेस्ट में पांच शतक लगाये पर इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे मैच के दौरान अच्छा था हालांकि कुछ गलतियों के कारण उसे हार झेलनी पड़ी पूर्व कोच के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली व आर अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों के बाहर होने के बाद शुभमन अब एक बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि गिल में क्लास और शांति का एक अनोखा संगम है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। इसलिए अगर वह कप्तानी में आगे नहीं बढ़ते हैं तो मुझे निराशा होगी। उनमें एक सहज, नजाकत है और जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो उनमें एक शाही अंदाज दिखता है। अगर वह अनुभव से सीख सकते हैं और हालातों के अनुकूल ढल सकते हैं, तो मुझे लगता है कि मैं सिर्फ उन्हीं का नाम ले सकता हूं। इस पूर्व कोच का मानना है कि मैदान के बाहर भी इस क्रिकेटर का विकास उतना ही प्रभावशाली रहा है। शास्त्री ने कहा, वह बहुत परिपक्व हो गए हैं। जिस तरह से वह मीडिया को संभालते हैं, जिस तरह से वह प्रेस कॉन्फ्रेंस में और टॉस के समय बात करते हैं, वह बहुत परिपक्व हो गए हैं। उन्होंने चयनकर्ताओं और बीसीसीआई से युवा खिलाड़ी के साथ धैर्य रखने का आग्रह किया।

रोड्स ने डब्ल्यूडब्ल्यूई नाइट ऑफ चैंपियंस जीती, ऑर्टन हुए घायल

सेन डियागो। रेसलर रैंडी ऑर्टन डब्ल्यू डब्ल्यू ई नाइट ऑफ चैंपियंस 2025 मुकाबले में कोडी रोड्स से मिली

हार के दौरान ही घायल हो गये। रोड्स इस मैच में जीत के साथ ही किंग ऑफ द रिंग बन गये। वहीं मैच के दौरान ऑर्टन की पीठ में चोट लग गई। इससे प्रशंसक और आयोजक भी परेशान हो गये। वहीं कुछ लोगों ने ऑर्टन की चोट को नकली बताया है। वहीं कुछ का मानना है कि अब ये रेललर लंबे समय के लिए बाहर हो गया है। ऑर्टन को पहले भी पीठ की समस्या रही है। इसी कारण वह एक साल से ज्यादा समय तक रिंग से बाहर रहे थे। मैच के दौरान ऑर्टन सुपरप्लेक्स के दौरान घायल हो गये। उन्होंने तुरंत अपनी पीठ पकड़ ली। मैच के बाकी समय में उन्हें दर्द में देखा गया। लोगों ने देखा कि उन्हें चलने तक में परेशानी हो रही थी। ऑर्टन ने मैच के दौरान कुछ अवसरों पर रेफरी से भी बात की। डब्ल्यू डब्ल्यू ई ने हालांकि अभी तक इसको लेकर कुछ नहीं कहा है पर कहा जा रहा है कि ऑर्टन की चोट का आंकलन हो रहा है। किया जा रहा है। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि इस रेसलर का घायल होना सहानुभूति पाने या उन्हें कुछ सप्ताह के लिए टीवी से दूर रखने का एक तरीका है हालांकि ऑर्टन को पहले भी गर्दन में चोट लग चुकी है। इसलिए कई प्रशसंकों का ये भी मानना है कि यह केवल एक नाटक नहीं है। ऑर्टन की चोट ने समर स्लैम में उनके भाग लेने पर भी सवाल उठा दिये हैं।

विदेश में ऋषभ पंत के शतक वाले ज्यादातर मैचों में भारत हारा

पंत के 5 टेस्ट में 6 शतक के बावजूद 4 हार और 1 ड्रॉ

नई दिल्ली,29 जून (एजेंसियां) ।

टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने विदेशी जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक 6 शानदार शतक जड़े हैं, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अनोखा और कुछ हद तक निराशाजनक संयोग भी रहा है कि जिन 5 टेस्ट मैचों में उन्होंने ये सेंचुरी लगाई, उनमें से एक में भी भारत को जीत नसीब नहीं हुई। पंत के विदेशी शतकों में भारत को चार बार हार झेलनी पड़ी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनका यह सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट से शुरू होता है और अब तक जारी है।

पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के दौरान हेडिंग्ले के मैदान पर पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन की दो जबरदस्त पारियां खेलीं। लगा कि यह मैच भारत के पक्ष में जाएगा, मगर भारत 5 विकेट से हार गया। इसके बाद भी पंत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन नतीजे भारत के पक्ष में नहीं जा सके। साल 2018 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केनिंगटन ओवल में अपने करियर का पहला टेस्ट शतक जमाया था। उन्होंने 114 रन बनाए थे, पर भारत वह मैच भी हार गया। 2019 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट में उन्होंने 159 रन की नाबाद पारी खेली। उस समय उनकी बल्लेबाज़ी ने टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, लेकिन मैच का नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला ड्रॉ रहा। 2022 में पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन के न्यूलैंड्स टेस्ट में 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ एजबस्टन में पंत ने 146 रन की शानदार पारी खेली। यह पारी उस मुश्किल समय में आई जब भारत संकट में था। उन्होंने टीम को संभाला, लेकिन इसके बावजूद भारत मैच हार गया। इस तरह ऋषभ पंत ने विदेशी सरजमीं पर पांच टेस्ट में छह शतक लगाए हैं, मगर इनमें से भारत को एक भी जीत नसीब नहीं हुई।

फैंस और विशेषज्ञ दोनों ही मानते हैं कि पंत का विदेशी पिचों पर यह आक्रामक और भरोसेमंद अंदाज भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद जरूरी है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि क्या आने वाले इंग्लैंड दौरे में यह संयोग टूटेगा और पंत की शतकीय पारी भारत को जीत दिला पाएगी। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि ऋषभ पंत का यह दुर्भाग्यपूर्ण आंकड़ा जल्द ही बदल जाएगा और उनकी शतकीय पारियां भविष्य में भारत की जीत की गारंटी बनेंगी।

प्रिटोरियस सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका खिलाड़ी बने

बुलावायो । दक्षिण अफ्रीका के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने अपने डेब्यू मैच में ही 153 रनों की शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही 19 साल के प्रिटोरियस डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका के सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गये हैं। अपनी इस शतक से हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 61 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। लुआन के शतक से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टेस्ट मैच के पहले ही अच्छा खासा स्कोर बना लिया। 61 साल पुराना पोलक का रिकार्ड तोड़ा प्रिटोरियस ने 160 गेंदों पर 112 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 153 रन बनाए। लुआन ने 19 साल 93 दिन की उम्र में ये टेस्ट शतक लगााया। इससे पहले सबसे कम उमे में शतक का रिकार्ड ग्रीम पोलॉक के नाम था जिन्होंने 1964 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में 19 साल 317 दिन की उम्र में शतक लगाया था। प्रिटोरियस ने अपना शत 112 गेंदों पर पूरा किया। प्रिटोरियस की शतकीय पारी से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले दिन का खेल खत्म होने पर पहली पारी में 9 विकेट पर 418 रन बना लिए थे। कॉर्बिन बॉश 100 रन जबकि क्वेन मफाका 9 रनों पर खेल रहे थे। अपने डेब्यू टेस्ट में डेवाल्ड ब्रेविस ने 51 रन जबकि कोडी यूसुफन` 27 रन बनायचे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने शीर्ष के 4 विकेट केवल 55 रनों पर ही खो दिये। इसके बाद प्रिटोरियस और डेवाल्ड ब्रेविस ने मिलका पारी को संभालाकर आगे बढ़ाया।

स्मृति मंधाना के शतक से भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 में 97 रन से हराया

नॉटिंघम,29 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की इस शानदार जीत की नायक रहीं कप्तान स्मृति मंधाना, जिन्होंने दमदार शतक जड़कर टीम की नींव मजबूत की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत सधी हुई रही, लेकिन असली कमाल कप्तान स्मृति मंधाना ने किया। उन्होंने 55 गेंदों पर 103 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उनके साथ जेमिमा रॉड्रिग्स (32 रन) और दीप्ति शर्मा (28 रन) ने भी अहम योगदान दिया। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 210 रन बनाए, जो कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत का अब तक का सर्वाधिक टी20 स्कोर है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान नेट सिवर ब्रंट ने 41 गेंदों में 66 रन बनाकर लड़ाई की कोशिश जरूर की, लेकिन उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की पूरी टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर सिमट गई।

भारतीय गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। श्री चरणी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से 4 विकेट झटके, जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। अमनजोत कौर और अरुंधति रेड्डी ने भी 1-1 सफलता हासिल कर इंग्लैंड की कमर तोड़ दी।

अब दोनों टीमें 01 जुलाई को ब्रिस्टल में दूसरे टी20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत इस जीत को दोहराने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड वापसी की रणनीति पर काम करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अंतरिक्ष में...

उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिक्ष में तिरंगा लहराकर उन्होंने खुद को गौरवशाली महसूस किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर मौजूद भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। शुभांशु पहले भारतीय हैं, जो इस मिशन के पायलट बनकर अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे हैं। पीएम मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों की ओर से उन्हें बधाई दी और कहा, आप मातृभूमि से काफी दूर हैं, लेकिन भारतीय दिलों के सबसे करीब हैं। आपके नाम में शुभ है और आपकी यात्रा नए युग का शुभारंभ है। शुभांशु ने कहा, प्रधानमंत्री जी आपके नेतृत्व ने मेरे जैसे जाने कितने लोगों को अपना सपना सच करने का मौका दिया है। मैं इसके लिए आपका और सम्पूर्ण देशवासियों का आभारी हूं। शुभांशु ने बताया कि जब वे पहली बार अंतरिक्ष में पहुंचे और पृथ्वी को देखा, तो वह नजारा बेहद भव्य था। पृथ्वी पूरी तरह एक दिखती है, कोई बॉर्डर या सीमा रेखा नहीं। खास तौर पर भारत को अंतरिक्ष से देखने का अनुभव बहुत भावुक करने वाला है। हम नक्शे में भारत को जितना बड़ा देखते हैं, असल में वह उससे कहीं ज्यादा विशाल और गौरवशाली लगता है। अंतरिक्ष से देखने पर यह अहसास होता है कि कोई देश, राज्य या सीमा नहीं है, सिर्फ मानवता है और पृथ्वी हमारा घर है। यहीं पर वसुधैव कुटुंबकम चरितार्थ होता हुआ दिखता है।पीएम मोदी ने शुभांशु से जीरो ग्रैविटी के बारे में और जीरो ग्रैविटी के साथ अनुकूलन के बारे में पूछा। शुभांशु ने कहा, अंतरिक्ष में सब कुछ अलग है। पिछले एक साल की ट्रेनिंग के बावजूद यहां आकर सब बदल गया। हमारे शरीर को गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) की आदत होती है, लेकिन यहां माइक्रो ग्रैविटी में छोटी-छोटी चीजें भी मुश्किल हो जाती हैं। अभी बात करते वक्त मैंने अपने पैर बांध रखे हैं, वरना ऊपर उड़ जाऊंगा। माइक छोड़ दूं तो वो तैरने लगेगा। अंतरिक्ष में पानी पीना, चलना और सोना भी चुनौतीपूर्ण है।

भारत ने...

इसका असर विशेष कर पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार के जूट उत्पादक इलाकों के किसानों पर पड़ता है। इन इलाकों में जूट बड़ी आबादी की आय का स्रोत है। जूट उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय जूट मिल्स एसोसिएशन ने वर्ष 2024 में इस मामले में केंद्र सरकार से सहायता भी मांगी थी। जूट मिल्स एसोसिएशन ने कहा था कि 2024 में जूट की बम्पर फसल के बावजूद बांग्लादेश से बड़ी मात्रा में जूट का आयात किया गया क्योंकि उसके दामों में अंतर था। जूट मिल्स एसोसिएशन ने कहा था कि भारतीय मिलें इसके चलते भुगतान नहीं कर पर रहीं हैं। अब इस फैसले से भारतीय उत्पादकों और मिलों को कुछ राहत मिलने की संभावना है।

भारत ने मई 2025 में बांग्लादेश से आने वाले रेडिमेड कपड़ों, प्रोसेस्ड फूड और फ्रूट ड्रिंक्स आदि पर प्रतिबंध लगा दिया। भारत ने बांग्लादेश से आने वाले प्लास्टिक और लकड़ी के सामान पर भी कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। बांग्लादेश से आने वाले कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, बेक्ड सामान, स्नैक्स, चिप्स और कन्फेक्शनरी, कपास और कॉटन यार्न, प्लास्टिक और पीवीसी से तैयार सामान और लकड़ी के फर्नीचर के सामान प्रतिबंधित हैं। बांग्लादेश ये सामान असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, पश्चिम बंगाल या बिहार में किसी भी जमीनी रास्ते या जमीनी पोर्ट के माध्यम से नहीं भेज सकता। भारत द्वारा लगाए इन प्रतिबंधों के चलते बांग्लादेश को वार्षिक तौर 770 मिलियन डॉलर (6500 करोड़ से अधिक) का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया था। यह बांग्लादेश के भारत को कुल निर्यातों का लगभग 42 प्रतिशत होता है। बिजनेस थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (डीटीआरआई) की 18 मई 2025 को प्रकाशित रिपोर्ट में भारत की ओर से लगाई गई पाबंदियों से बांग्लादेश को हो रहे भीषण आर्थिक नुकसान का आकलन किया गया।

बांग्लादेश इस समय आर्थिक चुनौतियों, विशेष रूप से कपड़ा उद्योग में गिरावट और बिजली संकट का सामना कर रहा है। बिजली संकट का एक मुख्य कारण भारत की अडानी पावर को लंबे समय से बकाया भुगतान न किया जाना है। कई महीनों तक भुगतान न मिलने के कारण अडानी पावर ने बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति रोक दी थी। हालांकि, फरवरी 2025 में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस द्वारा झारखंड स्थित गोड्डा संयंत्र से आपूर्ति बहाल करने का अनुरोध किए जाने के बाद, अडानी पावर ने बिजली आपूर्ति फिर से शुरू कर दी। इसके बाद, बांग्लादेश ने धीरे-धीरे बकाया भुगतान करना शुरू किया, जिससे इस महीने की शुरुआत में अडानी के दोनों संयंत्रों से बिजली आपूर्ति में इजाफा हुआ। वर्तमान में अडानी पावर को बांग्लादेश से हर महीने 80-90 मिलियन डॉलर की नियमित भुगतान राशि मिल रही है, जिसमें मौजूदा खपत के भुगतान भी शामिल हैं। कुल बकाया राशि लगभग 820-830 मिलियन डॉलर बताई जा रही है, जिसका भुगतान आने वाले महीनों में किए जाने की उम्मीद है।

एससी-एसटी...

और न्यायपालिका उसका संवैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करने का काम करती है। सीमाओं का अतिक्रमण संतुलन को बिगाड़ देगा। चीफ जस्टिस ने कहा कि केवल एक कानूनी दस्तावेज ही नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का साधन भी है।

जनगणना का ...

पहला चरण- मकान सूचीकरण काम जिसे हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) भी कहा जाता है। इसमें हर घर की स्थिति, सुविधाएं और संसाधनों की जानकारी ली जाती है। वहीं दूसरा चरण- जनसंख्या गणना का है, यह चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा। इसमें हर व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक जानकारी ली जाएगी। इस चरण में सरकार यह पता लगाएगी कि घर की दीवार, छत और फर्श किस सामग्री की बनी है। घर में कितने कमरे हैं, कितने लोग रहते हैं, घर में शादीशुदा जोड़े हैं या नहीं, क्या घर का मुखिया महिला है या वह अनुसूचित जाति/जनजाति से है। इस बार की जनगणना खास होगी क्योंकि यह पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी। इसके लिए मोबाइल ऐप का इस्तेमाल होगा। साथ ही, लोगों को स्वयं से जानकारी देने की सुविधा भी दी जाएगी।

सरकार ने बताया कि जनगणना के लिए 34 लाख से अधिक पर्यवेक्षक और गणनाकार तैनात किए जाएंगे। वहीं 1.3 लाख से अधिक जनगणना अधिकारी काम में लगाए जाएंगे। यह भारत की 16वीं जनगणना होगी। जबकि स्वतंत्रता के बाद यह 8वीं बार जनगणना होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस बार जातिगत आंकड़े भी एकत्रित किए जाएंगे। यह फैसला लंबे समय से सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों की मांग पर आधारित है। वहीं राज्य सरकारों और जिला प्रशासन से कहा गया है कि वे गणनाकारों की नियुक्ति और उनके कार्यों का बंटवारा जल्द करें, ताकि समय पर काम शुरू किया जा सके।

सेना के पराक्रम...

भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के 14 सैन्य ठिकानों को ध्वस्त कर दिए। इससे घबराए पाकिस्तान ने भारत के सामने घुटने टेकते हुए सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसे दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू किया।अमित शाह ने नक्सलवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर भी महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा, हमारी नीति बिल्कुल स्पष्ट है। जो हथियार लेकर चल रहे हैं, उनसे कोई बातचीत नहीं होगी। मैं नक्सलवाद से जुड़े लोगों से अपील करता हूं कि वे हथियार छोड़ें, आत्मसमर्पण करें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ें। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि सरकार ने 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य तय किया है।केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि जो लोग बंदूक की राह पर चल रहे हैं, वे विकास और लोकतंत्र की राह अपनाएं। सरकार उन्हें पुनर्वास का पूरा मौका देगी। पिछले कुछ वर्षों में नक्सल प्रभावित इलाकों में पुलिस और केंद्रीय बलों की सख्त कार्रवाई के चलते हिंसा की घटनाएं काफी कम हुई हैं। केंद्र सरकार लगातार राज्य सरकारों के साथ मिलकर विकास कार्य और सुरक्षा उपायों को आगे बढ़ा रही है।

गढ़वाल राइफल्स के...

को औपचारिक रूप से सौंपा गया। इस अवसर पर भारतीय सेना की सबसे प्रतिष्ठित पैदल सेना रेजिमेंटों में से एक की गौरवशाली वंशावली, वीरता और समय-सम्मानित विरासत का जश्न मनाया गया, जिसमें स्काउट बटालियन सहित 27 बटालियन शामिल थीं।अपने कार्यकाल के दौरान, लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया और रेजिमेंटल मेल-भाव को मजबूत किया, तथा गढ़वाल राइफल्स को परिभाषित करने वाले व्यावसायिकता और सौहार्द के उच्चतम मानकों को कायम रखा। लेफ्टिनेंट जनरल डीएस राणा एक कुशल नेतृत्वकर्ता और सम्मानित अधिकारी हैं, जो अपने साथ परिचालन अनुभव और रणनीतिक कौशल की दक्षता लेकर आए हैं। 23वीं रेजिमेंट के कर्नल का पदभार ग्रहण करते हुए उन्होंने वीर गढ़वाली योद्धाओं के चरित्र, अनुशासन और सैन्य विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जो हमेशा राष्ट्र की सेवा में अडिग रहे हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल डीएस राणा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने रेजिमेंट के बहादुरों के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करते हुए युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

योग दिवस की ...

अभी कुछ दिन पहले हमने भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा भी देखी है। ओड़ीशा हो, गुजरात हो, या देश का कोई और कोना, लाखों श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल होते हैं। उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम, ये यात्राएं एक भारत-श्रेष्ठ भारत के भाव का प्रतिबिंब है। जब हम श्रद्धा भाव से, पूरे समर्पण से और पूरे अनुशासन से अपनी धार्मिक यात्रा सम्पन्न करते हैं तो उसका फल भी मिलता है। मैं यात्राओं पर जा रहे सभी सौभाग्यशाली श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। जो लोग सेवा भावना से इन यात्राओं को सफल और सुरक्षित बनाने में जुटे हैं, उन्हें भी साधुवाद देता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल के भयानक दिनों की याद करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व रक्षा मंत्री जगजीवन राम के ऑडियो भी सुनाए, जिसमें उन्होंने आपातकाल की त्रासदी के अपने-अपने अनुभव सुनाए थे। उन्होंने बताया था कि किस तरह उस वक्त नागरिकों के अधिकार छीने गए, अखबारों पर प्रतिबंध लगाया गया और लाखों लोगों को जेल में डाल दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की जनता ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए बड़ी कुर्बानी दी और अंत में लोकतंत्र की जीत हुई।प्रधानमंत्री मोदी ने देश के लोगों को गर्व के साथ बताया कि भारत को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ट्रेकोमा मुक्त देश घोषित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट का जिक्र भी किया, जिसमें बताया गया था कि भारत की 64 प्रतिशत आबादी को अब सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जो पहले केवल 19 प्रतिशत लोगों तक सीमित था। प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना, कर्नाटक और मध्य प्रदेश की महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की कहानियों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे महिलाएं मिलेट्स से बिस्किट बनाकर विदेश तक बेच रही हैं, सैनिटरी पैड बना रही हैं और मशरूम की खेती और रोटियों का ब्रांड बना रही हैं।

पीएम मोदी जी ने असम के बोडोलैंड क्षेत्र में हो रहे सीईएम कप की सराहना भी की जिसमें 70 हजार से ज्यादा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज बोडोलैंड शांति, खेल और ऊर्जा का प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री ने पुणे के रमेश खरमाले और अहमदाबाद के मिशन फॉर मिलियन ट्रीज जैसी पहल की भी सराहना की। उन्होंने महाराष्ट्र के पाटोदा गांव की भी तारीफ की, जिसे कार्बन न्यूट्रल ग्राम पंचायत बनाया गया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि अहमदाबाद नगर निगम ने पर्यावरण संरक्षण के लिए मिशन फॉर मिलियन ट्रीज अभियान शुरू किया है, जिसमें लाखों पेड़ लगाए जा रहे हैं। इस पहल की खास बात है सिंदूर वन, जो ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों को समर्पित है। यहाँ सिंदूर के पौधे उन वीरों की याद में लगाए जा रहे हैं जिन्होंने देश के लिए बलिदान दिया। इसके साथ-साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसके तहत अब तक देशभर में करोड़ों पेड़ लगाए जा चुके हैं। यह अभियान लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करता है और भावनात्मक रूप से जोड़ता है।

मकर सहित अन्य राशियों को होगा धन लाभ, महादेव मिटाएंगे सभी दुख-दर्द

आज यानी 30 जून सोमवार है और आज चंद्रमा का संचार सिंह राशि में होगा। आज सोमवार होने के कारण चंद्रमा का प्रभाव पूरे दिन रहेगा। और चंद्रमा मंगल के साथ सिंह राशि में धन लक्ष्मी योग का निर्माण करेंगे। इसके साथ ही आज शुक्र अपनी राशि वृषभ में विराजमान होंगे और राजयोग बनाएंगे। इस पर आज जून महीने का अंतिम दिन है और मंगल का पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में संचार होगा। इसके साथ ही मघा और पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के संयोग में आज सिद्धि योग भी बनने जा रहा है। इस पर सोमवार होने की वजह से आज का दिन शिवजी को समर्पित होगा। जिससे आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। ऐसे में आज सोमवार का दिन सिद्धि योग और शिवजी की कृपा से मकर सहित 5 राशियों के लिए शुभ और लाभदायक रहने वाला है। आज इन राशियों को धन लाभ के आर्ज मौके मिलेंगे और ये इन्हें भुनाने में सफल होंगे। इसके साथ ही आपके परिवार में सुख शांति रहेगी।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको क्रिएटिविटी, बुद्धिमत्ता और शिक्षा के क्षेत्र में विशेष सफलता मिल सकती है। इसके साथ ही आज आपके विचारों में स्पष्टता रहेगी और आप उन्हें अच्छे से व्यक्त करने में भी सफल होंगे। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत होगी। आज आपकी नेतृत्व क्षमता की तारीफ होगी। आप मानसिक कार्यों में अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। आज आप जोखिम लेने से भी नहीं घबराएंगे। आज शेयर बाजार, मनोरंजन, शिक्षा, डिजिटल मीडिया, लेखन, विज्ञापन, डिजाइनिंग आदि से जुड़े जातकों को अपने-अपने क्षेत्र में रचनात्मकता का विशेष फायदा मिल सकता है। कारोबार में आपको प्रभावशाली लोगों का समर्थन मिल सकता है जिससे आपको भविष्य में फायदा हो सकता है। परिवार में सुख शांति रहेगी। खासकर आज आपको संतान सुख प्राप्त हो सकता है। बच्चों की तरफ से कोई खुशखबरी मिलने से गर्व का अहसास होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बना रहेगा।

उपाय : आज महादेव के सम्मुख घी का दीया जलाएं और उन्हें सूखा नारियल चढ़ाएं। इसके साथ ही शिव चालीसा और हनुमान चालीसा का पाठ करें। इससे शिवजी की कृपा प्राप्त होगी।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको मानसिक शांति का अहसास होगा। घर में सुख-सुविधाओं में इजाफा होगा। इसके साथ ही आज आपको स्थायी संपत्ति से भी भरपूर लाभ मिलने के आसार हैं। परिवार में आज आपको माता का पूरा सहयोग और स्नेह प्राप्त होगा। इसके अलावा आपको वाहन सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। परिवार में भावनात्मक संतुलन बना रहेगा। यही नहीं आज रियल एस्टेट, इंटीरियर डिजाइनिंग, डेयरी प्रोडक्ट्स, होम डेकोर, फैशन, संगीत, आजा और वाहनों की खरीद फरोख्त से जुड़ा काम करने वालों को जबरदस्त लाभ हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए आज का दिन उम्मीद से बेहतर परिणाम लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदार मिल सकती है। आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा जिससे आप अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल होंगे। आपके जीवन में स्थायित्व होगा। परिवार में सुख समृद्धि रहेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

उपाय : आज शिवलिंग पर कम से कम 21 बेल पत्र चढ़ाएं। इसके साथ ही मां पार्वती को लाल चुनरी चढ़ाएं। इससे आपके घर में सुख समृद्धि बनी रहेगी।

कर्क राशि – आज सोमवार का दिन कर्क राशि के जातकों के लिए बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज आप अपनी मधुर वाणी से करियर से लेकर कारोबार और परिवार में अच्छे संबंध बनाकर चलेंगे। आपके पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगा। आज कारोबार में आपके अटके हुए काम पूरे होंगे। खान-पान, रसोई, डेयरी, जल उत्पाद, घरेलू वस्तुएं, सिल्वर, व्यापार, शिक्षा आदि से जुड़े काम करने वालों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आज कार्यक्षेत्र में आप भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे जिससे विश्वसनीयता और सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे। आज आप न सिर्फ धन कमाएंगे बल्कि उसका संचय भी कर पाएंगे। वाणी की मिठास से लोगों को प्रभावित करेंगे। जिससे आपके व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बनेंगे। आपको पारिवारिक सहयोग भी अच्छी तरह मिलेगा। परिवार में आपके सुख चैन बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी। बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं।

उपाय : आज भोलेनाथ को गेहूं के आटे, शक्कर और घी से बने पकवान का भोग लगाएं। पूजा के बाद प्रसाद को बांट दें। इसके साथ ही जरूरतमंदों को सफेद वस्त्रों का दान कर सकते हैं।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों को आज सोमवार को भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। आज आपको न सिर्फ आर्थिक लाभ मिलने के आसार हैं बल्कि करीबी दोस्तों व सामाजिक सहयोग के दम पर आप अपनी महत्वाकांक्षाओं को भी पूरा कर पाएंगे। आज कारोबार में आपके अटके हुए काम तेजी से पूरे होंगे। अगर कहीं आपका धन फंसा हुआ है तो आज वह वापस मिल सकता है जिससे आप प्रसन्न होंगे। इसके साथ ही सौंदर्य, संतुलन, आजा, न्याय और व्यापार के क्षेत्र से जुड़े जातकों को आज विशेष लाभ मिल सता है। इसके साथ ही आज आपको प्रभावशाली लोगों से भी संपर्क का मौका मिलेगा। व्यापार में नेटवर्किंग से लाभ मिलता है। मित्रों, उच्च पदस्थ लोगों और संगठनों से सहयोग मिलने से आपको लाभ ही होगा। आपकी आय में बी आज बढ़ोतरी होने के आसार हैं। आर्ज स्रोतों से धन प्राप्त हो सकता है। आपके सामाजिक दायरे में विस्तार होगा और आप अपने आकर्षण व व्यवहारकुशलता से लोगों को प्रभावित करने में सफल होंगे। आपको व्यापार में स्थिरता और विस्तार दोनों मिल सकता है। आपके परिवार में आज खुशियां रहेंगी। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

उपाय : आज शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। इसके बाद सफेद चंदन से शिवलिंग पर ऊं की आकृति बनाएं। साथ ही आज जरूरतमंदों को चावल का दान करें। आपके कार्य पूरे होंगे।

मकर राशि – मकर राशि के जातकों को आज सोमवार को उम्मीद से बढ़कर लाभ मिल सकता है। आज आपको कारोबार में जबरदस्त लाभ मिल सकता है। खासकर आज रहस्यमयी विषयों, शोध, चिकित्सा और बीमा जैसे क्षेत्रों से जुड़े जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। आज आपमें अनुशासन का प्रभाव दिखेगा। कामकाज में आप मेहनत और गंभीरता बरतेंगे जिससे आपको लाभ जरूर मिलेगा। आज के दिन की सबसे अच्छी बात यह है कि आपमें धैर्य कूट कूटकर भरा होगा जिससे आप कठिन परिस्थितियों का भी साहस से सामना कर लेंगे। इसके अलावा आज आपको धन का गुप्त लाभ भी हो सता है। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। तंत्र-मंत्र, मनोविज्ञान, खुफिया एजेंसी जैसे क्षेत्रों से जुडे जातकों को आज अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। आज आपके परिवार में मौज मस्ती का माहौल रहेगा। जीवनसाथी के साथ अगर अनबन चल रही थी तो आज आपके संबंध सुधर सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिहाज से भी आज का दिन अनुकूल रहने वाला है।

उपाय : आज शिवलिंग पर दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल और धतूरा आदि चढ़ाएं। इस दौरान सच्चे मन से 108 बार ऊं नम: शिवाय मंत्र का जप करें। इससे आप पर शिवजी की कृपा बनी रहेगी।

आषाढ़ पूर्णिमा पर इंद्र योग समेत बन रहे हैं कई अद्भुत संयोग मिलेगा दोगुना फल

वैदिक पंचांग के अनुसार, 10 जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा है। आषाढ़ पूर्णिमा के दिन गुरु पूर्णिमा भी मनाई जाती है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि आषाढ़ पूर्णिमा के दिन वेदव्यास जी का जन्म हुआ था। इसके लिए इस शुभ तिथि पर गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है।

ज्योतिषियों की मानें तो आषाढ़ पूर्णिमा तिथि पर इंद्र योग समेत कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। साथ ही साधक पर भगवान विष्णु की कृपा बरसेगी।

आषाढ़ पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 10 जुलाई को देर रात 01 बजकर 36 मिनट पर आषाढ़ पूर्णिमा की शुरुआत होगी। वहीं, 11 जुलाई को देर रात 02 बजकर 06 मिनट पर आषाढ़ पूर्णिमा का समापन होगा। सनातन धर्म में सूर्योदय से तिथि की गणना होती है। अतः 10 जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा मनाई जाएगी। आषाढ़ पूर्णिमा पर चंद्रोदय समय शाम 07 बजकर 20 मिनट पर है।

इंद्र योग

ज्योतिषियों की मानें तो आषाढ़ पूर्णिमा पर इंद्र योग का संयोग बन रहा है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक को आरोग्य जीवन का वरदान मिलेगा। साथ ही सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलेगी। इंद्र योग का संयोग रात 09 बजकर 38 मिनट तक है।

भद्रावास योग

आषाढ़ पूर्णिमा पर भद्रावास योग का भी निर्माण हो रहा है। इस योग का संयोग दोपहर 01 बजकर 55 मिनट तक है। इस दौरान भद्रा पाताल में रहेंगी। इन योग में गंगा स्नान कर भगवान विष्णु और वेदव्यास जी की पूजा करने से हर मनोकामना पूरी होगी।

नक्षत्र एवं चरण

ज्योतिषियों की मानें तो वैशाख पूर्णिमा पर पूर्वाषाढ़ा योग का भी संयोग है। पूर्वाषाढ़ा योग पूर्ण रात्रि तक है। इसके साथ ही बव करण के भी संयोग है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक के जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाएंगे।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05 बजकर 31 मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 07 बजकर 22 मिनट पर

चन्द्रोदय– शाम 07 बजकर 20 मिनट पर

चन्द्रास्त– नहीं

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 10 मिनट से 04 बजकर 50 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 45 मिनट से 03 बजकर 40 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 07 बजकर 21 मिनट से 07 बजकर 41 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात्रि 12 बजकर 06 मिनट से 12 बजकर 47 मिनट तक

ध्यान फाउंडेशन: करुणा और सतत परिवर्तन का एक वैश्विक प्रतीक

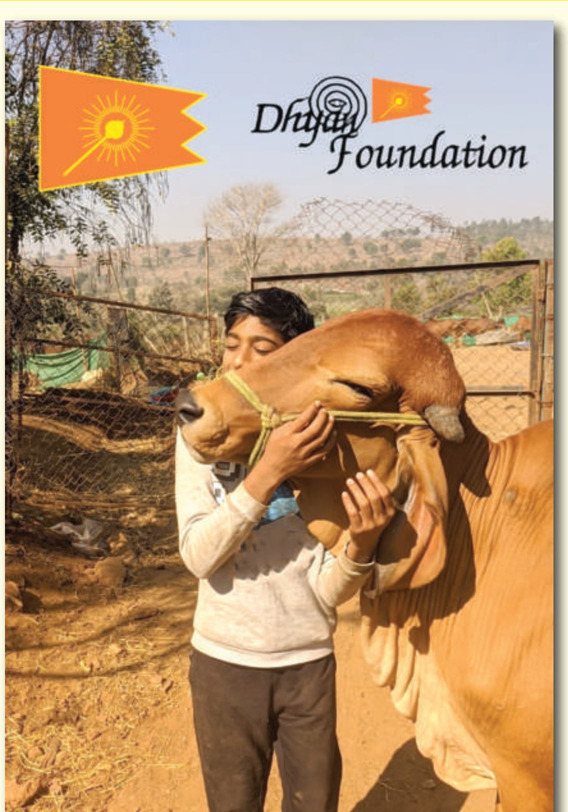

ध्यान फाउंडेशन एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) है जो घायल, परित्यक्त और तस्करी किए गए जानवरों के बचाव, पुनर्वास और आजीवन देखभाल के लिए समर्पित है। फाउंडेशन धर्म के गहरे मूल्यों और प्राचीन वैदिक ज्ञान को आधार बनाकर, बड़े पैमाने पर मानवीय हस्तक्षेप के माध्यम से मूक प्राणियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। आदरणीय अश्विनी गुरुजी द्वारा निर्देशित, ध्यान फाउंडेशन एक नॉट-फॉर-प्रॉफिट एनजीओ है जो ट्रस्ट डीड (2235, एडिशनल बुक नंबर 4 27/5/2002) के तहत नई दिल्ली में पंजीकृत है। यह एक स्वयंसेवी आधारित आध्यात्मिक और धर्मार्थ एनजीओ है, जिसके स्वयंसेवक भारत भर में बीमार, घायल और परित्यक्त जानवरों की रक्षा और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अश्विनी गुरुजी का समर्पण और फाउंडेशन का मिशन

ध्यान फाउंडेशन के इस मिशन के मूल में अश्विनी गुरुजी का समर्पण है, जो इसकी विभिन्न पहलों को ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करते हैं। गुरुजी ने अपना जीवन, समय और संपत्ति सभी प्राणियों के उत्थान और संरक्षण के लिए समर्पित कर दी है। उनके मार्गदर्शन में, हजारों स्वयंसेवक विश्व स्तर पर करुणा, सेवा और जिम्मेदारी के पथ पर अग्रसर हैं, और वे कमजोरों के अभिभावक तथा बेज़ुबान जीवों के रक्षक के रूप में अथक प्रयास करते हैं।

पशु कल्याण में मील के पत्थर

ध्यान फाउंडेशन भारत में एकमात्र संगठन है जो सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर बांग्लादेश में सीमा पार अवैध पशु तस्करी को रोकने के लिए काम कर रहा है। बीएसएफ के अनुसार, ध्यान फाउंडेशन के कारण भारत-बांग्लादेश सीमा पर पशु तस्करी में भारी कमी आई है और बीएसएफ जवानों पर हमले भी बहुत कम हुए हैं। यह तस्करों और अवैध बूचड़खानों से बचाए गए 70,000 से अधिक गोवंश की देखभाल कर रहा है, जिन्हें 47 से अधिक गौशालाओं में पुनर्वासित किया गया है। यह दुनिया का एकमात्र संगठन है जो बचाए गए गोवंश की देखभाल कर रहा है, जिनमें से 90% नंदी और वृद्ध, अनुत्पादक गायें हैं – प्रत्येक को पुलिस और बीएसएफ के साथ समन्वित प्रयासों से बचाया गया है। झारखंड के चाकुलिया में उनकी गौशाला, जो 22,000 से अधिक गोवंश का घर है, पूर्वी भारत की सबसे बड़ी नंदीशाला है।

ध्यान फाउंडेशन हैदराबाद द्वारा अश्विनी गुरुजी की प्रेरणा से ध्यान फाउंडेशन गौशाला शमशाबाद तथा ध्यान फाउंडेशन श्याम बाबा नंदीशाला यादाद्रि के सहायतार्थ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन आगामी मंगलवार, दि. 01 से 7 जुलाई, 2025 तक अत्तापुर पिलर नं. 268 स्थित एसएनसी कन्वेंशन सेंटर में दोपहर 3:30 से शाम 7.00 बजे तक किया जा रहा है। गोवत्स परम पूज्य राधाकृष्णजी महाराज अपनी ओजस्वी वाणी में भक्तों को कथा का रसपान कराएंगे। इसमें ज्यादा से ज्यादा सहभागी बनकर श्रीमद् भागवत कथा को सफल बनाने का आग्रह किया गया।

फाउंडेशन कुत्ते, बिल्ली, बैल, ऊंट, घोड़े, बकरी, भेड़, गधे, खरगोश, मोर और अन्य जानवरों की देखभाल करता है और किसी भी जानवर को कभी मना नहीं किया जाता है।

व्यापक सेवाएँ और सामुदायिक सशक्तिकरण

ध्यान फाउंडेशन मवेशियों के लिए प्लास्टिक हटाने की सर्जरी, कृत्रिम अंग प्रतिस्थापन और विशेष देखभाल के ज़रिए सभी जानवरों की तत्काल चिकित्सा ज़रूरतों को पूरा करता है। यह युवाओं में करुणा को बढ़ावा देने के लिए आरडब्ल्यूए, स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाता है। फाउंडेशन ने लातूर, दौसा, कोल्लेगल और अन्य जगहों पर प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित मवेशियों के लिए आपातकालीन राहत कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है – संसाधनों, परिवहन और आश्रय को तेज़ी से जुटाया है।

इसकी गौशालाएँ, जिनमें से कई ग्रामीण इलाकों में हैं, रोज़गार पैदा करके और जैविक खेती और मिट्टी के कायाकल्प को बढ़ावा देने के लिए गोबर (गाय का गोबर) वितरित करके 500 से अधिक गाँवों को सशक्त बनाती हैं। झारखंड के चाकुलिया क्षेत्र में, संतोली आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाया जाता है और उनके बच्चों को शिक्षा और पोषण कार्यक्रमों के माध्यम से सहायता प्रदान की जाती है।

मान्यता और उपलब्धियाँ

ध्यान फाउंडेशन एक मान्यता प्राप्त पशु कल्याण संगठन है, जो भारत के मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के पशु कल्याण बोर्ड के साथ पंजीकृत है। ध्यान फाउंडेशन गोवा पशु कल्याण बोर्ड, दिल्ली राज्य पशु कल्याण सलाहकार बोर्ड और दिल्ली के क्षेत्रों में गौशालाओं के निरीक्षण और पर्यवेक्षण के लिए गठित समिति के सदस्य भी हैं। जीवों के प्रति अपनी अटूट सेवा और समर्पण के लिए, ध्यान फाउंडेशन को एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया (एडब्ल्यूबीआई) द्वारा जीव दया पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया गया है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एनिमल्स प्रोटेक्शन ऑर्गनाइजेशन द्वारा 2018 में सर्वश्रेष्ठ गोवंश आश्रय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2019 में ध्यान फाउंडेशन को आईसीएआर सेंट्रल कोस्टल एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट, इला, ओल्ड गोवा द्वारा स्थानीय मवेशियों के संरक्षण में योगदान के लिए नेतृत्व सम्मान से सम्मानित किया गया। नवंबर 2023 में शाकाहार और अहिंसा की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ एनजीओ के लिए 26वें महावीर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

वैश्विक विस्तार और निरंतर प्रयास

ध्यान फाउंडेशन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहुँच बना रहा है। इनकी गौशालाएँ अब ऑस्ट्रेलिया और यूके में भी चालू हो गई हैं, और कई अन्य देशों में भी नई गौशालाएँ खोलने की योजना है, जिससे इनके मिशन का वैश्विक स्तर पर विस्तार हो रहा है।

ध्यान फाउंडेशन संपूर्ण भारत में काम करता है। ध्यान फाउंडेशन कुछ उपलब्धियों में अन्य पशु कल्याण संगठनों द्वारा अवैध वध से बचाए गए 70,000 से अधिक गोवंश के पुनर्वास में सहायता शामिल है। देश भर में 500 से अधिक फीडिंग पॉइंट, प्रतिदिन 10,000 से अधिक अन्य पशुओं का पोषण करना हमारी परियोजनाओं का एक अभिन्न अंग है। बचाए गए गोवंश को 40 स्थायी गौशालाओं और 5 पशु आश्रयों और अन्य संबद्ध गौशालाओं में सफलतापूर्वक पुनर्वासित किया गया है। उन्हें ध्यान फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित/रखरखाव दिया जा रहा है। ध्यान फाउंडेशन उत्तर प्रदेश सरकार की 4 और पंजाब सरकार की 3 गौशाला चला रही है।

ध्यान फाउंडेशन की हैदराबाद गौशाला (पेद्दाशापुर, गोलुर रोड, स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी के समीप) और श्याम बाबा नंदीशाला (चेलूर विलेज, यादगिरीगुट्टा मंदिर के पास) वर्तमान में अवैध कत्लखानों से बचाए गए 3500 से अधिक गौवंश की सेवा कर रही हैं। प्रति एकादशी गौशाला में सायं 4:30 बजे से इच्छापूर्थि यज्ञ का आयोजन किया जाता है।

फाउंडेशन सभी जीवित प्राणियों के लिए एक दयालु और अधिक जागरूक दुनिया बनाने की दिशा में लगातार एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में आगे बढ़ रहा है।

सहयोग और दान

गौवंश हेतु गौशाला में चारे के विकट समस्या के कारण सभी से अनुरोध है कि कृपया गौशाला में सहयोग करें।

सभी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्नलिखित बैंक खाते में जमा करा सकते हैं:

Account Name: DHYAN FOUNDATION (Hyderabad Chapter)
A/c No.: 00812020002930
HDFC Bank, Himayathnagar Branch
IFSC Code: HDFC0000081
Call: 9848046793, 9959996677
Donations Exempted Under Section 80G of Income Tax Act.

CSR Regn. No. CSR00003498
FCRA SB A/c. 40016350620
IFSC Code: SBIN0000691
SWIFT: SBININBB104

कृष्णा कॉटेज, डॉन से लेकर एक विवाह... ऐसा भी...

ईशा कोप्पिकर की पांच फिल्में जिसे सबसे ज्यादा पसंद किया गया

नए ऐज की क्वीन ईशा कोप्पिकर ने भारतीय सिनेमा में एक आकर्षक और विविधतापूर्ण यात्रा तय की है। उन्होंने अपने दमदार किरदारों से न केवल अलग पहचान बनाई, बल्कि पारंपरिक महिला किरदारों की सीमाओं को भी तोड़ा। हल्की-फुल्की कॉमेडी से लेकर गंभीर क्राइम ड्रामा तक, ईशा के किरदारों ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी।

क्या कूल हैं हम: इस कल्ट एडल्ट कॉमेडी फिल्म में ईशा ने सब-इंस्पेक्टर उर्मिला मार्तोड़कर का किरदार निभाया – जी हाँ, आपने सही पढ़ा। स्मार्ट, स्टाइलिश और बेबाक अंदाज़ में ईशा ने जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग दिखाई। एक महिला पुलिस अफसर को उन्होंने जिस अंदाज़ में पेश किया, वह बॉलीवुड के लिए नया और ताज़गी भरा था। यह उनके करियर की सबसे हिट और पुरस्कार-नामांकित भूमिकाओं में से एक है।

डॉन: इस क्राइम थ्रिलर में ईशा ने 'अनिता' का किरदार निभाया और शाहरुख़ ख़ान जैसे सुपरस्टार के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए भी अपने अभिनय की चमक बनाए रखी। उन्होंने ग्लैमर और गंभीरता का बेहतरीन संतुलन दिखाया, और अपने आत्मविश्वास व मौजूदगी से दर्शकों का ध्यान खींचा।

एक विवाह... ऐसा भी: राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित इस क्लासिक फिल्म में ईशा ने 'चांदनी' नाम की छोटे शहर की लड़की का किरदार निभाया, जो अपने सपनों को त्यागकर परिवार की ज़िम्मेदारियां उठाती है। ईशा का यह भावनात्मक और पारंपरिक किरदार बेहद असरदार रहा। उनके गरिमामय अभिनय ने फिल्म के संस्कारी और भावनात्मक पक्ष को और मज़बूत किया। फ़िल्म के मूल्यों से प्रेरित विषय और उनके अभिनय ने उन्हें आलोचकों और दर्शकों से समान रूप से प्रशंसात्मक समीक्षा दिलाई।

शबरी: राम गोपाल वर्मा की इस कम सराही गई फ़िल्म में ईशा ने मुंबई के अपराध जगत की एक कठोर महिला गैंगस्टर की भूमिका में अपनी अब तक की सबसे परिवर्तनकारी भूमिका निभाई। ग्लैमर से दूर, ईशा का मेकअप इतना सटीक था और वह इतनी पहचान में नहीं आ रही थीं कि उन्हें वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने फ़िल्म के सेट पर घुसने से भी मना कर दिया था। यह उनका सबसे साहसी और सशक्त अभिनय था, जिसे समीक्षकों ने उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ बताया।

कृष्णा कॉटेज: इस सुपरनैचुरल थ्रिलर में ईशा ने 'दिशा' का रहस्यमयी किरदार निभाया – एक ऐसी आत्मा जो प्रेम में पागल है और बदले की आग में जल रही है। रोमांस और हॉरर के मेल से बनी इस कहानी को ईशा की गंभीर और डरावनी स्क्रीन प्रेज़ेंस ने और भी प्रभावशाली बना दिया। 'कृष्णा कॉटेज' आज भी 2000 के दशक की हॉरर फिल्मों में कल्ट क्लासिक मानी जाती है, और इसका बहुत बड़ा श्रेय ईशा के दमदार अभिनय को जाता है।

चाहे वह सख्त पुलिस अफसर हो, बदले की प्यास में भटकती आत्मा हो या एक जटिल एंटी-हीरो, ईशा कोप्पिकर ने हर किरदार में कुछ नया और अनोखा जोड़ा। उनके फिल्मी चयन में जोखिम उठाने की भावना साफ झलकती है जो कि कई प्रमुख अभिनेत्रियाँ करने की हिम्मत नहीं करतीं। ये पाँच फ़िल्में हमें याद दिलाती हैं कि भले ही ईशा की स्क्रीन उपस्थितियाँ चुनिंदा हो गई हों, लेकिन उनका प्रभाव अविस्मरणीय बना हुआ है।

हिमाचल के हरिपुर पहुंची दीप्ति नवल ने अपनी दुनिया से मिलाया

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री दीप्ति नवल इन दिनों हिमाचल की वादियों में घूम रही हैं। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने अपने प्रशंसकों को प्राकृतिक सुंदरता की झलक भी दिखाई। दरअसल, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एप्रीकॉट (खुबानी) से लदे बगीचे की झलक दिखाते हुए वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही है, यह रहे पहाड़, यह मेरा बगीचा, ये देखिए एप्रीकॉट से लदे पेड़, और यह वह जगह है जहां मैं रोजाना वर्कआउट करती हूं। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा, नग्गर के पास हरिपुर में आर्ट स्टूडियो में, हां, मैं हिमाचल में हूं।

चश्मे बद्दूर की अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं; वह अक्सर अपनी पिछली फिल्मी जिंदगी को संजोते हुए वर्तमान की झलकियां फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। कुछ दिनों पहले, अभिनेत्री ने अपनी मां की एक मोनोक्रोम तस्वीर पोस्ट की थी और इसे कैप्शन दिया, मां, तुम्हें याद करते हुए....यहां इस शांत पहाड़ी पर बैठी हूं-मुझे याद है जब मैं अपना छोटा-सा स्टूडियो बना रही थी, तब आप मेरे साथ आराम से बैठकर मेरा काम शुरू होने का इंतजार कर रही थीं। उस समय मैंने अपनी मनपसंद काली किन्नौरी शॉल में आपकी यह तस्वीर खींची थी। यह तस्वीर अभी भी मेरे पास, मेरे साथ है।

दीप्ति नवल ने 1978 में 'श्याम बेनेगल' की फिल्म 'जुनून' से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। जिसके ठीक एक साल बाद, उन्होंने सुरेश ओबेरॉय के साथ फिल्म 'एक बार फिर' में मुख्य भूमिका निभाई। फारूक शेख के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री आज भी प्रतिष्ठित है; इस जोड़ी ने 'चश्मे बद्दूर', 'साथ साथ', 'किसी से ना कहना', 'कथा', 'रंग बिरंगी', और 'फासले' जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय किया था।

अभिनेत्री दीप्ति नवल को स्क्रीन पर आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म 'गोल्डफिश' में देखा गया था। इसमें उन्होंने मां का किरदार निभाया था, जो डिमेंशिया से जूझ रही थी। वहीं, कल्कि कोचलिन ने उनकी बेटी का किरदार निभाया था।

बता दें, लंदन में शूट हुई फिल्म 'गोल्डफिश' मेमोरी, म्यूजिक, मेंटल हेल्थ और आइडेंटिटी से संबंधित है। पूषन कृपलानी द्वारा निर्देशित फिल्म भारतीय-ब्रिटिश-अमेरिकी प्रोडक्शन पावरहाउस दीप्ति नवल, कल्कि कोचलिन और रजित कपूर को एक साथ लाती है, जिसमें यूके के कुछ कलाकार भारती पटेल, गॉर्डन वार्नेके, रविन गनात्रा और शनाया रफत शामिल हैं।

स्प्लेंडिड फिल्म्स प्रोडक्शन, अमित सक्सेना द्वारा निर्मित, यह फिल्म 25 अगस्त 2023 को भारत और अमेरिका के कई शहरों में सिनेमाघरों में रिलीज की गई थी।

फिल्म मस्ती-4 के लिए तुरंत हामी भरी, कॉमेडी में सही टाइमिंग के लिए लगातार मेहनत जारी : रूही सिंह

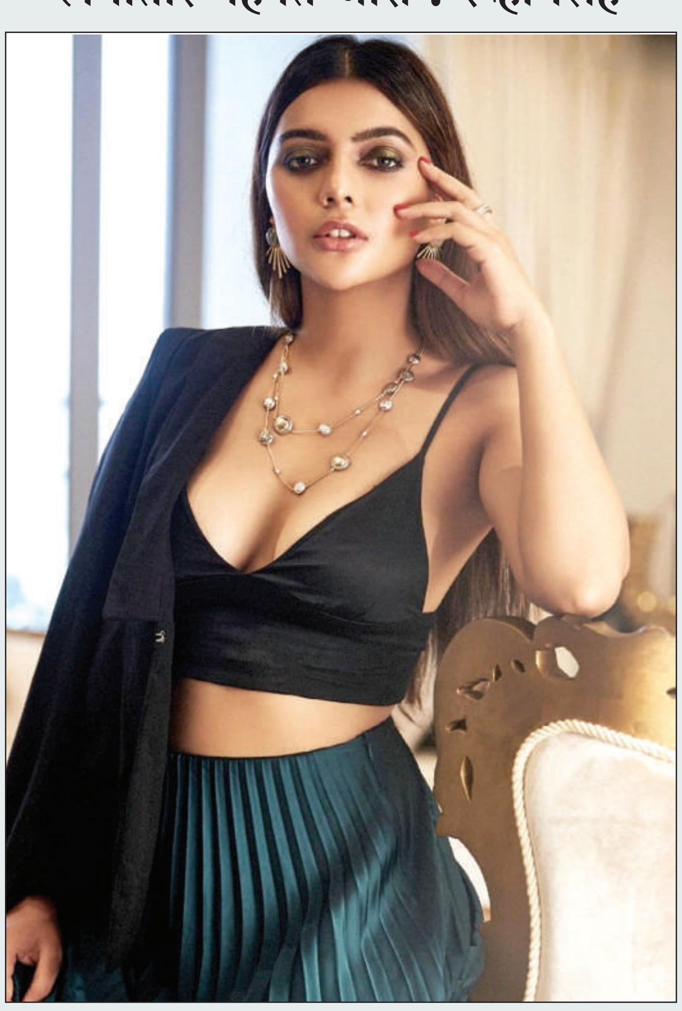

अभिनेत्री रूही सिंह अपनी आने वाली फिल्म मस्ती 4 में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने इस फिल्म के निर्देशक मिलाप जावेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जावेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह मस्ती की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छी तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं।

फिल्म ऑफर हुई तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे 'मस्ती 4' का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। मस्ती एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ 'ग्रैंड मस्ती' देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हंसे थे।

कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग पकड़ना उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हंसमुख हूं। मैं जानती हूं कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूं। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूं, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में। साथ ही, मैं अपने एक्टिंग टीचर के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं ताकि कॉमेडी की सही टाइमिंग समझ सकूं।

इरफान खान से मिली तारीफ मेरे लिए किसी भी अवॉर्ड से ज्यादा मायने रखती थी : सुभाष घई

दिग्गज फिल्म निर्माता सुभाष घई ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान को याद किया और उन्हें फिल्म इंडस्ट्री का अनमोल रत्न बताया। उन्होंने कहा कि वह फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक थे। उनकी तारीफ किसी भी अवॉर्ड से ज्यादा मायने रखती थी। सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम पर इरफान खान के साथ एक फोटो शेयर की, जो किसी अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान खींची गई थी। तस्वीर में दोनों ब्लैक कलर के सूट और वाइट शर्ट में नजर आ रहे हैं। साथ ही एक-दूसरे से मुस्कुराते हुए मिल रहे हैं। सुभाष घई के हाथ में एक अवॉर्ड है, वहीं इरफान उन्हें प्यार से गले लगाते हुए दिख रहे हैं। '

कर्ज', 'राम लखन', और 'ताल' जैसी मशहूर फिल्मों के लिए मशहूर सुभाष घई ने कहा कि फिल्मों में चमक-दमक से ज्यादा कहानी मायने रखती है। वह इरफान के काम और उनकी काबिलियत को बहुत अहमियत देते थे। उनकी तारीफ उनके लिए किसी भी पुरस्कार से ज्यादा खास थी।

उन्होंने लिखा, मैं हमेशा से दिखावटी सितारों की तुलना में अच्छे और महान अभिनेताओं की तारीफ करता रहा हूं। अच्छे अभिनेता कहानी को और बेहतर बनाते हैं, जबकि सितारे सिर्फ फिल्म को चमकाते हैं। मुझे इरफान खान से तारीफ मिलना किसी अवॉर्ड समारोह में पुरस्कार मिलने से ज्यादा खुशी देता था। इसलिए मैं इस तस्वीर को हमेशा संजोकर रखता हूं। हमें इरफान की बहुत याद आती है।

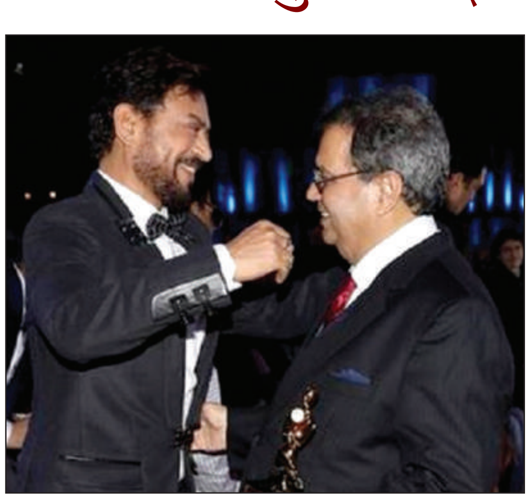

सुभाष घई और इरफान खान ने साथ कई फिल्मों में काम किया है। फिल्म 'राइट या रॉन्ग' में इरफान ने लीड रोल निभाया था। इस फिल्म के निर्देशक सुभाष घई थे। इसके अलावा, सुभाष घई की फिल्म 'इकबाल' में इरफान ने सहायक भूमिका निभाई थी। इरफान खान का निधन 29 अप्रैल 2020 को हुआ था। वह एक गंभीर बीमारी, जिसे न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर कहते हैं, से लंबे समय तक जूझ रहे थे। उन्हें इस बीमारी का पता साल 2018 में चला था। इरफान खान ने खुद अपने ट्विटर पोस्ट के जरिए बीमारी की जानकारी फैंस को दी थी।

कल्याणजी बर्थडे स्पेशल: उधारी के बदले मिले सुर, फ़न के बूते पाया मुकाम

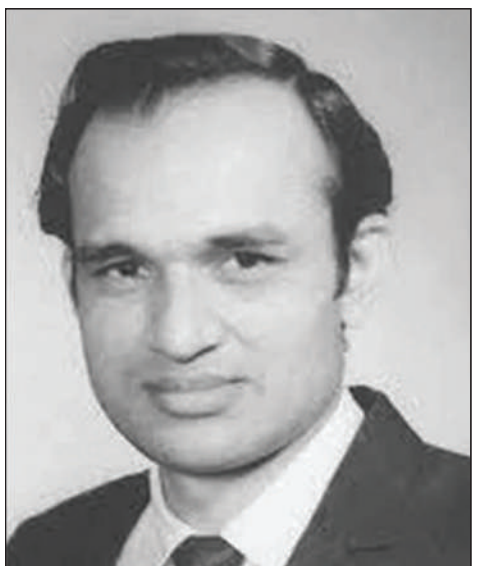

कभी-कभी जिंदगी में जो चीजें इत्तेफाक से होती हैं, वही किस्मत की दिशा बदल देती हैं। ऐसा ही कुछ हुआ था कल्याणजी के साथ, जो आगे चलकर हिंदी फिल्मों के मशहूर संगीतकार बने। कल्याणजी का पूरा नाम कल्याणजी वीरजी शाह था। उनका जन्म 30 जून 1928 को गुजरात के कच्छ के कुंदरोडी में हुआ था। कुछ साल बाद उनका परिवार गुजरात से मुंबई आया और यहां उनके पिताजी वीरजी शाह ने किराने की एक छोटी सी दुकान शुरू की।

रोज की तरह दुकान चल रही थी, ग्राहक आते-जाते रहते थे, लेकिन एक ग्राहक ऐसा भी था जो हर बार उधार पर सामान ले जाता और पैसे देने का नाम नहीं लेता। जब उधारी बढ़ गई और पैसे देने का सवाल उठा, तो उस शख्स ने कुछ और ही पेशकश की। उसने कहा, 'उधारी के बदले मैं तुम्हारे बेटों को संगीत सिखा दूंगा।' कौन जानता था कि यही सौदा दो मासूम बच्चों के भविष्य को सुरों से भर देगा। उधारी चुकाने का यह तरीका एक गुरु-शिष्य के रिश्ते में बदल गया। उसी पल से कल्याणजी और उनके भाई आनंदजी की जिंदगी में संगीत ने पहली बार दस्तक दी थी। वो सुर, जो किसी उधारी की भरपाई थे, कल्याणजी और आनंदजी के दिल को छूने लगे और धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी बढ़ती गई, रियाज का समय बढ़ने लगा और संगीत जैसे उनके खून में उतरने लगा।

ये वो दौर था जब लोग बड़े-बड़े उस्तादों से पैसे देकर सीखते थे, और कल्याणजी को ये ज्ञान एक 'उधारी' की वजह से मिल गया था। समय के साथ हुनर निखरता गया और दोनों भाई आगे चलकर अपनी मेहनत और लगन से हिंदी सिनेमा की पहचान बन गए। ये किस्सा कल्याणजी आनंदजी के आधिकारिक वेबसाइट पर मौजूद है।

संगीतकार जोड़ी कल्याणजी-आनंदजी ने मिलकर एक से बढ़कर फिल्मों के गानों में संगीत दिया, जिसमें 'डॉन', 'सफर', 'कोरा कागज' जैसी फिल्में शामिल हैं।

कल्याणजी ने अपने भाई आनंदजी के साथ मिलकर 'कल्याणजी वीरजी एंड पार्टी' के नाम से एक आर्केस्ट्रा कंपनी बनाई थी, जो अलग-अलग शहरों में जाकर परफॉर्मेंस दिया करती थी।

कल्याणजी का पहला फिल्मी काम 1959 में रिलीज हुई फिल्म 'सम्राट चंद्रगुप्त' थी। उस समय आनंदजी आधिकारिक रूप से उनके साथ नहीं जुड़े थे, लेकिन उन्होंने भरपूर साथ दिया था। बाद में आनंदजी ने आधिकारिक तौर पर कल्याणजी के साथ काम करना शुरू किया और उसी साल 1959 में रिलीज हुई फिल्मों 'सट्टा बाजार' और 'मदारी' के लिए संगीत बनाया। उनकी पहली बड़ी हिट 1960 में आई 'छलिया' थी। 1965 में आई 'हिमालय की गोद में' और 'जब जब फूल खिले' जैसी फिल्मों ने उन्हें बॉलीवुड के सफल संगीतकारों की फेहरिस्त में ला खड़ा किया।

कल्याणजी-आनंदजी ने 250 से ज्यादा फिल्मों में संगीत दिया, जिनमें से 17 फिल्में गोल्डन जुबली और 39 सिल्वर जुबली रहीं। उन्होंने अपने समय के महान गायकों जैसे मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, आशा भोसले, मन्ना डे, मुकेश और महेंद्र कपूर के साथ काम किया। फिल्म 'कोरा कागज' के गाने 'मेरा जीवन कोरा कागज' के लिए उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक' के लिए पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

1992 में भारत सरकार ने संगीत क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से सम्मानित किया। उनकी जोड़ी ने लता मंगेशकर के लिए 326 गीत तैयार किए, जिनमें से 24 गीत उन्होंने अपने पहले नाम 'कल्याणजी वीरजी शाह' के तहत और बाकी 302 गीत 'कल्याणजी-आनंदजी' के नाम से दिए।

मन्ना डे की आवाज से सजी मशहूर कव्वाली 'यारी है ईमान मेरा, यार मेरी जिंदगी...' आज भी लोगों के दिलों में बसा है। कल्याणजी वीरजी शाह ने 24 अगस्त 2000 को दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनके संगीत का खजाना आज भी भरा हुआ है। जिससे उनके अमर तराने गाहे बगाहे दिलों के तार छेड़ जाते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेंगी। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें और परेशानियों का सामना होठों पर मुस्कुराहट के साथ करें। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन-साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़-सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको आज महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे, जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है। जो लोग टैक्स चोरी करते हैं आज वो बड़ी मुसीबत में फंस सकते हैं। घर का कुछ समय से टलता आ रहा काम-काज आपका थोड़ा वक़्त ले सकता है। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। घर मे हवन का आयोजन नयी लेकर आएगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। प्रेम के नज़रिए से आज का दिन आपके लिए ख़ुशियों से भरा रहेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी सेहत का खयाल करें। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जीवन-साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। किसी बुजुर्ग रिश्तेदार की निजी समस्याओं में मदद करके आप उनका आशीर्वाद पा सकते हैं। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

किसी भी तरह के द्वन्द्व या विरोध से बचें, क्योंकि आपकी सेहत पर इसका बुरा असर होगा। आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रिय आपसे वादे की मांग करेगा, लेकिन ऐसा वादा न करें जिसे आप पूरा न कर सकें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने हमदम के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। अगर आप हुक्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। घर में पड़ी कोई पुरानी वस्तु आज आपको मिल सकती है जिससे आपको अपने बचपन के दिनों की याद सता सकती है और आप उदासी के साथ अपने दिन का काफी समय अकेले बिता सकते हैं। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों- और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ुशक़िस्मती को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। बोलते समय और वित्तीय लेन-देन करते समय सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 जून 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 09:26 तक
नक्षत्र : मघा प्रातः 07:21 तक
योग : सिद्धि सायं 05:20 तक
करण : बालव प्रातः 09:26 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाड़ा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- स्कन्द षष्ठी , सांई टेंऊ राम जयंती ,
गण्डमूल प्रातः 07:21 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पीड़ित वर्ग को त्वरित न्याय दिलाकर

अधिवक्ता राष्ट्र निर्माण में देते हैं अहम योगदान : भजनलाल

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अधिवक्ता हमारी न्याय प्रणाली का अभिन्न अंग है। उनकी सेवा और समर्पण ने भारतीय न्याय व्यवस्था को नये आयाम प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि समाज के पीड़ित वर्ग को त्वरित न्याय दिलाकर अधिवक्ता राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं।

शर्मा से रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान बार काउंसिल कार्यकारिणी के सदस्यों ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री का राज्य बजट 2024-25 में राजस्थान बार काउंसिल के लिए एक बारीय सहायता के रूप में 7.50 करोड़ रूपये का प्रावधान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान प्रदेश में न्यायपालिका के और अधिक सुदृढ़ीकरण तथा विभिन्न विधिक मुद्दों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ राजस्थान कानूनी सुधारों को क्रियान्वित करने, विधि शिक्षा और विधिक सहायता जैसे अन्य महत्वपूर्ण सराहनीय कार्य कर प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में बड़ा योगदान दे रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की अदालतों में चरणबद्ध रूप से सुविधाओं का विस्तार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों के माध्यम से देश और समाज को एक नई दिशा दी है। इन अभियानों के व्यापक और सकारात्मक परिणाम हम सब देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अधिवक्ता भी समाज को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं को अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकालकर सामाजिक सरोकारों से जुड़ना चाहिए।

सतत् विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए होगी कोर्डिनेशन एंड एक्सीलरेशन सेंटर की स्थापना : भजनलाल

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सांख्यिकी वो क्षेत्र है जिसके माध्यम से सरकार जनता की अपेक्षाओं-आकांक्षाओं की पूर्ति कर सकती है। जब आंकड़े सटीक होते हैं, तभी हम निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में प्रगति का निष्पक्ष मूल्यांकन कर सकते हैं और सुधार के लिए समय रहते कदम उठा सकते हैं। उन्होंने आंकड़ों की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं उपयोगिता को और अधिक सशक्त बनाते हुए विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के संकल्प की सिद्धि का आह्वान किया।

शर्मा रविवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जंयती के अवसर पर आयोजित 19वें राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महालनोबिस का स्मरण करते हुए कहा कि वे भारतीय सांख्यिकी प्रणाली के मुख्य शिल्पी और सांख्यिकी विज्ञान के जनक थे। देश में सांख्यिकी प्रणाली को सुदृढ़ करने और नीति निर्माण को वैज्ञानिक तथ्यों एवं आंकड़ों पर आधारित बनाने का उनका योगदान हमेशा याद रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 19वां सांख्यिकी दिवस 'नेशनल सैंपल सर्वे के 75 साल' थीम पर मनाया जा रहा है जिसके निष्कर्षों एवं तथ्यों ने देश में नीतियों एवं कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

प्रधानमंत्री हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए करते हैं प्रेरित

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 123वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में हाल ही में भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के इंटरनेशनल स्पेस सेंटर पर पहुंचने की उपलब्धि की चर्चा की। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत ने एक नया इतिहास रचा है। मोदी ने शुभांशु शुक्ला के साथ अपनी बातचीत का भी जिक्र किया। मोदी ने गत 21 जून को 'एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य' थीम पर आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि विशाखापत्तनम के समुद्र तट पर तीन लाख लोगों द्वारा एक साथ योग किया गया। उन्होंने कहा कि देश-विदेश के बड़े शहरों में आयोजित शिविरों में योग के माध्यम से शांति, स्थिरता और संतुलन की झलक दिखाई दी। प्रधानमंत्री ने 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा और उड़ीसा में आयोजित भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा के बारे में बात करते हुए कहा कि ये यात्राएं 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के भाव का प्रतिबिंब है।

जेएमए 1 जुलाई को मनाएगी डॉक्टर्स डे

सीएम भजनलाल करेंगे उत्कृष्ट चिकित्सकों का सम्मान

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। मेडिकल एसोसिएशन (जेएमए) द्वारा 1 जुलाई, 2025 को डॉक्टर डे (चिकित्सक दिवस समारोह) का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पीड़ित मानवता की सेवा करने वाले पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं महान चिकित्सक डॉ. बी. सी. राय के जन्म और निर्वाण दिवस पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना है। साथ ही, उनके पदचिन्हों पर चलते हुए चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित करना भी इस समारोह का प्रमुख लक्ष्य है। जयपुर मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जगदीश मोदी ने बताया कि 'डॉक्टर डे (चिकित्सक दिवस समारोह)' कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर विशिष्ट अतिथि होंगे, जबकि सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. दीपक माहेश्वरी विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जेएमए के सचिव डॉ. अनुराग तोमर ने जानकारी दी कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रमुख चिकित्सा शिक्षाविदों सहित सैकड़ों गणमान्य चिकित्सक शिरकत करेंगे, जो चिकित्सा समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण जुटान होगा।

जयपुर मेडिकल एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि चिकित्सक दिवस समारोह का आयोजन सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित एकेडमिक सभागार में सायं 7 बजे से किया जाएगा। जेएमए के अध्यक्ष डॉ. जगदीश मोदी ने यह भी बताया कि 'डॉक्टर डे' के अवसर पर चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट और उल्लेखनीय सेवा करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया जाएगा।

भारत-पाक सीमा के पास मिला युवक और नाबालिग का शव

पाकिस्तानी आईडी और सिम कार्ड बरामद

जैसलमेर, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास एक युवक और नाबालिग लड़की का शव मिला है। जिले के एसपी ने इसकी पुष्टि की है। मौके से एक पाकिस्तानी सिम और आईडी कार्ड भी बरामद किया गया है। दरअसल, ये दोनों शव जैसलमेर जिले के साधेवाला क्षेत्र में स्थित भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मिले हैं। मृतकों में एक 18 वर्षीय युवक और एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की शामिल हैं। शवों की हालत से अनुमान लगाया जा रहा है कि दोनों की मौत करीब सात दिन पहले हुई होगी। शव भारत-पाक तारबंदी से 10-12 किलोमीटर भीतर भारतीय क्षेत्र में पाए गए हैं। घटनास्थल पर एक पाकिस्तानी सिम कार्ड और एक आईडी कार्ड मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। आईडी कार्ड के अनुसार, युवक का नाम रवि कुमार (उम्र 18 वर्ष) है।भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो शव मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गईं। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और बीएसएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ सीएचसी की मोर्चरी में रख दिया।

बैरवा निर्विरोध चुने गए मंत्रालयिक अधिकारी कर्मचारी संघ दौसा के जिलाध्यक्ष

दौसा, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान मंत्रालयिक अधिकारी कर्मचारी संघ की मीटिंग सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय में हुई, जिसमें समस्त मंत्रालयिक अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सर्वसम्मति से दीपक कुमार बैरवा वरिष्ठ सहायक को जिलाध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

इस दौरान संघ के जयपुर अध्यक्ष नवल किशोर सैनी, गिरिराज प्रसाद शर्मा, अंबालाल मीणा, योगेश गोस्वामी द्वारा नव निर्वाचित अध्यक्ष को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष दीपक कुमार बैरवा ने उपाध्यक्ष विष्णु कुमार शर्मा, महामंत्री अजय पहाड़िया, कोषाध्यक्ष सुनील शर्मा, संरक्षक भरत लाल सैनी, मीडिया प्रभारी चंद्र प्रकाश मीणा एवं सलाहकार समुद्र सिंह गुर्जर को नियुक्त किया।

हरियाणा में बारिश का कहर, एक की मौत, कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

चंडीगढ़, 29 जून (एजेंसियां)। एक तरफ खेत बारिश की उम्मीद कर रहे थे, वहीं जब बादल बरसे तो कई इलाकों में राहत की जगह मातम छा गया। हरियाणा में मौसम के साथ जिंदगी की रफ्तार भी बदली। कहीं तबाही का कहर बरपा तो कहीं राहत भरी ठंड की फुहारें बरसीं। हरियाणा के कई इलाकों के लिए शनिवार की रात और रविवार की सुबह यादगार बीती। लेकिन सबसे बुरी बात यह रही कि कुछ जगहों पर बारिश ने राहत ही नहीं बल्कि तकलीफ भी दी।

रविवार सुबह कुरुक्षेत्र के शाहाबाद कस्बे से बेहद दुखद खबर आई। लगातार हो रही बारिश से एक मकान की छत गिर गई। पति मिया राम बुरी तरह घायल हो गए, वहीं छत के नीचे सो रही महिला की अपने ही घर में मौत हो गई। एक ऐसी तबाही जो सोचने पर मजबूर करती है: क्या यह सिर्फ बारिश थी या इसमें सिस्टम की लापरवाही भी शामिल थी? रविवार को राज्य के ग्यारह क्षेत्रों गुरुग्राम, हिसार, पानीपत, सोनीपत, नूंह, करनाल, कुरुक्षेत्र, अंबाला, झज्जर, रेवाड़ी और यमुनानगर में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने अन्य क्षेत्रों में भी अलर्ट जारी किया है। इसलिए फिलहाल रेनकोट और छाता साथ रखना समझदारी होगी। सोमवार (30 जून) हल्की बारिश (25-50%) रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, पलवल, नूंह, सिरसा मध्यम बारिश (50-75%)- हिसार, भिवानी, रोहतक, झज्जर, गुरुग्राम, फरीदाबाद 75-100% भारी बारिश: कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पंचकूला, अंबाला मंगलवार 1 जुलाई सिरसा, फतेहाबाद, महेंद्रगढ़ में हल्की बारिश मध्यम बारिश अंबाला, रोहतक, फरीदाबाद, पलवल सोनीपत, पानीपत, झज्जर: भारी बारिश मतलब साफ है: हरियाणा में अभी सूरज छिपा रहेगा और बादलों का बोलबाला रहेगा। बारिश की वजह से पूरे प्रदेश में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को औसत 1.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान अभी सामान्य से तीन डिग्री कम है। लेकिन सिरसा अभी भी गर्मी में सबसे आगे है, सूरज अभी भी बादलों के साथ लुका-छिपी खेल रहा है।कुरुक्षेत्र की घटना पहली नहीं है। हर साल बारिश के साथ कुछ घर गिरते हैं, कुछ सपने टूटते हैं, कुछ जानें जाती हैं। मुख्य सवाल यह है कि क्या हम अब भी इंतज़ार करेंगे। क्या हम बारिश से पहले कमज़ोर घरों, पुरानी छतों और जीर्ण-शीर्ण समुदायों की जाँच करके तैयारी करेंगे? बारिश सिर्फ़ मौसम की नहीं बल्कि हमारी योजना, व्यवस्था और सोच की परीक्षा है।

भाजपा सरकार में किसानों के साथ बड़ा धोखा : सैलजा

चंडीगढ़, 29 जून (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, उत्तराखंड की प्रभारी, सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में किसानों को खाद की किल्लत से जूझने पर भाजपा सरकार पर करारा प्रहार किया है। सांसद ने कहा कि नायब सैनी के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार और केंद्र में बैठी भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किसानों को केवल धोखा दिया है। ना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर पूरी खरीदी हो रही है और ना ही खरीफ फसल की बुवाई के लिए आवश्यक खाद का इंतजाम किया गया है। भाजपा ने सदैव किसानों को आश्वासन देकर गुमराह किया है।

मीडिया को जारी एक बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की लापरवाही और नीति विफलता के कारण प्रदेश के किसानों को डीएपी और यूरिया जैसे आवश्यक खाद की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। कई जिलों में हालात ऐसे हैं कि किसान खाद पाने के लिए लाइन में खड़े हैं, लेकिन स्टॉक उपलब्ध नहीं है। दूसरी ओर, जो खाद उपलब्ध है, उसमें भी कालाबाजारी और बिचौलियों की मनमानी देखी जा रही है। उन्होंने कहा, केंद्र से हरियाणा को खरीफ फसलों के लिए जितना खाद मिलना चाहिए था, उसका आधा स्टॉक भी राज्य को नहीं मिल पाया है। किसानों को खाद के नाम पर गैरजरूरी सामान जबरन खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो अत्यंत शर्मनाक है।

प्रधानमंत्री द्वारा देशहित में नागरिकों के अनुभवों को साझा करने से अन्य लोगों को मिलती है प्रेरणा : सैनी

चंडीगढ़, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का आज गुरुग्राम में सामूहिक श्रवण आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक, उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेताओं ने बादशाहपुर विधानसभा के बूथ संख्या 4 में स्थित जीएनएच कन्वेंशन सेंटर में स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना और उस पर संवाद किया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में अपनी स्वयं की मेहनत से देशहित में योगदान देने वाले नागरिकों के अनुभवों को सांझा करते हैं जिससे आमजन को प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम से एक बड़ा लाभ हमारी आने वाली पीढ़ी व आमजन को मिलता है।

कार्यक्रम के उपरांत भाजपा नेताओं द्वारा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाभान्वित पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड लाभ पत्र भी वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करना है। गुरुग्राम में आयोजित यह कार्यक्रम जनसंपर्क और जनविश्वास को और अधिक सुदृढ़ करने वाला रहा, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह के साथ वाटिका चौक के नजदीक वन विभाग द्वारा बादशाहपुर ड्रेन के ऊपर विकसित किए गए फॉरेस्ट कॉरिडोर पर पौधारोपण कर प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक पेड़ मां के नाम अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें।

आपातकाल लोकतंत्र पर धब्बा था, महिलाओं ने निभाई प्रहरी की भूमिका: सैनी

गुरुग्राम, 29 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को गुरुग्राम में आयोजित महिला मॉक संसद में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन आपातकाल के 50 साल पूरे होने के अवसर पर किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल देश के लिए काला दिन था। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आपातकाल के दौरान महिलाओं ने लोकतंत्र प्रहरी की भूमिका निभाई और अत्याचारों का डटकर सामना किया। महिलाओं ने राष्ट्रहित में जो योगदान दिया वह कभी भुलाया नहीं जा सकता।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि महिलाओं ने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया और लोकतंत्र की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हरियाणा भी विकसित भारत के सपने को साकार करने में अपना अतुलनीय योगदान निभा रहा है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा, आपातकाल का दौर हमारे इतिहास का एक काला अध्याय है। भीमराव अंबेडकर और संविधान समिति की ओर से देश को संविधान दिया गया। आजादी के बाद से देश संविधान के अनुरूप चल रहा था। 25 जून 1975 के दिन देश में भूचाल नहीं आया था और युद्ध जैसी कोई स्थिति भी नहीं थी, लेकिन अपनी राजनीतिक इच्छा पूरी करने और सत्ता की लालच में संविधान को तार-तार कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने कभी भी माननीय न्यायालय के फैसलों का सम्मान नहीं किया। कांग्रेस ने कभी भी माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति जैसे हमारे संवैधानिक पदों का सम्मान नहीं किया और न ही उन्होंने लोकतंत्र का सम्मान किया।

फोरलेन की मांग को लेकर एनएच-139 चार घंटे रहा जाम

केंद्र सरकार पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप

औरंगाबाद (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-139 (एनएच-139) को फोर लेन बनाने की मांग को लेकर सड़क दुर्घटना रोकथाम फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के आह्वान पर रविवार को औरंगाबाद जिले में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। अम्बा से लेकर पटना के नौबतपुर तक जनसंपर्क के जरिए लोगों से स्वतःस्फूर्त सड़क जाम की अपील की गई थी। अपील का असर भी दिखा-औरंगाबाद जिले में कई जगहों पर छक-139 को पूरी तरह जाम कर दिया गया।

हालांकि अरवल और पटना जिलों में अपेक्षित सहयोग नहीं मिल सका, लेकिन औरंगाबाद जिले में चार घंटे तक चले जाम का असर महाबलिपुर तक देखा गया। महाजाम की स्थिति में हजारों छोटे-बड़े वाहन फंसे रहे और एनएच -139 की यातायात व्यवस्था पूरी तरह ठप रही। बाद में प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों से मांग पत्र लेकर संबंधित विभाग तक भेजने का आश्वासन दिया, तब जाकर जाम समाप्त हुआ।

इस आंदोलन ने साफ संकेत दे दिया है कि औरंगाबाद के कुटुंबा, औरंगाबाद, ओबरा विधानसभा क्षेत्रों के अलावा अरवल जिले के अरवल तथा पटना जिले के पाली और नौबतपुर विस क्षेत्रों में एनएच -139 की फोर लेनिंग बड़ा चुनावी मुद्दा बन सकता है। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें नहीं मानी गई तो बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में चुनाव बहिष्कार तक किया जाएगा। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे ट्रस्ट के नेता पुष्कर अग्रवाल ने ओबरा में कहा कि एनएच-139 अब 'कालनेभि' बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह राक्षस कालनेभि रोज एक इंसान को निगलता था, उसी तरह फोर लेनिंग नहीं होने के कारण यह सड़क रोज किसी न किसी की जान ले रही है। औरंगाबाद से पटना तक प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोग असमय मौत के शिकार हो रहे हैं। इसी के खिलाफ यह लड़ाई है। उन्होंने कहा कि अम्बा, भरथौली, शंकरपुर, महथु, देवकली, ओबरा, कारा मोड़, अरंडा, जिनोरिया, दाउदनगर, शमशेरनगर समेत कई जगहों के लोगों ने इस आंदोलन में भाग लिया। आंदोलन को आगे और तेज करने की चेतावनी भी दी गई है।

संगठन के एक अन्य नेता रंधीर कुमार ने कहा कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गया में आयोजित सभा में छक-139 को 5,500 करोड़ की लागत से फोर लेन बनाने की घोषणा की थी। लेकिन बाद में इस योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया और सासाराम से पटना सड़क को फोर लेन बनाने की स्वीकृति मिल गई। उन्होंने कहा कि यदि वादा पूरा नहीं हुआ तो आगे अनिश्चितकालीन धरना और व्यापक आंदोलन होगा।

संगठन से जुड़े नवलेश मिश्रा ने नेताओं से अपील की कि वे जनभावनाओं का सम्मान करें। उन्होंने कहा, ङ्गएक आवाज पर अम्बा से अरवल तक जाति और पार्टी की सीमाएं तोड़कर लोग सड़कों पर उतरे हैं। अब जनभावनाओं की अनदेखी नहीं चलेगी, वादा हर हाल में निभाना होगा नहीं तो संघर्ष और तेज होगा।

कांग्रेस का कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर संपन्न, संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

मुंगेर (एजेंसियां)। लखीसराय के बड़हिया नगर स्थित स्टेशन रोड के भवानी हाउस में रविवार को कांग्रेस पार्टी की ओर से एक दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमरेश कुमार अनीश ने की, जबकि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से प्रशिक्षक विकास बुडानिया ने मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका निभाई।

प्रशिक्षण सत्र में विकास बुडानिया ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और चुनावी रणनीतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में मजबूत संगठन ही किसी भी दल की जीत की बुनियाद है।

उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभावी इस्तेमाल और जनसंपर्क अभियान को आधुनिक तरीकों से चलाने की सलाह दी।

प्रशिक्षक ने कहा कि हर कार्यकर्ता को अपने बूथ पर सक्रिय रहते हुए कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को जनता तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जमीनी स्तर पर लोगों से संवाद बढ़ाएं और मतदाताओं से लगातार संपर्क बनाए रखें। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि विचारधारा की रक्षा की लड़ाई हैं।

इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमरेश कुमार अनीश ने भी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि घर-घर संवाद अभियान के जरिए कांग्रेस का संदेश हर घर तक पहुंचाना आज जरूरी है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ें और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करें। शिविर में प्रखंड और जिला स्तर के कई नेता और बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन की जड़ों को मजबूत करना और आगामी चुनावों की तैयारी को धार देना था।

ट्रांसफार्मर बदलने की मांग को लेकर ग्रामीण हुए आक्रोशित, शिवहर-मधुबन मुख्य पथ को किया जाम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। शिवहर जिले के डुमरी कटसरी प्रखंड के तरवनवा गांव के ग्रामीणों ने बिजली विभाग की उदासीनता के खिलाफ रविवार को सड़क जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने शिवहर और पूर्वी चंपारण जिले को जोड़ने वाली मुख्य सड़क को लालगढ़ गांव के पास बांस-बल्ले लगाकर जाम कर दिया, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

करीब पांच घंटे से अधिक समय तक चले जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई लोग वैकल्पिक रास्तों से अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश करते रहे।

ग्रामीणों ने बताया कि तरवनवा गांव में शुक्रवार रात अचानक ट्रांसफार्मर जल गया था। इसकी लिखित और मौखिक शिकायत कई बार बिजली विभाग से की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज लोगों ने रविवार सुबह से ही सड़क पर टायर जलाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

ग्रामीणों का कहना है कि उमस भरी गर्मी में बिजली नहीं रहने से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। धान की रोपाई सहित अन्य कृषि कार्य भी ठप पड़े हैं। घरों में एसी, पंखा, कूलर, फ्रिज और टीवी सब बंद हैं, यहां तक कि मोबाइल चार्ज करने तक में दिक्कत हो रही है। गांव में पीने के पानी की भी किल्लत हो गई है, जिससे लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।

जाम में शामिल विधान पार्षद प्रतिनिधि समरेंद्र कुमार शशि, राजेंद्र कुमार, मधुरेन्द्र सहनी, अमरेंद्र साह, रिषु सिंह और अमन सिंह ने बताया कि कई बार मोबाइल पर भी बिजली विभाग को सूचना दी गई, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं की गई।

वहीं इस संबंध में विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता छविंदर प्रसाद सिंह ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी। उन्होंने आश्वासन दिया है कि यदि ट्रांसफार्मर की समस्या है तो नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध है, जिसे जल्द ही बदला जाएगा।

बोरे में मिला युवती का नरकंकाल ऑनर किलिंग की आशंका

जांच में जुटी एफएसएल की टीम

खगड़िया (एजेंसियां)। खगड़िया में पानी से भरे एक गड्ढे से पुलिस ने बोरे में बंद एक युवती का नरकंकाल बरामद किया है। आशंका जताई जा रही है कि यह ऑनर किलिंग का मामला है और शव को टुकड़ों में काटकर ठिकाने लगाया गया था। मामला मड़ैया सहायक थाना क्षेत्र के आलमबाजार नयागांव सड़क मार्ग पर स्थित बहरखाल बहियार की है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ किसान अपने खेत में फसल देखने गए थे। इसी दौरान उन्हें पानी से भरे गड्ढे में एक बोरा तैरता हुआ दिखा। चौंकाने वाली बात यह थी कि एक कुत्ता उस बोरे से हड्डियों को निकालकर नोच-नोच कर खा रहा था। किसानों ने तत्काल इसकी सूचना मड़ैया थाने की पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मड़ैया थानाध्यक्ष मोहम्मद फिरदौस अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से बोरे को बाहर निकलवाया। बोरा खोलने पर उसमें से सिर्फ हड्डियों के टुकड़े ही निकले। शव के साथ मिले लंबे बालों से उसकी पहचान युवती के रूप में हुई, क्योंकि बाल नष्ट नहीं हुए थे।

पुलिस का मानना है कि शव को गड्ढे में फेंकने से पहले शव को कई टुकड़ों में काटा गया था। इन टुकड़ों को साड़ी में लपेटकर और लगभग 20 ईंटें बांधकर डुबोया गया था। शव को जल्दी गलाने के लिए चूना भी डाला गया था। देखने से प्रतीत होता है कि घटना लगभग एक महीने पहले की है। हालांकि, कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि बोरा लगभग एक सप्ताह से दिखाई दे रहा था।

घटना की सूचना तत्काल वरीय अधिकारियों को दी गई। गोगरी एसडीपीओ रमेश कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की. वहीं एसएफएल की टीम ने मौके से सभी नरकंकाल को अपने कब्जे में ले लिया, जिसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। मड़ैया थानाध्यक्ष मोहम्मद फिरदौस ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या यह ऑनर किलिंग का मामला प्रतीत हो रहा है। उन्होंने आसपास के सभी थाना क्षेत्रों को लापता व्यक्तियों से संबंधित मामलों की जानकारी देने के लिए सूचित किया है, ताकि शव की शिनाख्त हो सके।

मंत्री प्रेम कुमार का तंज : लालू राज में गरीब-वंचितों के घरों से मुर्गा-बकरी तक चोरी हो जाती थी

पटना (एजेंसियां)। जिले के राजपुर विधानसभा क्षेत्र के धनसोई में रविवार को संत शिरोमणी रविदास सम्मेलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भूवन ने की, जबकि संचालन पूनम रविदास ने किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल बिहार सरकार के एससी-एसटी कल्याण मंत्री जनक राम ने कहा कि आज बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के विचारों पर चलकर दलितों और महादलितों की भागीदारी हर क्षेत्र में सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद यादव ने बाबा साहेब के चित्र का अपमान कर दलितों की भावनाओं को आहत किया है, जिसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने सिर्फ अपने परिवार का विकास किया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद को देश और समाज के लिए समर्पित किया है।

मौके पर मौजूद बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बाबा साहेब की जयंती पर दलित और महादलित टोलों में कैंप लगाकर 22 सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है, जो 15 जुलाई तक चलेगा। उन्होंने कहा कि आज सरकार की सभी योजनाओं का सीधा लाभ आम जनता को मिल रहा है और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में पहुंच रही है। साथ ही बाबा साहेब की स्मृति में पंच तीर्थ की स्थापना की गई है।

डॉ. प्रेम कुमार ने आरोप लगाया कि लालू राज में गरीब दलितों और वंचितों के घरों से मुर्गा और बकरी तक की चोरी हो जाती थी।

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने बुजुर्गों, माताओं और बहनों को सम्मान देने के लिए पेंशन राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये तक कर दी है।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का मामला मुख्य आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मोतिहारी (एजेंसियां)। मोतिहारी के बंजरिया थाना क्षेत्र में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने पूरी रात छापेमारी कर मुख्य आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपी फरार हैं।

जानकारी के अनुसार, बंजरिया थाना क्षेत्र के सिस्वनिया गांव निवासी सकील अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और पीड़िता तथा आरोपी को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया है।

बताया जा रहा है कि जाटवा गांव में एक शादी समारोह से लौट रही सुगौली थाना क्षेत्र के श्रीपुर भटवलिया गांव की किशोरी अपने भाई के साथ बाइक से घर जा रही थी। इसी दौरान शुक्रवार रात करीब आठ बजे अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपियों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के दौरान किशोरी का भाई जब विरोध करने लगा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर गश्त कर रही 112 टीम पहुंची। इस दौरान आरोपी ने पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की कर भागने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद मौके पर पहुंची बंजरिया पुलिस ने हालात को संभालते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

थानाध्यक्ष रमेश कुमार महतो ने बताया कि अभी मेडिकल रिपोर्ट नहीं आई है। पीड़िता की मां ने थाने में लिखित आवेदन दिया है, जबकि पीड़िता ने भी अपने बयान में घटना की जानकारी दी है। फिलहाल पुलिस बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

भारतीय सेना का घर-घर शौर्य सम्मान, शहीद हरि कृष्णा राम के परिजनों को किया गया सम्मानित

सीवान (एजेंसियां)। 26वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के कारगिल ब्रिगेड की चार सदस्यीय टीम सीवान पहुंची। इस विशेष अभियान 'घर-घर शौर्य सम्मान महोत्सव' के तहत कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के परिवारों को उनके घर जाकर सम्मानित किया जा रहा है।

इसी क्रम में सेना की टीम शहर के महादेवा मोहल्ला पहुंची और कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिक हरि कृष्णा राम की पत्नी शिवलाकू देवी को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मान पाकर शहीद की पत्नी और पुत्र भावुक हो उठे। इस दौरान सेना के अधिकारियों ने शहीद के परिवार से मुलाकात कर हालचाल जाना और उनकी जरूरतों और समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा भी दिलाया।

सेना की चार सदस्यीय टीम में सूबेदार अमिताभ दास, हवलदार रंजीत सिंह, हवलदार अजय मिश्रा और टीआईएफसी राकेश ठाकुर शामिल थे। शहीद की पत्नी शिवलाकू देवी ने बताया कि उनके पति हरि कृष्णा राम 26 सितंबर 1977 को भारतीय सेना में भर्ती हुए थे और 5 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए। उन्होंने दुख जताया कि शहीद के नाम पर गांव में सड़क और विद्यालय का नाम रखने का आश्वासन सरकार द्वारा दिया गया था, लेकिन आज तक पूरा नहीं हो सका।

सूबेदार अमिताभ दास ने बताया कि कारगिल विजय दिवस पर देशभर में शहीदों के परिवारों को सम्मानित किया जा रहा है ताकि उन्हें यह एहसास दिलाया जा सके कि देश हमेशा उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि हमारे बहादुर शहीदों के परिवार अकेले नहीं हैं, पूरी भारतीय सेना हमेशा उनके साथ मजबूती से खड़ी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com